CTET L1 Telugu L2 Hindi P1

Topic:- CDP_P1_CTET

1) ______ is an example of gross motor skills.

(1) Running
(2) Grasping
(3) Scribbling
(4) Squeezing

_______ स्थूल गत्यात्मक कौशल का उदाहरण है।

(1) भागना
(2) पकड़ना
(3) आड़ी-तिरछी रेखाएँ खींचना
(4) निचोड़ना

[Question ID = 1][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q1]

1. 1 [Option ID = 1]
2. 2 [Option ID = 2]
3. 3 [Option ID = 3]
4. 4 [Option ID = 4]

2) Most children learn to hold a glass before they hold a pen. Which principle of development explains this specific direction of development ?

(1) Cephalo-Caudal Principle
(2) Proximo-Distal Principle
(3) Principle of Interaction
(4) Principle of Exclusion

अधिकतर बच्चे पेन पकड़ना सीखने से पहले गिलास पकड़ना सीख लेते हैं। विकास का कौन-सा सिद्धांत इस विशेष दिशा का वर्णन करता है ?

(1) शीर्षगामी सिद्धांत
(2) अधोगामी सिद्धांत
(3) पारस्परिकता/संपर्क का सिद्धांत
(4) बहिष्कार का सिद्धांत

[Question ID = 2][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q2]

1. 1 [Option ID = 5]
2. 2 [Option ID = 6]
3. 3 [Option ID = 7]
4. 4 [Option ID = 8]

3) Which of the following are primary agencies of socialisation for very young children ?

(1) Neighbourhood and Print media

(2) School and Law

(3) Social policy and Religion

(4) Family and Neighbourhood

बहुत छोटे बच्चों के लिए निम्न में से कौन-सी संस्थाएँ समाजीकरण की प्राथमिक संस्थाएँ हैं ?

(1) आस-पड़ोस और मुद्रक संचार

(2) विद्यालय और कानून

(3) सामाजिक नीति और धर्म

(4) परिवार और आस-पड़ोस

[Question ID = 3][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q3]

1. 1 [Option ID = 9]
2. 2 [Option ID = 10]
3. 3 [Option ID = 11]
4. 4 [Option ID = 12]

4) According to Jean Piaget's theory of cognitive development, at which stage can children think deductively ?

(1) Sensorimotor

(2) Pre-operational

(3) Concrete operational

(4) Formal operational

जीन पियाज़े के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत के अनुसार, बच्चे किस चरण में निगमनात्मक रूप से सोच सकते हैं ?

(1) संवेदी-गामक

(2) पूर्व-संक्रियात्मक

(3) मूर्त संक्रियात्मक

(4) औपचारिक संक्रियात्मक

[Question ID = 4][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q4]

1. 1 [Option ID = 13]
2. 2 [Option ID = 14]
3. 3 [Option ID = 15]
4. 4 [Option ID = 16]

5) Reena, a 5-year-old girl is shown two identical transparent glasses, both short and wide in shape. Both have exaclty same amount of milk in them. She agrees that the quantity is the same. However, when same milk from one glass was poured into a taller, narrower glass, she believes that taller glass has more milk than shorter glass. As per Jean Piaget's theory, this represents

(1) Difficulty in decentering

(2) Animism

(3) Semiotic function

(4) Hypothetical-deductive reasoning

पाँच वर्षीय रीना को दो पारदर्शी समरूप गिलास दिखाए गए, जो दोनों ही आकार में छोटे और चौड़े थे । दोनों में बराबर मात्रा में दूध डाला गया जिसे दिखाने पर रीना ने बराबर होने की सहमति जताई । फिर एक गिलास के दूध को किसी अन्य गिलास में डाला गया जो अपेक्षाकृत लम्बा और संकीर्ण था । अब रीना का मानना है कि लम्बे गिलास में छोटे गिलास की अपेक्षा दूध ज्यादा है । जीन पियाज़े के सिद्धांत के अनुसार यह क्या दर्शाता है ?

(1) विकेंद्रीकरण में कठिनाई

(2) जीववादी सोच

(3) लाक्षणिक प्रकार्य

(4) काल्पनिक-निगमनात्मक तर्क

[Question ID = 5][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q5]

1. 1 [Option ID = 17]
2. 2 [Option ID = 18]
3. 3 [Option ID = 19]
4. 4 [Option ID = 20]

6) Anu argues that 'only society not individuals can determine what is right'. As per Lawrence Kohlberg's moral development theory, which stage is represented in this example ?

(1) Obedience and Punishment orientation

(2) Good boy-good girl orientation

(3) Authority and social-order maintaining orientation

(4) Universal ethical principles orientation

अनु का तर्क है कि 'केवल समाज ही तय कर सकता है कि क्या सही है, व्यक्तिगत रूप नहीं' । लारेंस कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत के अनुसार यह उदाहरण किस चरण को दर्शाता है ?

(1) आज्ञापालन एवम् दण्ड अभिविन्यास

(2) अच्छा लड़का-अच्छी लड़की अभिविन्यास

(3) अधिकारिता एवम् सामाजिक-क्रम व्यवस्था अभिविन्यास

(4) सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास

[Question ID = 6][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q6]

1. 1 [Option ID = 21]
2. 2 [Option ID = 22]
3. 3 [Option ID = 23]
4. 4 [Option ID = 24]

7) As per Lev Vygotsky's ideas, which of the following is a correct way of scaffolding students' learning ?

(1) Conditioning the response by a stimulus.

(2) Giving rewards on correct answers.

(3) Providing prompts and cues when required.

(4) Telling answers directly without discussion.

लेव वायगोत्स्की के विचारों के अनुसार, निम्न में से विद्यार्थियों के अधिगम को पाड़ प्रदान करने का कौन-सा तरीका सही है ?

(1) उद्दीपन के द्वारा प्रतिक्रिया को अनुकूलित करना।

(2) सही जवाबों के लिए पुरस्कार देना।

(3) जरूरत पड़ने पर संकेत और इशारे देना।

(4) बिना चर्चा के सीधा जवाब बता देना।

[Question ID = 7][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q7]

1. 1 [Option ID = 25]
2. 2 [Option ID = 26]
3. 3 [Option ID = 27]
4. 4 [Option ID = 28]

8) Lev Vygotsky advocated for_________.

(1) extensive focus on rote memorisation

(2) collaborative learning

(3) exam-centric pedagogy

(4) standardised curriculum

लेव वायगोत्स्की ने निम्न में से किसे बढ़ावा दिया ?

(1) कंठस्थ स्मरण पर अत्यधिक जोर

(2) सहयोगात्मक अधिगम

(3) परीक्षा-केन्द्रित शिक्षाशास्त्र

(4) मानकीकृत पाठ्यक्रम

[Question ID = 8][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q8]

1. 1 [Option ID = 29]
2. 2 [Option ID = 30]
3. 3 [Option ID = 31]
4. 4 [Option ID = 32]

9) In a progressive classroom, learners are viewed as ___________.

(1) passive recepient of knowledge

(2) active participant in knowledge construction

(3) capable of learning only by lecture method

(4) incapable of processing information independently

एक प्रगतिशील कक्षा में, अधिगमकर्ताओं को किस तरह समझा जाता है ?

(1) ज्ञान के निष्क्रिय ग्रहणकर्ता के रूप में

(2) ज्ञान निर्माण में सक्रिय भागीदार के रूप में

(3) केवल व्याख्यान विधि से सीखने में सक्षम

(4) स्वतंत्र रूप से सूचना प्रसंस्करण में असक्षम

[Question ID = 9][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q9]

1. 1 [Option ID = 33]
2. 2 [Option ID = 34]
3. 3 [Option ID = 35]
4. 4 [Option ID = 36]

10) Rajni is really good at creating mental representation and transformation of seen objects. As per Howard Gardner's theory of multiple intelligence, what kind of intelligence is she exhibiting ?

(1) Linguistic

(2) Musical

(3) Spatial

(4) Interpersonal

रजनी देखी गई वस्तुओं के मानसिक चित्रण और परिवर्तन में बहुत कुशल है । हॉवर्ड गार्डनर के बहुबुद्धि सिद्धांत के अनुसार, वह किस प्रकार की बुद्धि दर्शाती है ?

(1) भाषायी

(2) संगीतीय

(3) स्थानिक

(4) अंतर्वैयक्तिक

[Question ID = 10][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q10]

1. 1 [Option ID = 37]
2. 2 [Option ID = 38]
3. 3 [Option ID = 39]
4. 4 [Option ID = 40]

11) Verbalisation of his own thoughts often helps James to find the solution of given problems. This statement suggests that :

(1) Language and cognition are not related.

(2) Biological maturation causes language development.

(3) Language facilitates cognition.

(4) Cognition gets delayed by interference of linguistic expression.

अपने विचारों का मौखिकीकरण जेम्स को दिए सवालों का जवाब ढूँढने में अकसर मदद करता है। यह कथन क्या सुझाता है ?

(1) भाषा और संज्ञान संबंधित नहीं हैं।

(2) जैविक परिपक्वता भाषा विकास के लिए जिम्मेवार है।

(3) भाषा संज्ञान को सुसाधित करती है।

(4) भाषाई अभिव्यक्ति के हस्तक्षेप से संज्ञान में देरी आ जाती है।

[Question ID = 11][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q11]

1. 1 [Option ID = 41]
2. 2 [Option ID = 42]
3. 3 [Option ID = 43]
4. 4 [Option ID = 44]

12) Gender is _______

(1) an identity shaped by society.

(2) predetermined since conception period.

(3) an innate biological quality.

(4) not influenced by socialisation agencies.

जेन्डर _________

(1) एक ऐसी अस्मिता है जो सामाजिक संरचनाओं द्वारा आकृति पाती है।

(2) गर्भधारण के समय से ही पूर्व-निर्धारित होता है।

(3) एक जन्मजात जैविक गुण है।

(4) समाजीकरण की संस्थाओं से प्रभावित नहीं होता है।

[Question ID = 12][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q12]

1. 1 [Option ID = 45]
2. 2 [Option ID = 46]
3. 3 [Option ID = 47]
4. 4 [Option ID = 48]

13) "Having a diverse curriculum with children from varied social, economic and cultural backgrounds enriches the learning experience of all students."
This statement is :

(1) correct, because children learn many skills from their peers.

(2) correct, because it makes the classroom more hierarchial.

(3) incorrect, because it leads to unnecessary competition.

(4) incorrect, because it can confuse the children and they may feel lost.

"विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बच्चों से युक्त कक्षा में विविध पाठ्यक्रम होने से सभी छात्रों के सीखने के अनुभव समृद्ध होते हैं।" यह कथन :

(1) सही है, क्योंकि बच्चे अपने साथियों से कई कौशल सीखते हैं।

(2) सही है, क्योंकि यह कक्षा को अधिक श्रेणीबद्ध बनाता है।

(3) गलत है, क्योंकि इससे अनावश्यक प्रतिस्पर्धा होती है।

(4) गलत है, क्योंकि यह बच्चों को भ्रमित कर सकता है और वे खोया हुआ महसूस कर सकते हैं।

[Question ID = 13][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q13]

1. 1 [Option ID = 49]
2. 2 [Option ID = 50]
3. 3 [Option ID = 51]
4. 4 [Option ID = 52]

14) Assessment for learning should be :

(1) Contextual

(2) Standardised

(3) Norm-referenced

(4) Teacher-oriented

'अधिगम के लिए' मूल्यांकन किस प्रकार का होना चाहिए ?

(1) संदर्भित

(2) मानकीकृत

(3) मानदंड-संदर्भित

(4) अध्यापक-अभिमुखी

[Question ID = 14][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q14]

1. 1 [Option ID = 53]
2. 2 [Option ID = 54]
3. 3 [Option ID = 55]
4. 4 [Option ID = 56]

15) Which of the following strategy of a teacher will promote creative thinking among students ?

(1) Giving long passages to rote memorise

(2) Encouraging convergent ways of representing a problem

(3) Rewarding functional fixedness

(4) Presenting problems that require search for innovative solutions

एक अध्यापिका द्वारा अपनाई गई कौन-सी युक्ति विद्यार्थियों में सृजनात्मक सोच को बढ़ावा देगी ?

(1) बड़े-बड़े गद्य कंठस्थ याद करने के लिए देना

(2) किसी समस्या को दर्शाने के अभिसारी तरीके को प्रोत्साहित करना

(3) प्रकार्यात्मक स्थिरता को पुरस्कृत करना

(4) ऐसी समस्याएँ प्रस्तुत करना जिनके लिए नवचारी समाधान खोजने की जरूरत हो

[Question ID = 15][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q15]

1. 1 [Option ID = 57]
2. 2 [Option ID = 58]
3. 3 [Option ID = 59]
4. 4 [Option ID = 60]

16) Successful inclusion of students belonging to disadvantaged groups requires _________.

(1) inflexible curriculum

(2) exam-centric pedagogy

(3) reasonable accommodations

(4) inaccessible infrastructure

वंचित वर्गों से संबंधित विद्यार्थियों के सफल समावेशन हेतु निम्न में से क्या जरूरी है ?

(1) अनम्य पाठ्यक्रम

(2) परीक्षा-केन्द्रित शिक्षाशास्त्र

(3) उचित समायोजन

(4) अगम्य/दुर्गम इमारती संरचना

[Question ID = 16][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q16]

1. 1 [Option ID = 61]
2. 2 [Option ID = 62]
3. 3 [Option ID = 63]
4. 4 [Option ID = 64]

17) Which of the following principle underlies the philosophy of inclusion ?

(1) Equity

(2) Equality

(3) Segregation

(4) Discrimination

निम्न में से किस सिद्धांत पर समावेशन की विचारधारा आधारित है ?

(1) समता

(2) समानता

(3) अलगाव

(4) पक्षपात

[Question ID = 17][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q17]

1. 1 [Option ID = 65]
2. 2 [Option ID = 66]
3. 3 [Option ID = 67]
4. 4 [Option ID = 68]

18) Students having Attention-Deficit-Hyperactivity Disorder typically tend to be :

(1) Highly organised.

(2) Very attentive.

(3) Patient while listening to long instructions.

(4) Restless.

अवधान-न्यूनता-अतिक्रियाशीलता विकार से जूझते विद्यार्थियों में निम्न में से कौन-सा अभिलक्षण अकसर पाया जाता है ?

(1) उच्च स्तरीय तौर से व्यवस्थित होना ।

(2) बहुत सचेत होना ।

(3) लंबे निर्देशों को सुनते समय धैर्यवान रहना ।

(4) आकुल होना ।

[Question ID = 18][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q18]

1. 1 [Option ID = 69]
2. 2 [Option ID = 70]
3. 3 [Option ID = 71]
4. 4 [Option ID = 72]

19) Students who are creative are likely to :

(1) take long time to understand task.

(2) come up with innovative original ideas.

(3) be behind their agemates in cognitive development.

(4) require higher efforts in learning content.

सृजनात्मक विद्यार्थी के बारे में निम्न में से क्या सही है ?

(1) वे कार्य को समझने में काफी समय लेते हैं।

(2) वे नवीन और मूल विचार सुझाते हैं।

(3) वे अपने सहपाठियों के मुकाबले संज्ञानात्मक विकास में पिछड़े होते हैं।

(4) उन्हें विषय-वस्तु को समझने में काफी मेहनत लगती है।

[Question ID = 19][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q19]
1. 1 [Option ID = 73]
2. 2 [Option ID = 74]
3. 3 [Option ID = 75]
4. 4 [Option ID = 76]

20) Austim causes challenges in several domains. Yet students with autism often have strength for ____________ which can be utilised by the teacher.

(1) retaining extensive factual information

(2) interpreting social situations correctly

(3) cognitive flexibility

(4) communicating their feelings clearly

स्वलीनता कई प्रकार के क्षेत्रों में चुनौती पैदा करती है । फिर भी स्वलीनता से जूझते विद्यार्थियों में निम्न में से कौन-सा सामर्थ्य होता है जिसका अध्यापिका सदुपयोग कर सकती है ?

(1) व्यापक तथ्यात्मक जानकारी का प्रतिधारण

(2) सामाजिक परिस्थितियों का सही विवेचन

(3) संज्ञानात्मक नम्यता

(4) अपनी भावनाओं का सटीक संप्रेषण

[Question ID = 20][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q20]
1. 1 [Option ID = 77]
2. 2 [Option ID = 78]
3. 3 [Option ID = 79]
4. 4 [Option ID = 80]

21) In order to enhance effective and meaningful learning for students, a teacher should emphasise on :

(1) rote memorisation of given information.

(2) increasing competitive spirit among students.

(3) conditioning of behaviour.

(4) relating content with real-life contexts.

विद्यार्थियों में प्रभावशाली एवम् अर्थपूर्ण अधिगम को बढ़ावा देने के लिए, एक अध्यापिका को किस पर बल देना चाहिए ?

(1) दी गई जानकारी को कंठस्थ स्मरण करने के लिए।

(2) विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाने के लिए।

(3) व्यवहार के अनुकूलन के लिए।

(4) पाठ्यसामग्री को वास्तविक-जीवन संदर्भ से जोड़ने के लिए।

[Question ID = 21][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q21]
1. 1 [Option ID = 81]
2. 2 [Option ID = 82]
3. 3 [Option ID = 83]
4. 4 [Option ID = 84]

22) Which of the following approach undermines students' ability ?

(1) Discovery learning

(2) Cooperative learning

(3) Intuitive guessing

(4) Passive imitation

निम्न में से कौन-सा उपागम विद्यार्थियों के ज्ञान अर्जन की योग्यता को कमत्तर आँकता है ?

(1) खोजी अधिगम

(2) सहयोगात्मक अधिगम

(3) सहज अनुमान लगाना

(4) निष्क्रिय नकल

[Question ID = 22][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q22]

1. 1 [Option ID = 85]
2. 2 [Option ID = 86]
3. 3 [Option ID = 87]
4. 4 [Option ID = 88]

23) *Assertion (A) :*

A teacher should activate students' previous knowledge while teaching a new concept.

Reason (R) :

Learning is more effective when content is presented in disconnected chunks of information.

Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).

(3) (A) is true but (R) is false.

(4) Both (A) and (R) are false.

कथन (A) :

किसी नए संप्रत्यय को पढ़ाने के समय एक अध्यापिका को विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना चाहिए ।

तर्क (R) :

अधिगम अधिक प्रभावशाली होता है जब विषय-वस्तु को जानकारी के असंबंधित खण्डों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है ।

सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है ।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है ।

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है ।

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं ।

[Question ID = 23][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q23]

1. 1 [Option ID = 89]
2. 2 [Option ID = 90]
3. 3 [Option ID = 91]
4. 4 [Option ID = 92]

24) Learning is __________ and ________ in character.

(1) active, social

(2) passive, social

(3) active, individual

(4) passive, individual

अधिगम की प्रकृति ___________ और _________ है।

(1) सक्रिय, सामाजिक

(2) निष्क्रिय, सामाजिक

(3) सक्रिय, व्यक्तिगत

(4) निष्क्रिय, व्यक्तिगत

[Question ID = 24][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q24]

1. 1 [Option ID = 93]
2. 2 [Option ID = 94]
3. 3 [Option ID = 95]
4. 4 [Option ID = 96]

25) Which of the following are effective problem solving strategies ?

(i) Mnemonics

(ii) Heuristics

(iii) Functional fixedness

(iv) Algorithms

(1) (i), (ii), (iii)

(2) (ii), (iii), (iv)

(3) (i), (iii), (iv)

(4) (i), (ii), (iv)

निम्न में से कौन-सी युक्तियाँ समस्या-समाधान के लिए प्रभावशाली हैं ?

(i) स्मृति-सहायक विधियाँ

(ii) अन्वेषण

(iii) प्रकार्यात्मक स्थिरता

(iv) कलन-विधि

(1) (i), (ii), (iii)

(2) (ii), (iii), (iv)

(3) (i), (iii), (iv)

(4) (i), (ii), (iv)

[Question ID = 25][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q25]
1. 1 [Option ID = 97]
2. 2 [Option ID = 98]
3. 3 [Option ID = 99]
4. 4 [Option ID = 100]

26) *Assertion (A) :*
A teacher should encourage students to share their ideas even if they represent misconceptions about the concept.
Reason (R) :
Misconceptions represent 'navie' theories constructed by students and are meaningful in learning process.
Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).
(3) (A) is true but (R) is false.
(4) Both (A) and (R) are false.

कथन (A) :
एक अध्यापिका को विद्यार्थियों को अपने विचार साझा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए चाहे वो विचार भ्रांतियाँ ही क्यों ना हों।
तर्क (R) :
भ्रांतियाँ विद्यार्थियों द्वारा गठित 'सहज' सिद्धांत होती हैं जो अधिगम प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण होती हैं।
सही विकल्प चुनें :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

[Question ID = 26][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q26]
1. 1 [Option ID = 101]
2. 2 [Option ID = 102]
3. 3 [Option ID = 103]
4. 4 [Option ID = 104]

27) Which of the following statements is correct about emotions and cognition ?

(1) High anxiety improves problem-solving skills.
(2) Moderate excitement improves involvement and learning.
(3) Hopelessness motivates the learners to try harder.
(4) Shame motivates the learners to take initiatives in group works.

संवेगों और संज्ञान के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा कथन सही है ?

(1) उच्च स्तरीय दुश्चिंता समस्या-समाधान कौशलों को बेहतर करती है।

(2) संतुलित उत्साह भागीदारी और अधिगम को बढ़ाता है।

(3) निराशा अधिगमकर्ताओं को और अधिक प्रयास करने को अभिप्रेरित करती है।

(4) शर्मिंदगी अधिगमकर्ताओं को सामूहिक कार्यों में पहल करने के लिए अभिप्रेरित करती है।

[Question ID = 27][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q27]

1. 1 [Option ID = 105]
2. 2 [Option ID = 106]
3. 3 [Option ID = 107]
4. 4 [Option ID = 108]

28) Students should be motivated to frame _______ goals.

(1) Mastery oriented

(2) Performance oriented

(3) Failure accepting

(4) Success avoidance

विद्यार्थियों को किस प्रकार के लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ?

(1) महारत उन्मुखी

(2) प्रदर्शन उन्मुखी

(3) असफलता स्वीकृत

(4) सफलता परिहार

[Question ID = 28][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q28]

1. 1 [Option ID = 109]
2. 2 [Option ID = 110]
3. 3 [Option ID = 111]
4. 4 [Option ID = 112]

29) _______ influences learning positively while _________ influences learning negatively.

(1) Brainstorming, Concept mapping

(2) Passive imitation, enquiry

(3) Discussion, critical thinking

(4) Schema activation, Learned helplessness

________ अधिगम को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है जबकि ________ नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

(1) विचारावेश, संकल्पना मानचित्रण

(2) निष्क्रिय नकल, अनुसंधान

(3) चर्चा, समालोचनात्मक चिंतन

(4) स्कीमा सक्रियता, अधिगम अशक्तता

[Question ID = 29][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q29]

1. 1 [Option ID = 113]
2. 2 [Option ID = 114]
3. 3 [Option ID = 115]
4. 4 [Option ID = 116]

30) National Education Policy (2020) recommends pedagogies which are ________ .

(1) exam-centric

(2) teacher-centric

(3) learner-centric

(4) exclusion-centric

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) किस प्रकार के शिक्षाशास्त्रों का प्रस्ताव रखती है ?

(1) परीक्षा-केन्द्रित

(2) अध्यापक-केन्द्रित

(3) अधिगमकर्ता-केन्द्रित

(4) बहिष्कार-केन्द्रित

[Question ID = 30][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_111_Q30]

1. 1 [Option ID = 117]
2. 2 [Option ID = 118]
3. 3 [Option ID = 119]
4. 4 [Option ID = 120]

Topic:- MATH_Q31-45_P1_CTET

1) In a bag, there are 1 white ball and 3 red balls. How many white balls should be added to the bag so that total number of white balls will become $\frac{1}{2}$ of the balls in the bag ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

किसी थैले में, 1 सफेद गेंद और 3 लाल गेंदें हैं। इस थैले में कितनी सफेद गेंदें और डाल दी जाएँ ताकि सफेद गेंदों की संख्या उस थैले की कुल गेंदों की संख्या का $\frac{1}{2}$ हो जाएँ ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

[Question ID = 31][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q31]

1. 1 [Option ID = 121]
2. 2 [Option ID = 122]
3. 3 [Option ID = 123]
4. 4 [Option ID = 124]

2) Out of 12 white sheets of equal size, Naveen coloured $\frac{3}{4}^{th}$ of them with red paint. How many white sheets are remaining now ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

समान माप की 12 सफेद शीटों में से नवीन उनके $\frac{3}{4}$ भाग में लाल रंग का पेंट कर देता है। अब कितनी सफेद शीट शेष रह गई हैं ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

[Question ID = 32][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q32]

1. 1 [Option ID = 125]
2. 2 [Option ID = 126]
3. 3 [Option ID = 127]
4. 4 [Option ID = 128]

3) The least number which is a common multiple of 45, 85 and 105 is

(1) 765

(2) 5355

(3) 315

(4) 1785

संख्याओं 45, 85 और 105 का लघुतम सार्व गुणज है

(1) 765

(2) 5355

(3) 315

(4) 1785

[Question ID = 33][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q33]

1. 1 [Option ID = 129]
2. 2 [Option ID = 130]
3. 3 [Option ID = 131]
4. 4 [Option ID = 132]

4) Die A consists of numbers 1, 3 and 5 on three faces and 0 is marked on all other faces. On the second die B; odd numbers 1, 3 and 5 are replaced by twice of those numbers and remaining three faces consist of 2, 4 and 6. Both the dice are thrown together and product of numbers obtained is taken. If we write all possible products, which product will be obtained three times ?

(1) 2

(2) 4

(3) 6

(4) 10

पासे A के तीन फलकों पर संख्याएँ 1, 3 और 5 अंकित हैं तथा अन्य सभी फलकों पर 0 अंकित हैं। दूसरे पासे B में; विषम संख्याओं 1, 3 और 5 को उनके दुगुने से प्रतिस्थापित कर दिया जाता है तथा शेष तीन फलकों पर 2, 4 और 6 अंकित हैं। दोनों पासों को एक साथ फेंका जाता है तथा प्राप्त संख्याओं का गुणनफल नोट किया जाता है। यदि हम सभी संभव गुणनफलों को लिखें, तो कौन-सा गुणनफल तीन बार प्राप्त होगा ?

(1) 2

(2) 4

(3) 6

(4) 10

[Question ID = 34][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q34]

1. 1 [Option ID = 133]
2. 2 [Option ID = 134]
3. 3 [Option ID = 135]
4. 4 [Option ID = 136]

5) Mayank was supposed to add two even numbers. Instead of that he added two odd numbers. Then, the answer will be

(1) Different but again an even number

(2) Same as supposed to be

(3) Different and an odd number

(4) Different even number larger than it was supposed to be

मयंक को दो सम संख्याओं को जोड़ना था । इसके स्थान पर उसने दो विषम संख्याओं को जोड़ दिया । तब, उसका उत्तर होगा

(1) अलग (भिन्न) परंतु पुन: एक सम संख्या

(2) जैसा प्राप्त होना था वही

(3) अलग तथा एक विषम संख्या

(4) अलग सम संख्या जो पहले प्राप्त होने वाली संख्या से बड़ी है

[Question ID = 35][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q35]

1. 1 [Option ID = 137]
2. 2 [Option ID = 138]
3. 3 [Option ID = 139]
4. 4 [Option ID = 140]

6) How many twin primes are there between the numbers 19 and 51 ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

संख्याओं 19 और 51 के बीच में कितने अभाज्य युग्म हैं ?

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

[Question ID = 36][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q36]

1. 1 [Option ID = 141]
2. 2 [Option ID = 142]
3. 3 [Option ID = 143]
4. 4 [Option ID = 144]

7) The angle between the hour hand and the minute hand of a 12-hour clock is 180° at the following time :

(1) 5:30

(2) 9:00

(3) 6:00

(4) 12:30

एक 12 घंटे वाली घड़ी की घंटे की सुई और मिनट की सुई के बीच का कोण 180° निम्न समय पर होता है :

(1) 5:30

(2) 9:00

(3) 6:00

(4) 12:30

[Question ID = 37][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q37]

1. 1 [Option ID = 145]
2. 2 [Option ID = 146]
3. 3 [Option ID = 147]
4. 4 [Option ID = 148]

8) Teacher shows the following figures to the class II children :
Match box, Brick, Geometry box
All of these are examples of a shape called

(1) Cube

(2) Cuboid

(3) Cone

(4) Cylinder

शिक्षक ने कक्षा II के बच्चों को निम्नलिखित आकृतियाँ दर्शाईं :
माचिस की डिब्बी, ईंट, ज्यामिति बॉक्स
ये सभी वस्तुएँ उस आकार के उदाहरण हैं, जो कहलाता है

(1) घन

(2) घनाभ

(3) शंकु

(4) बेलन

[Question ID = 38][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q38]

1. 1 [Option ID = 149]
2. 2 [Option ID = 150]
3. 3 [Option ID = 151]
4. 4 [Option ID = 152]

9) Which of the following figures has linear symmetry but no rotational symmetry ?

(1) Rectangle

(2) Kite

(3) Equilateral triangle

(4) Rhombus

निम्नलिखित में से किस आकृति में रैखिक सममिति है, परंतु घूर्णन सममिति नहीं है ?

(1) आयत

(2) पतंग

(3) समबाहु त्रिभुज

(4) समचतुर्भुज

[Question ID = 39][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q39]

1. 1 [Option ID = 153]
2. 2 [Option ID = 154]
3. 3 [Option ID = 155]
4. 4 [Option ID = 156]

10) Jayanth measured sides of a rectangle using a matchstick. He got its length as 6 times of his matchstick and breadth 3 times of the same matchstick. If his matchstick is of length 40 mm, what is the area of rectangle in square centimetres ?

(1) 288

(2) 278

(3) 72

(4) 96

जयंथ ने एक आयत की भुजाओं को एक दियासलाई के उपयोग से मापा । उसे इस आयत की लंबाई दियासलाई की लंबाई की 6 गुनी प्राप्त हुई तथा चौड़ाई उसी दियासलाई की 3 गुनी प्राप्त हुई । यदि उसकी दियासलाई की लंबाई 40 mm है, तो उस आयत का क्षेत्रफल वर्ग सेंटीमीटरों में क्या है ?

(1) 288

(2) 278

(3) 72

(4) 96

[Question ID = 40][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q40]

1. 1 [Option ID = 157]
2. 2 [Option ID = 158]
3. 3 [Option ID = 159]
4. 4 [Option ID = 160]

11) Jayanth purchased 2 kg of Jamun at the rate of ₹ 100·00 per kg. His friend Kirana has contributed $\frac{3}{10}$ of the money for it. How much Jamun she should get from Jayanth ?

(1) 600 grams

(2) 800 grams

(3) 1000 grams

(4) 300 grams

जयंथ ने ₹ 100·00 प्रति kg की दर से 2 kg जामुन खरीदे। इसके लिए, उसके मित्र किराना ने इस धनराशि के $\frac{3}{10}$ भाग के बराबर योगदान दिया। जयंथ से उसे कितने जामुन प्राप्त होंगे ?

(1) 600 ग्राम

(2) 800 ग्राम

(3) 1000 ग्राम

(4) 300 ग्राम

[Question ID = 41][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q41]

1. 1 [Option ID = 161]
2. 2 [Option ID = 162]
3. 3 [Option ID = 163]
4. 4 [Option ID = 164]

12) Bijoy gets up at 6:00 am in the morning. When he started for going to school, the minute hand of the clock was at 12 and hour hand was at 9. How much time he spent in home after he woke up till going to school ?

(1) 6 hours

(2) 9 hours

(3) 12 hours

(4) 3 hours

बिजोय प्रात: 6:00 am पर सो कर उठा। जब वह स्कूल जाने लगा, तो घड़ी की मिनट वाली सुई 12 पर थी तथा घंटे की सुई 9 पर थी। उसने घर में, प्रात: उठने से लेकर स्कूल जाने लगने तक कितना समय व्यतीत किया ?

(1) 6 घंटे

(2) 9 घंटे

(3) 12 घंटे

(4) 3 घंटे

[Question ID = 42][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q42]

1. 1 [Option ID = 165]
2. 2 [Option ID = 166]
3. 3 [Option ID = 167]
4. 4 [Option ID = 168]

13) Students of class III conducted a survey among themselves. For that, they made a table with names of fruits written on it. Each student has to put a star '*' mark in the table against the fruit they like. They got 7 stars '*' for mangoes, 5 stars '*' for apples and 6 stars '*' for oranges. Which of the following conclusions is correct from the table ?

(1) Out of 18 students, 6 like mangoes.

(2) Out of 18 students, 11 do not like oranges.

(3) Mango is the most favourite fruit.

(4) Orange is the fruit which most of them don't like.

कक्षा III के विद्यार्थियों ने स्वयं आपस में एक सर्वे किया। इसके लिए, उन्होंने एक सारणी बनाई और उसमें फलों के नाम लिख दिए। प्रत्येक विद्यार्थी को इस सारणी में लिखे फल के सम्मुख अपनी पसंद के लिए एक स्टार '*' चिह्न अंकित करना था। उन्हें आमों के लिए 7 स्टार '*', सेबों के लिए 5 स्टार '*' और संतरों के लिए 6 स्टार '*' प्राप्त होते हैं। इस सारणी से निम्नलिखित में से कौन-सा निष्कर्ष सही है ?

(1) 18 विद्यार्थियों में से 6 विद्यार्थी आम पसंद करते हैं।

(2) 18 विद्यार्थियों में से 11 विद्यार्थी संतरे पसंद नहीं करते हैं।

(3) आम सबसे अधिक पसंद किए जाने वाला फल है।

(4) संतरा वह फल है, जिसे अधिकतम विद्यार्थी पसंद नहीं करते हैं।

[Question ID = 43][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q43]

1. 1 [Option ID = 169]
2. 2 [Option ID = 170]
3. 3 [Option ID = 171]
4. 4 [Option ID = 172]

14) Which one of the following correctly represent 7 observations of a data, using tally marks ?

(1) || || |||

(2)

(3)

(4)

निम्नलिखित में से कौन-सा एक आँकड़ों के 7 प्रेक्षणों को, मिलान चिह्नों के उपयोग से सही रूप से निरूपण करता है ?

(1) || || |||

(2)

(3)

(4)

[Question ID = 44][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q44]

1. 1 [Option ID = 173]
2. 2 [Option ID = 174]

3. 3 [Option ID = 175]
4. 4 [Option ID = 176]

15) The next number in the following pattern is :

1, 3, 6, 10, ______

(1) 11

(2) 13

(3) 12

(4) 15

निम्नलिखित पैटर्न में अगली संख्या है :

1, 3, 6, 10, ______

(1) 11

(2) 13

(3) 12

(4) 15

[Question ID = 45][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q45]

1. 1 [Option ID = 177]
2. 2 [Option ID = 178]
3. 3 [Option ID = 179]
4. 4 [Option ID = 180]

Topic:- MATH_Q46-60_P1_CTET

1) Raju understands that all rhombus are parallelogram but reverse is not true. According to Van Hiele's theory of geometric thinking, Raju is at which level ?

(1) Visualization

(2) Analysis

(3) Abstraction/Relationship

(4) Formal Deduction

राजू समझता है कि सभी समचतुर्भुज समांतर चतुर्भुज हैं लेकिन उत्क्रमण सत्य नहीं है । वैन हैले के ज्यामितीय चिन्तन के सिद्धांत के अनुसार, राजू किस स्तर पर है ?

(1) दृश्यीकरण

(2) विश्लेषण

(3) अमूर्तन/संबंधों की समझ

(4) औपचारिक निगमन

[Question ID = 46][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q46]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

2) National Curriculum Framework, 2005, identifies crude methods of assessment as a major problem in teaching-learning of mathematics. Which of the following statements is least appropriate in the given context ?

(1) Crude methods of assessment encourages perception of mathematics as mechanical computation.

(2) Crude assessment techniques instill a sense of fear and failure regarding mathematics.

(3) There is a wide scope of giving feedback to students in assessment techniques in mathematics.

(4) Due to assessment techniques in mathematics many students find themselves unable to cope with the demands made by mathematics.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005, आकलन की अपरिष्कृत विधियों को गणित शिक्षण-अधिगम की प्रमुख समस्या के रूप में पहचान करता है। निम्नलिखित में से कौन-सा कथन इस संदर्भ में सबसे कम उपयुक्त है ?

(1) आकलन की अपरिष्कृत विधियाँ गणित को यांत्रिक गणनाओं के रूप में देखने के दृष्टिकोण को बढ़ावा देती हैं।

(2) आकलन की अपरिष्कृत विधियाँ गणित को लेकर डर व असफलता का भाव उत्पन्न करती हैं।

(3) गणित में आकलन की विधियों में विद्यार्थियों को प्रतिपुष्टि प्रदान करने का व्यापक दायरा है।

(4) गणित में आकलन की विधियों के कारण अधिकांश विद्यार्थी गणित की माँगों को पूरा करने में स्वयं को कमज़ोर तथा अयोग्य पाते हैं।

[Question ID = 47][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q47]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

3) Which among the following is/are true in the context of errors made by children in mathematics learning ?

A. Errors are an indicator of a child's learning process and are hence important.

B. Errors are an indicator of lack of competency of a teacher.

C. Errors will become a burden for teachers as he/she would be required to teach the concept again.

Choose the correct option :

(1) Only A

(2) Only B

(3) B and C

(4) A and C

गणित अधिगम के दौरान बच्चों द्वारा की गई त्रुटियों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से क्या सत्य है/हैं ?

A. त्रुटियाँ बच्चे की अधिगम प्रक्रिया की सूचक हैं और इसलिए महत्त्वपूर्ण हैं।

B. त्रुटियाँ शिक्षक की योग्यता में कमी की सूचक हैं।

C. त्रुटियाँ शिक्षकों के लिए एक बोझ बन जाएँगी क्योंकि उन्हें अवधारणा को दोबारा पढ़ाने की आवश्यकता होगी।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) केवल A

(2) केवल B

(3) B और C

(4) A और C

[Question ID = 48][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q48]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]
3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

4) Which of the following is ***not*** a characteristic of competency-based mathematics learning ?

(1) Learning outcomes are explicit and measurable.

(2) The pedagogy is based on activities, experiences and integration of arts/sports/technology.

(3) Transition of children to the next level of learning outcomes does not depend upon achieving certain level of proficiency at the current level.

(4) Formative assessment is primarily used and skills or concepts are assessed in multiple contexts.

निम्नलिखित में से कौन-सी योग्यता-आधारित गणित शिक्षण की विशेषता ***नहीं*** है ?

(1) अधिगम के प्रतिफल स्पष्ट और मापने योग्य होते हैं।

(2) शिक्षणशास्त्र गतिविधियों, अनुभवों तथा कला/खेल/प्रौद्योगिकी के समाकलन पर आधारित होता है।

(3) बच्चों का अधिगम-प्रतिफल के अगले स्तर पर बढ़ना, उनके वर्तमान स्तर पर एक निश्चित स्तर की दक्षता हासिल करने पर निर्भर नहीं करता है।

(4) प्राथमिक रूप से रचनात्मक आकलन का उपयोग किया जाता है और कौशल या अवधारणाओं का आकलन कई संदर्भों में किया जाता है।

[Question ID = 49][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q49]

1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

5) Which of the following is ***not*** a suitable teaching-learning material for mathematics learning at the primary level ?

(1) Tangrams

(2) Dienes Blocks

(3) Tessellation Kits

(4) Theodolite

प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी शिक्षण-अधिगम सामग्री उपयुक्त ***नहीं*** है ?

(1) टेनग्राम

(2) डाइन्स ब्लॉक

(3) टेसीलेशन (टाइलिंग) किट

(4) कोण मापी (थिओडोलाइट)

[Question ID = 50][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q50]

1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

6) A primary class mathematics teacher engages the children in making groups of shapes that have similar properties and then count the number of shapes in each group. Which of the following may ***not*** be an objective of this activity ?

(1) Learning the skill of classification

(2) Learning about shapes

(3) Learning about counting

(4) Learning about estimation and approximation

एक प्राथमिक कक्षा का गणित शिक्षक बच्चों को समान गुणों वाली आकृतियों का समूह बनाने में तथा फिर प्रत्येक समूह में आकृतियों की संख्या को गिनने में संलग्न रखता है। निम्नलिखित में से कौन-सा इस गतिविधि का उद्देश्य ***नहीं*** हो सकता है ?

(1) वर्गीकरण का कौशल सीखना

(2) आकृतियों के बारे में सीखना

(3) गिनती के बारे में सीखना

(4) अनुमान तथा सन्निकटन के बारे में सीखना

[Question ID = 51][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q51]

1. 1 [Option ID = 201]
2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

7) According to National Education Policy (NEP), 2020, attaining "foundational literacy and numeracy" for all children became an urgent national mission. Foundational numeracy as per NEP, 2020 refers to

(1) the ability to understand different types of numbers

(2) the ability to carry out basic mathematical operations with Indian numerals

(3) the ability to develop only counting skills among learners

(4) the learning of historical development of numbers

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 के अनुसार, सभी बच्चों को "बुनियादी साक्षरता एवं सांख्यिकी" स्तर तक पहुँचाना एक आवश्यक राष्ट्रीय मिशन बन गया है।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार बुनियादी सांख्यिकी का अर्थ है

(1) विभिन्न प्रकार की संख्याओं को समझने की योग्यता

(2) भारतीय संख्याओं पर मौलिक गणितीय संक्रियाओं को करने की योग्यता

(3) शिक्षार्थियों में केवल गिनने के कौशल के विकास की योग्यता

(4) संख्याओं के ऐतिहासिक विकास को जानना

[Question ID = 52][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q52]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

8) Which of the following is the most appropriate example of activity-based approach to teaching and learning of properties of geometrical shapes in class IV ?

(1) Children involved in cutting and pasting geometrical shapes from a chart in their notebooks.

(2) A chart depicting the classification of different properties of various geometrical shapes is being used by the teacher in the class.

(3) Children are given numerous cutouts of different shapes and are made to analyse number of sides, angles and vertices, etc.

(4) Children are made to copy various geometrical figures from the blackboard.

कक्षा IV में क्रियाकलाप-आधारित विधि द्वारा ज्यामितीय आकृतियों के गुणधर्म के शिक्षण-अधिगम हेतु निम्नलिखित में से कौन-सा उदाहरण सर्वाधिक उपयुक्त होगा ?

(1) बच्चों द्वारा ज्यामितीय आकृतियों को चार्ट से काटकर अपनी पुस्तिका में चिपकाना।

(2) शिक्षक/शिक्षिका द्वारा कक्षा में एक चार्ट का उपयोग करना जिसमें विविध ज्यामितीय आकारों/आकृतियों के विभिन्न गुणधर्मों का वर्गीकरण के साथ चित्रण हो।

(3) बच्चों को विविध आकृतियों के आकार में कटी हुई सामग्री देना तथा उनको भुजाओं की संख्या, कोणों और शीर्षों, आदि के अनुसार विश्लेषण करवाना।

(4) बच्चों द्वारा श्यामपट्ट से विविध ज्यामितीय आकृतियों की नकल करवाना।

[Question ID = 53][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q53]

1. 1 [Option ID = 209]
2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

9) Which of the following mathematical statement is true ?

(1) All even numbers are composite numbers.

(2) All odd numbers are prime numbers.

(3) There are four prime numbers between 1 to 10.

(4) A prime number can be written as the product of more than two natural numbers.

निम्नलिखित में से कौन-सा गणितीय कथन सही है ?

(1) सभी सम संख्याएँ भाज्य संख्याएँ हैं।

(2) सभी विषम संख्याएँ अभाज्य संख्याएँ हैं।

(3) 1 से 10 के बीच में चार अभाज्य संख्याएँ हैं।

(4) एक अभाज्य संख्या को दो से अधिक प्राकृत संख्याओं के गुणनफल के रूप में लिखा जा सकता है।

[Question ID = 54][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q54]

1. 1 [Option ID = 213]
2. 2 [Option ID = 214]
3. 3 [Option ID = 215]
4. 4 [Option ID = 216]

10) According to National Curriculum Framework, 2005 which is the most common misconception held by children about mathematics ?

(1) "Mathematics is not just about numbers"

(2) "Mathematics is indeed very interesting"

(3) "Mathematics requires some abstraction"

(4) "Mathematics is the most difficult and hence a scary subject"

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार, निम्नलिखित में से बच्चों में गणित के प्रति सबसे अधिक सामान्य भ्रांति क्या है ?

(1) "गणित केवल संख्या के बारे में नहीं है"

(2) "गणित वास्तव में बहुत रुचिपूर्ण है"

(3) "गणित में कुछ अमूर्तनों की आवश्यकता होती है"

(4) "गणित बहुत मुश्किल है अत: एक भयावह विषय है"

[Question ID = 55][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q55]

1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

11) While introducing the concept of time, a teacher was simultaneouly using the phrases 'quarter past 3', 'quarter to 3, etc'. She intends to

(1) Teach the spelling of 'quarter' to students

(2) Make a base for introducing digital clocks

(3) Tell the difference between the words 'past' and 'to'

(4) Help her students make connection between elapsed time and time remaining

समय की अवधारणा का परिचय कराते हुए, एक शिक्षिका 'पौने 3 तथा सवा 3' जैसे शब्द एक साथ उपयोग करती है। उसका उद्देश्य है

(1) 'पौने' तथा 'सवा' की वर्तनी विद्यार्थियों को सिखाना

(2) अंक घड़ी प्रस्तुत करने का आधार निर्माण

(3) 'पौने' तथा 'सवा' शब्दों में अंतर बताना

(4) अपने विद्यार्थियों को गुजरे हुए समय एवं शेष समय के बीच संबंध बनाने में सहायता करना

[Question ID = 56][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q56]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

12) Which of the following statement is/are correct for 'tests in mathematics' ?

A. Formative achievement test does not have any characteristics of diagnostic test.

B. Diagnostic test is followed by remedial teaching, if required.

C. Summative tests are product oriented.

Choose the correct option :

(1) A and B

(2) A and C

(3) B and C

(4) Only A

निम्नलिखित में से 'गणित में परीक्षण' के संदर्भ में कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

A. रचनात्मक उपलब्धि परीक्षण में नैदानिक परीक्षण की कोई भी विशेषता नहीं होती है।

B. नैदानिक परीक्षण के बाद उपचारात्मक शिक्षण, यदि आवश्यक हो, दिया जाता है।

C. योगात्मक परीक्षण उत्पाद उन्मुख हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) A और B

(2) A और C

(3) B और C

(4) केवल A

[Question ID = 57][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q57]

1. 1 [Option ID = 225]
2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

13) To show that Statement A ⇒ Statement B, Shudha starts proving by assuming "not B", and argue to arrive at "not A", Which method did Shudha employ ?

(1) Proof by induction

(2) Proof by construction

(3) Proof by exhaustion

(4) Proof by contrapositive

कथन ए ⇒ कथन बी को सिद्ध करने के लिए, शुधा, "बी नहीं" मानकर उपपत्ति शुरू करती है, और "ए नहीं" पर पहुँचने का तर्क देती है। शुधा ने किस विधि का प्रयोग किया है ?

(1) आगमन उपपत्ति

(2) निर्माण उपपत्ति

(3) निःशेषण उपपत्ति

(4) प्रतिपरिवर्तित/प्रतिस्थिति उपपत्ति

[Question ID = 58][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q58]

1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

14) A child added two numbers like this in the following way :

23+47 = 20+40+10 = 70

Which of the following is most appropriate with respect to the above problem ?

(1) It is a wrong strategy of addition

(2) Addition must be done from right to left

(3) The child has not understood the concept of addition

(4) It is an alternate strategy of addition

एक बच्चे ने निम्नलिखित रूप से दो संख्याओं को जोड़ा :

23+47 = 20+40+10 = 70

निम्नलिखित में से उपरोक्त समस्या के संबंध में कौन-सा सर्वाधिक उपयुक्त है ?

(1) यह योग की गलत युक्ति है

(2) योग को दाएँ से बाएँ की तरफ ही करना चाहिए

(3) बच्चे ने योग की अवधारणा को नहीं समझा है

(4) यह योग की वैकल्पिक युक्ति है

[Question ID = 59][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q59]

1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

15) Which of the following activities, a mathematics teacher can do to increase spatial understanding among the primary stage learners ?

A. Give learners many opportunities to handle objects such as blocks, boxes, containers, shape sorters.

B. Help learners to define concepts like similarity, congruence, etc. by giving different examples.

C. Encourage learners to make new shapes by putting materials together and taking them apart in different arrangements.

D. Encourage learners to identify different shapes around them.

Choose the correct option :

(1) A, C and D

(2) A, B and C

(3) A and D

(4) A and C

प्राथमिक स्तर के शिक्षार्थियों के बीच दिक्स्थान संबंधी समझ को बढ़ाने के लिए गणित शिक्षक निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि कर सकता है ?

A. बच्चों को ब्लॉक, बक्से, कंटेनर, आकार सॉर्टर जैसी वस्तुओं को संभालने के कई अवसर दें।

B. विभिन्न उदाहरण देते हुए समरूपता, सर्वांगसमता जैसी अवधारणा को परिभाषित करने में बच्चों की मदद करना।

C. विभिन्न व्यवस्थाओं में सामग्री को एक साथ रखकर और फिर अलग-अलग करके बच्चों को नई आकृतियाँ बनाने के लिए प्रोत्साहित करना।

D. बच्चों को अपने चारों तरफ विभिन्न आकृतियों को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करना।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) A, C और D

(2) A, B और C

(3) A और D

(4) A और C

[Question ID = 60][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_111_Q60]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

Topic:- EVS_Q61-75_P1_CTET

1) In the textbook for class V a map of Golconda fort is printed. On the right bottom of this map a scale is printed which is as given below :

Scale 1 cm = 110 metre

If on this map the distance between the Fateh Darwaza and the Petla Burj is 15·4 cm, the actual distance between these two places is

(1) 16·94 kilometres

(2) 16·44 kilometres

(3) 1·644 kilometres

(4) 1·694 kilometres

कक्षा V की पाठ्य-पुस्तक में गोलकोण्डा के किले का मानचित्र छपा है। इस मानचित्र के दाहिने निचले भाग पर एक पैमाना छपा है जो इस प्रकार है :
पैमाना 1 सेमी = 110 मीटर
यदि इस मानचित्र पर फतेह दरवाजा और पेटला बुर्ज के बीच की दूरी 15·4 सेमी है, तो इन दोनों स्थानों के बीच की वास्तविक दूरी है

(1) 16·94 किलोमीटर

(2) 16·44 किलोमीटर

(3) 1·644 किलोमीटर

(4) 1·694 किलोमीटर

[Question ID = 61][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q61]
1. 1 [Option ID = 241]
2. 2 [Option ID = 242]
3. 3 [Option ID = 243]
4. 4 [Option ID = 244]

2) The government law that 'no one can catch and keep snakes' comes under which Act ?

(1) Environment (Protection) Act (1986)

(2) Biological Diversity Act (2002)

(3) Wildlife Protection Act (1972)

(4) Forest Conservation Act (1980)

सरकारी कानून जिसके अनुसार, 'कोई भी व्यक्ति साँप को पकड़ व रख नहीं सकता है' किस अधिनियम के अंतर्गत आता है ?

(1) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (1986)

(2) जैविक विविधता अधिनियम (2002)

(3) वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (1972)

(4) वन संरक्षण अधिनियम (1980)

[Question ID = 62][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q62]
1. 1 [Option ID = 245]
2. 2 [Option ID = 246]
3. 3 [Option ID = 247]
4. 4 [Option ID = 248]

3) Rajaji National Park is located in

(1) Uttarakhand

(2) Gujarat

(3) Himachal Pradesh

(4) Uttar Pradesh

राजाजी राष्ट्रीय उद्यान स्थित है :

(1) उत्तराखण्ड में

(2) गुजरात में

(3) हिमाचल प्रदेश में

(4) उत्तर प्रदेश में

[Question ID = 63][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q63]

1. 1 [Option ID = 249]
2. 2 [Option ID = 250]
3. 3 [Option ID = 251]
4. 4 [Option ID = 252]

4) Which one of the following is non-renewable form of energy ?

(1) Solar energy

(2) Geo-thermal energy

(3) Natural gas

(4) Tidal energy

निम्नलिखित में से कौन-सा अनवीकरणीय ऊर्जा का रूप है ?

(1) सौर ऊर्जा

(2) भू-तापीय ऊर्जा

(3) प्राकृतिक गैस

(4) ज्वारीय ऊर्जा

[Question ID = 64][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q64]

1. 1 [Option ID = 253]
2. 2 [Option ID = 254]
3. 3 [Option ID = 255]
4. 4 [Option ID = 256]

5) Which of the following Union Territory is on the coast of Bay of Bengal ?

(1) Lakshadweep

(2) Nagaland

(3) Puducherry

(4) Dadra and Nagar Haveli, Daman and Diu

निम्न में से कौन-सा केन्द्र शासित प्रदेश बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित है ?

(1) लक्षद्वीप

(2) नागालैंड

(3) पुदुचेरी

(4) दादरा और नागर हवेली, दमन और दीव

[Question ID = 65][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q65]

1. 1 [Option ID = 257]

2. 2 [Option ID = 258]
3. 3 [Option ID = 259]
4. 4 [Option ID = 260]

6) Rahul has cold. He can't taste the flavour of his favourite food. This is because

(1) Papillae is not sensitive.

(2) The taste buds are swollen.

(3) Cold affects his sense of smell.

(4) Cold makes your taste buds numb.

राहुल को जुकाम है। वह अपने पसंदीदा भोजन का स्वाद नहीं ले पा रहा है। यह इस कारण है

(1) पैपिले संवेदनशील नहीं है।

(2) स्वाद कलिकाएँ सूजी हुई हैं।

(3) जुकाम से उसकी सूँघने की अनुभूति प्रभावित हो गयी है।

(4) जुकाम आपकी स्वाद कलिकाओं को सुन्न कर देता है।

[Question ID = 66][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q66]

1. 1 [Option ID = 261]
2. 2 [Option ID = 262]
3. 3 [Option ID = 263]
4. 4 [Option ID = 264]

7) Wildlife Conservation Week is celebrated during first week of

(1) October

(2) April

(3) July

(4) May

वन्य जीव संरक्षण सप्ताह किस माह के पहले सप्ताह के दौरान मनाया जाता है ?

(1) अक्टूबर

(2) अप्रैल

(3) जुलाई

(4) मई

[Question ID = 67][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q67]

1. 1 [Option ID = 265]
2. 2 [Option ID = 266]
3. 3 [Option ID = 267]
4. 4 [Option ID = 268]

8) Who won Stockholm Water Prize in 2015 for his/her contribution in water harvesting and conservation ?

(1) Rajendra Singh

(2) Sunderlal Bahuguna

(3) Medha Patkar

(4) Panduranga Hegde

जल संग्रहण एवं संरक्षण में योगदान के लिए 2015 में किसने स्टॉकहोम जल पुरस्कार जीता था ?

(1) राजेन्द्र सिंह

(2) सुन्दरलाल बहुगुणा

(3) मेधा पाटकर

(4) पांडुरंग हेगड़े

[Question ID = 68][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q68]

1. 1 [Option ID = 269]
2. 2 [Option ID = 270]
3. 3 [Option ID = 271]
4. 4 [Option ID = 272]

9) Match the following :

	Location		Common houses
(a)	Assam	(i)	Houses made of stones with wooden floor and wooden ceiling.
(b)	Leh(Ladakh)	(ii)	Houses made of stones/wood with slanting roofs.
(c)	Manali (Himachal Pradesh)	(iii)	Mud houses made of thick walls. Roofs made of thorny bushes.
(d)	Rajasthan	(iv)	Multistorey houses with large glass windows.
		(v)	Elevated houses made on bamboo pillars.

(1) a-(v), b-(i), c-(ii), d-(iii)

(2) a-(v), b-(i), c-(iii), d-(ii)

(3) a-(v), b-(iv), c-(ii), d-(iii)

(4) a-(i), b-(ii), c-(v), d-(iv)

निम्नलिखित का मिलान कीजिए :

स्थान	सामान्य घर
(a) असम	(i) घर पत्थर के बने जिनकी फर्श और छतें लकड़ी की बनी हैं ।
(b) लेह (लद्दाख)	(ii) पत्थर/लकड़ी के बने घर जिनकी छतें ढालू हैं ।
(c) मनाली (हिमाचल प्रदेश)	(iii) मिट्टी की मोटी दीवारों के घर जिनकी छतें कँटीली झाड़ियों की बनी हैं ।
(d) राजस्थान	(iv) बहुमंजिले घर जिनकी बड़ी खिड़कियाँ काँच की हैं ।
	(v) बाँस के खम्भों पर बने ऊँचे घर जिनकी छतें ढालू हैं ।

(1) a-(v), b-(i), c-(ii), d-(iii)

(2) a-(v), b-(i), c-(iii), d-(ii)

(3) a-(v), b-(iv), c-(ii), d-(iii)

(4) a-(i), b-(ii), c-(v), d-(iv)

[Question ID = 69][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q69]

1. 1 [Option ID = 273]
2. 2 [Option ID = 274]
3. 3 [Option ID = 275]
4. 4 [Option ID = 276]

10) Which is the correct sequence of taste buds from tip to side and then back of your tongue ?

(1) Sweet, Sour, Salty, Bitter

(2) Sweet, Salty, Sour, Bitter

(3) Bitter, Sour, Salty, Sweet

(4) Bitter, Salty, Sour, Sweet

स्वाद कलिकाओं का सही अनुक्रम जीभ के सिरे से अगल-बगल और फिर पीछे तक का क्या होगा ?

(1) मीठा, खट्टा, नमकीन, कड़वा

(2) मीठा, नमकीन, खट्टा, कड़वा

(3) कड़वा, खट्टा, नमकीन, मीठा

(4) कड़वा, नमकीन, खट्टा, मीठा

[Question ID = 70][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q70]

1. 1 [Option ID = 277]
2. 2 [Option ID = 278]
3. 3 [Option ID = 279]
4. 4 [Option ID = 280]

11) A species of plant or animal that is seriously at the risk of extinction is called as ________ .

(1) Endangered species

(2) Rare species

(3) Endemic species

(4) Extinct species

किसी पौधे अथवा जन्तु की प्रजाति जिसका गंभीर रूप से विलुप्त होने का ख़तरा हो, उसे __________ कहते हैं।

(1) संकटापन्न प्रजातियाँ

(2) दुर्लभ प्रजातियाँ

(3) स्थानीय प्रजातियाँ

(4) विलुप्त हो चुकी प्रजातियाँ

[Question ID = 71][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q71]

1. 1 [Option ID = 281]
2. 2 [Option ID = 282]
3. 3 [Option ID = 283]
4. 4 [Option ID = 284]

12) Giant squirrel species is confined to Pachmarhi Biosphere Reserve and is not found anywhere else. Such species is known as :

(1) Exotic species

(2) Invasive species

(3) Endemic species

(4) Keystone species

बृहत् गिलहरी की प्रजाति पंचमढ़ी जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र तक सीमित है और यह कहीं और नहीं पाई जाती। ऐसी प्रजाति को कहते हैं :

(1) अन्यस्थानिक प्रजाति

(2) आक्रामक प्रजाति

(3) स्थानिक प्रजाति

(4) कीस्टोन प्रजाति

[Question ID = 72][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q72]

1. 1 [Option ID = 285]
2. 2 [Option ID = 286]
3. 3 [Option ID = 287]
4. 4 [Option ID = 288]

13) In a Naval Parade the number of platoons that march behind the leader is

(1) Three

(2) Four

(3) Five

(4) Seven

नौसेना की परेड में लीडर के पीछे चलने वाली टुकड़ियों (प्लाटूनों) की संख्या होती है

(1) तीन

(2) चार

(3) पाँच

(4) सात

[Question ID = 73][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q73]

1. 1 [Option ID = 289]
2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

14) Rohan went to the fruit market to buy varieties of mangoes. Identify the correct group of mangoes purchased by Rohan :

(1) Hapus, Neelum, Allahabad Safeda, Dasheri

(2) Alphonso, Kesar, Totapari, Neelum

(3) Kesar, Dasheri, Banarsi, Chittidar

(4) Langra, Totapari, Banarsi, Kesar

रोहन आमों की विभिन्न किस्में खरीदने के लिए फलों की मंडी (बाज़ार) में गया। रोहन द्वारा खरीदे गए आमों के सही समूह को पहचानिए :

(1) हापुस, नीलम, इलाहाबाद सफेदा, दसहरी

(2) अल्फाँसो, केसर, तोतापरी, नीलम

(3) केसर, दसहरी, बनारसी, चित्तीदार

(4) लंगड़ा, तोतापरी, बनारसी, केसर

[Question ID = 74][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q74]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

15) A tribe is a group of distinct people who have their own way of living and culture. To which region/state does the Jarawa tribes belong ?

(1) Andaman and Nicobar Island

(2) Jharkhand

(3) Nagaland

(4) Chhattisgarh

कोई जनजाति एक ऐसे सुस्पष्ट लोगों का समूह होता है जिनकी अपनी जीवन-शैली तथा संस्कृति होती है । जरावा जनजाति किस क्षेत्र/राज्य की है ?

(1) अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह

(2) झारखंड

(3) नागालैंड

(4) छत्तीसगढ़

[Question ID = 75][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q75]

1. 1 [Option ID = 297]
2. 2 [Option ID = 298]
3. 3 [Option ID = 299]
4. 4 [Option ID = 300]

Topic:- EVS_Q76-90_P1_CTET

1) Identify a competency for your students of class 5 for the theme 'Shelter'.

(1) Outline the journey of food from field to market to home.

(2) Relate to the concept of mapping and representation of a place in two dimensions.

(3) Describe the journey of a raw material to a finished product.

(4) Explain the various people's movements to preserve the forests.

विषय 'आवास' से संबंधित अपने कक्षा 5 के छात्रों की एक दक्षता पहचानिए।

(1) खेत से बाज़ार से घर तक की खाद्य पदार्थों की यात्रा की रूपरेखा बनाना।

(2) मानचित्रण की संकल्पना को तथा दो आयामों में एक स्थान का चित्रण से संबद्ध करना।

(3) कच्चे माल से तैयार उत्पादन तक की यात्रा का वर्णन करना।

(4) वनों के संरक्षण हेतु विविध जन आंदोलनों का वर्णन करना।

[Question ID = 76][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q76]

1. 1 [Option ID = 301]
2. 2 [Option ID = 302]
3. 3 [Option ID = 303]
4. 4 [Option ID = 304]

2) Which of the following task will you select to assess your students formatively on the concept 'food' ?

(1) Drawing different kinds of food items eaten by birds.

(2) Recalling definitions of herbivores and carnivores.

(3) Discussing different myths about food items in the class.

(4) Writing a test on parts of plants eaten as food.

'खाद्य' (भोजन) के प्रत्यय पर अपने छात्रों का रचनात्मक रूप से आकलन करने के लिए आप निम्नलिखित में से कौन-से कार्य का चयन करेंगे ?

(1) पक्षियों द्वारा खाए जाने वाले विभिन्न खाद्य-पदार्थों के चित्र बनाना।

(2) शाकाहारी एवं मांसाहारी की परिभाषाएँ याद दिलाना।

(3) खाद्य पदार्थों से संबंधित विभिन्न मिथकों के बारे में कक्षा में विचार-विमर्श करना।

(4) खाद्य स्वरूप खाए जाने वाले पौधों के भागों पर टेस्ट लिखना।

[Question ID = 77][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q77]

1. 1 [Option ID = 305]
2. 2 [Option ID = 306]
3. 3 [Option ID = 307]
4. 4 [Option ID = 308]

3) Which of the following is the most important factor for the selection of methods to present concepts in EVS ?

(1) Nature of concept

(2) Richness of live experiences

(3) Learning preference of students

(4) Availability of learning resources

पर्यावरण अध्ययन में अवधारणाओं को प्रस्तुत करने की विधियों के चयन के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है ?

(1) अवधारणा की प्रकृति

(2) जीवंत अनुभवों की समृद्धता

(3) विद्यार्थियों की अधिगम प्राथमिकता/वरीयता

(4) अधिगम संसाधनों की उपलब्धता

[Question ID = 78][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q78]

1. 1 [Option ID = 309]
2. 2 [Option ID = 310]
3. 3 [Option ID = 311]
4. 4 [Option ID = 312]

4) Group discussion is a suitable method for teaching Environmental Studies due to which of the following reasons ?

(1) Interpersonal skills are developed.

(2) Children learn to respect diversity.

(3) Helps in multipurpose thinking and novel solution.

(4) Helps in breaking boundaries between subjects.

पर्यावरण अध्ययन शिक्षण हेतु, निम्नलिखित में से किस कारण से समूह चर्चा उपयुक्त विधि है ?

(1) अन्तर्वैयक्तिक कौशलों का विकास होता है ।

(2) बच्चे भिन्नताओं का सम्मान करना सीखते हैं ।

(3) बहुमुखी चिंतन एवं नवीन समाधान में सहायक हैं ।

(4) विषयों के बीच की सीमाएँ तोड़ने में सहायक हैं ।

[Question ID = 79][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q79]

1. 1 [Option ID = 313]
2. 2 [Option ID = 314]
3. 3 [Option ID = 315]
4. 4 [Option ID = 316]

5) Identify a competency for the theme 'Family and Friends' for students of class 5.

(1) State reason for community eating.

(2) Differentiate between transfer and displacement.

(3) Differentiate the material of houses in rural and urban areas.

(4) Explain why different tools and materials are required for making a variety of objects.

कक्षा 5 के छात्रों के लिए 'परिवार एवं मित्र' विषय के लिए एक दक्षता की पहचान कीजिए ।

(1) सामुदायिक भोजन खाने के कारण का उल्लेख कीजिए ।

(2) स्थानांतरण तथा विस्थापन में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(3) ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में घरों की सामग्री में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(4) स्पष्ट कीजिए कि विविध प्रकार की वस्तुओं के निर्माण के लिए भिन्न औजारों एवं सामग्री की आवश्यकता क्यों होती है ।

[Question ID = 80][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q80]

1. 1 [Option ID = 317]
2. 2 [Option ID = 318]
3. 3 [Option ID = 319]
4. 4 [Option ID = 320]

6) Narratives have been included extensively in EVS textbooks in order to

A. Follow the guidelines of NCF, 2005.

B. Enhance understanding of fundamental concepts.

C. Provide enjoyment in learning of fundamental concepts.

D. Develop communication skills in students.

(1) A and B

(2) A, B and C

(3) B, C and D

(4) Only C

ई.वी.एस. की पाठ्य-पुस्तकों में वृत्तांतों को व्यापक रूप से शामिल किया गया है जिससे कि

A. NCF, 2005 के निर्देशों का पालन हो।

B. मूलभूत प्रत्ययों की समझ को बढ़ावा मिले।

C. मूलभूत प्रत्ययों को सीखने में आनंद मिले।

D. छात्रों में संप्रेषण के कौशलों का विकास हो।

(1) A और B

(2) A, B और C

(3) B, C और D

(4) केवल C

[Question ID = 81][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q81]

1. 1 [Option ID = 321]
2. 2 [Option ID = 322]
3. 3 [Option ID = 323]
4. 4 [Option ID = 324]

7) Which of the following statements describes the characteristics of Formative Assessment ?

A. It is a formal test given to all.

B. Children are not aware that they are being assessed.

C. This is an account to be recorded in progress report.

D. This is an observation of student's progress during learning

E. This is a process of reform in learning of children through observation of their activities.

(1) A, B and C

(2) C, D and E

(3) A, C and D

(4) B, D and E

निम्नलिखित में से कौन-से कथन संरचनात्मक आकलन की विशेषताओं का वर्णन करते हैं ?

A. यह सब बच्चों को दिए जाने वाले औपचारिक परीक्षण हैं।

B. इसमें बच्चों को यह पता ही नहीं चलता कि उनका आकलन किया जा रहा है।

C. यह प्रगति पत्र में दर्ज किये जाने वाला विवरण है।

D. यह सीखने के दौरान बच्चों की प्रगति का अवलोकन है।

E. यह बच्चों की गतिविधियों के अवलोकन द्वारा उनके सीखने में सुधार की प्रक्रिया है।

(1) A, B और C

(2) C, D और E

(3) A, C और D

(4) B, D और E

[Question ID = 82][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q82]

1. 1 [Option ID = 325]
2. 2 [Option ID = 326]
3. 3 [Option ID = 327]
4. 4 [Option ID = 328]

8) Which of the following statements describe the characteristics of summative evaluation ?

A. It is testing the quality of a child's work on the basis of definite criteria.

B. It is testing the quality of achievement of child during learning.

C. It is a comparison of a child's achievement with that of other children.

D. It is a comparison of a child's progress with his/her own past progress.

(1) A and B

(2) A and C

(3) A and D

(4) B and D

निम्नलिखित में से कौन-से कथन समेकित मूल्यांकन की विशेषताओं का वर्णन करते हैं ?

A. यह निर्धारित मानदंड के आधार पर बच्चे के कार्य की गुणवत्ता की जाँच करना है।

B. यह सीखने के दौरान बच्चे की उपलब्धि की गुणवत्ता को परखना है।

C. यह एक बच्चे की उपलब्धि की तुलना दूसरे बच्चों की उपलब्धि से करना है।

D. यह एक बच्चे की प्रगति की तुलना स्वयं की पिछली प्रगति से करना है।

(1) A और B

(2) A और C

(3) A और D

(4) B और D

[Question ID = 83][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q83]

1. 1 [Option ID = 329]

2. 2 [Option ID = 330]
3. 3 [Option ID = 331]
4. 4 [Option ID = 332]

9) As per NCF 2005, which of the following is one of the six themes suggested in the EVS syllabus ?

(1) Plants
(2) Animals
(3) Shelter
(4) Changes around us

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार ई.वी.एस. पाठ्यचर्या में सुझाए गए छः थीमों में से, निम्नलिखित में से एक थीम कौन-सा है ?

(1) पौधे
(2) पशु
(3) आश्रय
(4) हमारे चारों ओर परिवर्तन

[Question ID = 84][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q84]

1. 1 [Option ID = 333]
2. 2 [Option ID = 334]
3. 3 [Option ID = 335]
4. 4 [Option ID = 336]

10) The theme 'Family and Friends' in EVS curriculum encompasses

(1) Shelter
(2) Work and Play
(3) Water
(4) Life

ई.वी.एस. पाठ्यचर्या में थीम 'परिवार और मित्र' सम्मिलित करता है

(1) आश्रय
(2) कार्य और खेल
(3) जल
(4) जीवन

[Question ID = 85][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q85]

1. 1 [Option ID = 337]
2. 2 [Option ID = 338]
3. 3 [Option ID = 339]
4. 4 [Option ID = 340]

11) Sabiya painted the sky green and trees blue in her painting. What should the teacher do first ?

(1) Ask Sabiya to see the pictures of sky and tree and redraw.

(2) Tell Sabiya that sky is blue and trees are green and she has coloured wrong.

(3) Appreciate her painting and ask why she has chosen such colours.

(4) Take Sabiya to the garden and let her observe sky and trees.

सबिया ने अपने चित्र में आकाश को हरा और पेड़ को नीला रंग किया । उसके शिक्षक को पहले क्या करना चाहिए ?

(1) सबिया से आकाश और पेड़ का चित्र देखने के लिए कहें और चित्र फिर से बनाने को कहें ।

(2) सबिया को बताएँ कि आकाश नीला होता है और पेड़ हरे होते हैं और उसने गलत रंग किया है ।

(3) उसके चित्र की सराहना करें और पूछें कि उसने इन रंगों का चयन क्यों किया है ।

(4) सबिया को बगीचे में ले जाएँ और उसे आकाश और पेड़ देखने दें ।

[Question ID = 86][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q86]

1. 1 [Option ID = 341]
2. 2 [Option ID = 342]
3. 3 [Option ID = 343]
4. 4 [Option ID = 344]

12) The syllabus of EVS is organised in which of the following manner ?

A. Beginning from child's immediate surroundings to the wider environment.

B. Beginning from wider environment to the child's immediate surroundings.

C. Beginning from child as "self" to "self" in larger context.

D. Beginning from "self" in larger context to child as "self".

(1) A and B

(2) B and C

(3) A and C

(4) B and D

पर्यावरण अध्ययन का पाठ्यक्रम निम्नलिखित में से किस प्रकार संगठित है ?

A. बच्चे के निकटस्थ परिवेश से प्रारंभ होकर व्यापक पर्यावरण तक ।

B. व्यापक पर्यावरण से प्रारंभ होकर बच्चे के निकटस्थ परिवेश तक ।

C. "स्व" के रूप में बच्चे से प्रारंभ होकर "स्व" के रूप में व्यापक संदर्भ तक ।

D. "स्व" के रूप में व्यापक संदर्भ से "स्व" के रूप में बालक तक ।

(1) A और B

(2) B और C

(3) A और C

(4) B और D

[Question ID = 87][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q87]

1. 1 [Option ID = 345]
2. 2 [Option ID = 346]
3. 3 [Option ID = 347]
4. 4 [Option ID = 348]

13) Which of the following statements is most suitable regarding how children learn about environment ?

A. Children learn alone through their own efforts.

B. Children learn through interaction with environment.

C. Children learn through discussion with friends.

D. Children learn through explanation by teacher.

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

निम्नलिखित में से कौन-से कथन बच्चों के पर्यावरण से सीखने के बारे में सर्वाधिक उपयुक्त हैं ?

A. बच्चे अपने प्रयासों से अकेले सीखते हैं ।

B. बच्चे पर्यावरण से अन्त:क्रिया द्वारा सीखते हैं ।

C. बच्चे अपने दोस्तों के साथ चर्चा द्वारा सीखते हैं ।

D. बच्चे शिक्षक की व्याख्या से सीखते हैं ।

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 88][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q88]

1. 1 [Option ID = 349]
2. 2 [Option ID = 350]

3. 3 [Option ID = 351]
4. 4 [Option ID = 352]

14) Antra was finding it difficult to understand how to solve a puzzle alone but with his elder brother Prasoon she could easily solve the puzzle in a few minutes. Which of the following may be the reason for this ?

(1) Children develop naturally through successive stages of intellectual development.

(2) Children can cross the "Zone of Proximal development" through the scaffolding provided by adult support.

(3) Children learn through interaction with environment.

(4) Children construct meaning in social interaction.

अंतरा को अकेले पहेली हल करना मुश्किल लग रहा था लेकिन अपने बड़े भाई प्रसून के साथ वह कुछ ही मिनटों में पहेली को आसानी से सुलझा सकी । इसका कारण निम्नलिखित में से क्या हो सकता है ?

(1) बच्चे बौद्धिक विकास की क्रमिक अवस्थाओं में स्वाभाविक रूप से विकसित होते हैं।

(2) बच्चे वयस्क के सहारे द्वारा दिए गए स्केफोल्डिंग से "समीपस्थ विकास के क्षेत्र" को पार कर लेते हैं।

(3) बच्चे परिवेश से अंत:क्रिया के माध्यम से सीखते हैं।

(4) बच्चे सामाजिक अंत:क्रिया में अर्थ निर्माण करते हैं।

[Question ID = 89][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q89]

1. 1 [Option ID = 353]
2. 2 [Option ID = 354]
3. 3 [Option ID = 355]
4. 4 [Option ID = 356]

15) The syllabus in EVS at primary level is organized in a manner that it begins

(1) from the learner's immediate surroundings.

(2) from the neighborhood and community.

(3) from the global context.

(4) from the larger context.

प्राथमिक स्तर पर ई.वी.एस. में पाठ्यक्रम इस तरह से व्यवस्थित किया जाता है कि यह शुरू होता है

(1) सीखने वाले के तत्काल परिवेश से।

(2) पड़ोस और समुदाय से।

(3) वैश्विक संदर्भ से।

(4) बड़े संदर्भ से।

[Question ID = 90][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_111_Q90]

1. 1 [Option ID = 357]
2. 2 [Option ID = 358]
3. 3 [Option ID = 359]

4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- Telugu_Q91-99_L1_P1_CTET

1) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

బాపట్లలో 1896 అక్టోబర్ 6వ తేదీన పాలపర్తి హనుమాయమ్మ, శేషయ్యలకు జన్మించింది వరలక్ష్మమ్మ. అన్నల సహాయంతో నాలుగో తరగతి పూర్తి చేసింది. అమె బాల్యం నుంచే కనపడ్డ కాగితమెల్లా చదివేది. ఇంటికి వచ్చిన పుస్తకాలు, పత్రికలు ఏవీ వదిలేది కాదు. వీరేశలింగంగారి గ్రంథాలు, చిలకమర్తి వారి నవలలు, విజ్ఞాన చంద్రికాగ్రంథ మండలి వారి పుస్తకాలు "సావిత్రి" అనే మాస పత్రికను సోదరులుతేగా వాటిని చదివేది, రోజుకో వ్యాసం చదివి దాన్ని తిరిగి సొంతంగా రాసేది. ఇలా వాటిని చదివి అన్న నరసింహం సాయంతో చదవడం, రాయడం వరలక్ష్మమ్మ నేర్చుకుంది. ఆరోజుల్లో రాజమండ్రి గౌతమీ పుస్తక భాండాగారంనించి అన్న నరసింహం పుస్తకాలు తెచ్చియిచ్చేవాడు. భారతం చదివి చెప్పేవాడు. నరసాపురంలో స్త్రీలకోసం బహుమతి పరీక్షలు పెట్టేవారు. వరలక్ష్మమ్మ అన్న ప్రోత్సాహంతో ఆ పరీక్షల్లో స్వర్ణపతకం గెలుచుకొంది. మచిలీపట్నం వారి భక్తి సంబంధమైన పరీక్షలలో కూడా ఉత్తమ శ్రేణిలో ఉత్తీర్ణురాలయ్యింది.

అమె పెద్దన్న రామమూర్తి గుంటూరులో వనితా గ్రంథమండలి స్థాపించగా అందులో అమె గ్రంథాలయంలో పుస్తకాల లెక్కలు రాస్తుండేది. అప్పుడే వచ్చిన కొత్తపుస్తకాలన్నీ చదువుతూ ఉండేది. ఆమె అత్తవారింటికి వెళ్ళేటప్పుడు అన్నగారు "శబ్దార్థ చంద్రిక" అనే తెలుగు నిఘంటువును బహూకరించాడు. ఆ అమూల్యమైన కానుక సాయంతో ఆమె ఎన్నో గొప్ప గ్రంథాలు స్వయంగా చదువ గలిగింది. కృష్ణాపత్రికను చదివేది. చోరగుడి సీతమ్మ సాయంతో వరలక్ష్మమ్మ యువతీ విద్యాలయానికి వెళ్ళి తెలుగు, సంస్కృతం నేర్చుకునేది. ఆపాఠశాలకు ప్రధానోపాధ్యాయినిగా ఉన్న లక్ష్మీ నరసమ్మ వరలక్ష్మమ్మకు మనుచరిత్ర, శబ్దమంజరి, రఘువంశం చెప్పింది. ఈ విధంగా బాల్యకౌమారదశల్లో వరలక్ష్మమ్మ "డిగ్రీలు" లేని పాండిత్యాన్ని సంపాదించింది. సమాజం పట్ల, సాహిత్యం పట్ల చక్కని అవగాహన పెంచుకున్నది. వరలక్ష్మమ్మ భర్త హనుమంతరావు కూడా సంస్కార హృదయుడు. అయన రాజమండ్రిలో చదవుకునేటప్పుడు కందుకూరి సంస్కరణోద్యమంతో ప్రభావితుడయ్యాడు. స్త్రీ విద్యపట్ల గాఢమైన అభిమానాన్ని ఏర్పరచుకున్నాడు. అయన రాజమండ్రి నుంచి వస్తూ ఎన్నో విలువైన పుస్తకాలను వరలక్ష్మమ్మకు బహూకరించాడు. ఆమెకు గల సాహిత్యాభిలాషకు ప్రోత్సాహమందించాడు. ఆమె రాసిన కథలను, వ్యాసాలను అయనే స్వయంగా పోస్టు చేసేవాడు. రచనావిషయంలోనే కాక, ఉపన్యాసాలిచ్చే విషయంలోకూడా వరలక్ష్మమ్మకు భర్త ప్రోత్సాహం లభించింది. మదనపల్లెలో వుండగా అక్కడి మహిళా సమాజంలో వారం, వారం, ఏదో ఒక విషయంమీద వరలక్ష్మమ్మ ఉపన్యసించి అక్కడి వారి మన్ననలు పొందింది. మదనపల్లె మహిళా సమాజంలో శ్రీమతి సరోజినీనాయుడుతో పరిచయమయింది. గుంటూరు జిల్లాబోర్డు సభ్యురాలిగా ఆమె ఎన్నికయింది. జిల్లా మొత్తం 52 మంది సభ్యులలోను ఆమె ఒకతే మహిళ మూడున్నర సంవత్సరాలపాటు యథాశక్తి సేవచేసింది. ఒకసారి ఆమె అన్న అంజనేయులు ...

తెలుగులో చెప్పి సొంతంగా ఆ కథని రాయమని చెప్పాడు. ఆమె కథను రాసి ఇచ్చింది. "సౌదామిని" అనే కలం పేరుతో అనసూయ అనే పత్రికకు ఆయన పంపారు. వారు దాన్ని ప్రచురించారు. అదే ఆమె రాసిన మొదటి కథ. తర్వాత ఆమె సొంతంగా "లక్కబరిణి, ప్రేమలత, స్వీయచరిత్ర, కనకవల్లి, మృత జీవులతో సంభాషణ మొదలైన కథలు రాసి 'అనసూయ' పత్రికకు పంపింది. ఆమె భారతికి రాసిన మొదటికథ 'సుధ', దీర్ఘసుమంగళీభవ, రెండుకోర్కెలు, దరిద్రనారాయణుడని ఆ జగద్రక్షకుడికి బిరుదైతే, నేనే అపరాధిని, ఒట్టు, మూడు తీర్మానాలు, తోటమాలి గురవడు, పెంచిన ప్రేమ, మొదలైనవి ఆమెరాసిన కథలన్నీ భారతిలో ప్రచురిత మయ్యాయి. భారతిలోనే కాకుండా, తెలుగుదేశంలోని మాసపత్రికలు, శారద, ఆంధ్రభూమి, ఆంధ్రజ్యోతి, వినోదిని, ఆంధ్రవాణి, ఆంధ్రమహిళ, ఆంధ్రపత్రిక, సంవత్సరాది సంచికలలో కూడా ఆమె కథలు వచ్చాయి. వినోదినిలో ఆమె రాసిన కథలన్నీ హాస్యస్ఫోరకమై ప్రత్యేకత సంతరించుకున్నాయి. భారతి తర్వాత ఆమె రచనలను, కథలను విరివిగా ప్రకటించిన పత్రిక గృహలక్ష్మి దాదాపు కొన్ని సంవత్సరాలు ఆమె రచనలేని గృహలక్ష్మి పత్రిక లేదంటే అతిశయోక్తి కాదు. వరలక్ష్మమ్మ బాల్యంలో వారింటి ప్రక్క ఇంట్లో ఆరుగురు ముసలమ్మ లుండేవారు. బడికి వెళ్తూ వెళ్తూ వరలక్ష్మమ్మ ఆ అవ్వల దగ్గర కొంతకాలం గడిపేది, ఏదో ప్రసాదం పెట్టేవారు. ఆమెను ఆప్యాయంగా చూసేవాళ్ళు. వాళ్ళకి చదువురాదు. వాళ్ళ బంధువుల దగ్గర నుంచి వచ్చే ఉత్తరాలన్నీ మూడవ తరగతి చదువుతున్న వరలక్ష్మమ్మతో చదివించుకొనేవారు. అలాగే ఆమెతో జవాబులు రాయించుకొనే వారు ఇలా వారి స్నేహంతో చిన్ననాడే వరలక్ష్మమ్మకు జాబులు రాయడం అభ్యాసమైంది. తరువాత ఆ ప్రేరణతోనే "శారద లేఖలు" ఆమెరాసి మిక్కిలి ప్రసిద్ధి చెందింది.

ఆంధ్ర పత్రికలో వారం వారం ప్రచురింపబడ్డ "వసంత" లేఖలు. మొట్టమొదటిసారిగా లేఖలు రాయాలన్న కుతూహలం రేకెత్తించింది. స్త్రీలకు సంబంధించిన వివిధ విషయాలు తీసుకుని "కల్పలత" అనే స్నేహితురాలికి "శారద" రాసినట్టుగా రాయడం మొదలు పెట్టింది. 1928 లో 'గృహలక్ష్మి' ప్రథమ సంచికలోనే మొదటి శారదలేఖ ప్రచురింపబడింది. నాటినుంచి 1934 వరకు ధారావాహికంగా ప్రచురించ బడ్డాయి. ఆమె రాసిన ఒక్కొక్క లేఖ ఒక మణిపూస. ఒక లేఖలో మూఢవిశ్వాసాలు ఖండించేది. ఒక లేఖలో హృదయ విదారకమైన బాలవితంతువుల బాధల వివరణలు, వర్ణనలు వుండేవి. వరకట్నాలను నిషేధించాలని ఎలుగెత్తి చాటే లేఖలు వుండేవి. పురుషాధిక్యతను తెగనాడి విశృంఖలత్వాన్ని ద్వేషించే భావాలు కూడా లేఖలలో వుండేవి. నాటి జాతీయోద్యమానికి సంబంధించిన విషయాలపై కూడ ఆమె లేఖలు రాసింది. దాదాపు 1950 వరకు కూడా శారద లేఖలు 'గృహలక్ష్మి'లో ప్రచురింపబడుతూ వచ్చాయి. 1930లో 'గృహలక్ష్మి'లో "స్త్రీ అబల కాదు" అనే విషయంపై వ్యాసరచన పోటీని పెట్టారు. ఆ పోటీలో పన్నెండు మంది మహిళలు పాల్గొన్నారు. వారిలో వరలక్ష్మమ్మ ప్రథమురాలిగా నెగ్గి స్వర్ణపతకం గెలుచుకుంది. బొంబాయి కళ్యాణసంఘం వారు 'మహాత్ముని ఉపవాసఫలితం' అనే విషయంపై ఏర్పాటు చేసిన పోటీలో పాల్గొని మహాత్ముని చిత్రం గల రజతపతకం గెలుచుకుంది. వరలక్ష్మమ్మ పద్నాలుగు

[illegible]
చెప్పింది. ఈ గాథను మననులో వుంచుకొన్న వరలక్ష్మమ్మ 'వసుమతి' అనే సాంఘిక నవలను రాసింది. ఇది ఆమె మొదటి నవల. ఈ నవలను మద్రాసు టెక్స్ట్ బుక్ కమిటీవారు ఉన్నత పాఠశాలల్లో పఠనీయ గ్రంథంగా ఆమోదించారు. తరువాత 'బాలనీతికథావళి' అనే పుస్తకం రాసింది. విశ్వామిత్ర మహర్షి అనే పుస్తకం ప్రౌఢకావ్య శైలిలో రాసింది. 'జ్యోతి' అనే ఆరోగ్య నాటకం, ఆరోగ్యశాఖవారి ఆమోదం పొందింది.

ద్రౌపదీ వస్త్ర సంరక్షణ సత్యాద్రౌపదీ సంవాదం అనేవి ద్విపదలు, పెన్షను పుచ్చుకున్న నాటి రాత్రి, నవభారతేతిహాసము, మొదలైనవి, ఆమె అచ్చైన పుస్తకాలు. పద్మ, పునఃప్రతిష్ట, జీవనరాం, రాధపెళ్ళి, అనే నాటికలను కూడా ఆమె రాసింది, 1922 లో వరలక్ష్మమ్మ మా చెట్టునీడ ముచ్చటలు అనే శీర్షికతో కొన్ని వ్యాసాలు, 'లీలావతి' అనే కలంపేరుతో ఆంధ్రపత్రికకు రాసింది. మంగళాంబ, కనకమ్మ, కళ్యాణి, సూరమ్మ వరలక్ష్మమ్మలవే యీ ముచ్చటలు. మంగళాంబది మద్రాసు, కనకమ్మది నెల్లూరు, సూరమ్మది విశాఖపట్నం, కళ్యాణిది కర్నూలు వరలక్ష్మమ్మది గుంటూరు. ఈ అయిదుగురు కృష్ణాజిల్లా బెజవాడలో ఒక ఇంట్లో కాపురం వుంటూ ఆయింటి ముంగిటవున్న నారింజ చెట్టుక్రింద కూర్చొని తమతమ ప్రాంతాల యాసలతో వివిధవిషయాలపై చర్చించిన అనేక అంశాలే ఈ ముచ్చట్లు. ఇవి పాఠకులను విశేషంగా ఆకర్షించాయి. ఇవి ఉబుసుపోక కబుర్లుకావు. అవి విజ్ఞానంతో పాటు, కొంతహాస్యాన్ని మిళితం చేసుకొని ఆసక్తికరంగా వుండేవి. బెజవాడలో 1929లో జరిగిన మహిళా సభల్లో మొట్టమొదటిసారి వరలక్ష్మమ్మ స్పష్టంగా, నిర్దుష్టంగా మాట్లాడి అందరి మన్ననలు పొందింది. ఆ మరునాడు రామమోహన్ గ్రంథాలయంలో స్త్రీల సభకి ఉన్నవ లక్ష్మీబాయమ్మ వచ్చారు. ఆ సభకు వరలక్ష్మమ్మ అధ్యక్షురాలైంది. క్రమంగా గ్రామసభల్లో పాల్గొనడం, అధ్యక్షత వహించడం అలవాటయిపోయింది. బందరులో మూడవ ఆంధ్రమహిళా సభలో వరలక్ష్మమ్మ విడాకుల చట్టంపై ప్రసంగించి పలుపురి ప్రసంశలందు కున్నది.

భారతి పత్రికకుకనపర్తి వరలక్ష్మమ్మ రాసిన మొదటి కథ

(1) లక్కభరణి

(2) కనకవల్లి

(3) ప్రేమలత

(4) సుధ

[Question ID = 181][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q91]

1. 1 [Option ID = 721]
2. 2 [Option ID = 722]
3. 3 [Option ID = 723]
4. 4 [Option ID = 724]

2) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

బాపట్లలో 1896 అక్టోబర్ 6వ తేదీన పాలపర్తి హనుమాయమ్మ శేషయ్యలకు జన్మించింది వరలక్ష్మమ్మ. అన్నల సహాయంతో నాలుగో తరగతి పూరి చేసింది. ఆమె బాల్యం నుంచే

కనపడ్డ కాగితమెల్లా చదివేది. ఇంటికి వచ్చిన పుస్తకాలు, పత్రికలు ఏవీ వదిలేది కాదు. వీరేశలింగంగారి గ్రంథాలు, చిలకమర్తి వారి నవలలు, విజ్ఞాన చంద్రికాగ్రంథ మండలి వారి పుస్తకాలు "సావిత్రి" అనే మాస పత్రికను సోదరులుతేగా వాటిని చదివేది, రోజుకో వ్యాసం చదివి దాన్ని తిరిగి సొంతంగా రాసేది. ఇలా వాటిని చదివి అన్న నరసింహం సాయంతో చదవడం, రాయడం వరలక్ష్మమ్మ నేర్చుకుంది. ఆరోజుల్లో రాజమండ్రి గౌతమీ పుస్తక భాండాగారంనించి అన్న నరసింహం పుస్తకాలు తెచ్చియిచ్చేవాడు. భారతం చదివి చెప్పేవాడు. నరసాపురంలో స్త్రీలకోసం బహుమతి పరీక్షలు పెట్టేవారు. వరలక్ష్మమ్మ అన్న ప్రోత్సాహంతో ఆ పరీక్షల్లో స్వర్ణపతకం గెలుచుకొంది. మచిలీపట్నం వారి భక్తి సంబంధమైన పరీక్షలలో కూడా ఉత్తమ శ్రేణిలో ఉత్తీర్ణురాలయ్యింది.

ఆమె పెద్దన్న రామమూర్తి గుంటూరులో వనితా గ్రంథమండలి స్థాపించగా అందులో ఆమె గ్రంథాలయంలో పుస్తకాల లెక్కలు రాస్తుండేది. అప్పుడే వచ్చిన కొత్తపుస్తకాలన్నీ చదువుతూ ఉండేది. ఆమె అత్తవారింటికి వెళ్ళేటప్పుడు అన్నగారు "శబ్దార్థ చంద్రిక" అనే తెలుగు నిఘంటువును బహూకరించాడు. ఆ అమూల్యమైన కానుక సాయంతో ఆమె ఎన్నో గొప్ప గ్రంథాలు స్వయంగా చదువ గలిగింది. కృష్ణాపత్రికను చదివేది. చోరగుడి సీతమ్మ సాయంతో వరలక్ష్మమ్మ యువతీ విద్యాలయానికి వెళ్ళి తెలుగు, సంస్కృతం నేర్చుకునేది. ఆపాఠశాలకు ప్రధానోపాధ్యాయినిగా ఉన్న లక్ష్మీ నరసమ్మ వరలక్ష్మమ్మకు మనుచరిత్ర, శబ్దమంజరి, రఘువంశం చెప్పింది. ఈ విధంగా బాల్యకౌమారదశల్లో వరలక్ష్మమ్మ "డిగ్రీలు" లేని పాండిత్యాన్ని సంపాదించింది. సమాజం పట్ల, సాహిత్యం పట్ల చక్కని అవగాహన పెంచుకున్నది. వరలక్ష్మమ్మ భర్త హనుమంతరావు కూడా సంస్కార హృదయుడు. అయన రాజమండ్రిలో చదువుకునేటప్పుడు కందుకూరి సంస్కరణోద్యమంతో ప్రభావితుడయ్యాడు. స్త్రీ విద్యపట్ల గాఢమైన అభిమానాన్ని ఏర్పరచుకున్నాడు. అయన రాజమండ్రి నుంచి వస్తూ ఎన్నో విలువైన పుస్తకాలను వరలక్ష్మమ్మకు బహూకరించాడు. ఆమెకు గల సాహిత్యాభిలాషకు ప్రోత్సాహమందించాడు. ఆమె రాసిన కథలను, వ్యాసాలను ఆయనే స్వయంగా పోస్టు చేసేవాడు. రచనావిషయంలోనే కాక, ఉపన్యాసాలిచ్చే విషయంలోకూడా వరలక్ష్మమ్మకు భర్త ప్రోత్సాహం లభించింది. మదనపల్లెలో వుండగా అక్కడి మహిళా సమాజంలో వారం, వారం, ఏదో ఒక విషయంమీద వరలక్ష్మమ్మ ఉపన్యసించి అక్కడి వారి మన్ననలు పొందింది. మదనపల్లె మహిళా సమాజంలో శ్రీమతి సరోజినీనాయుడుతో పరిచయమయింది. గుంటూరు జిల్లాబోర్డు సభ్యురాలిగా ఆమె ఎన్నికయింది. జిల్లా మొత్తం 52 మంది సభ్యులలోను ఆమె ఒకతే మహిళ మూడున్నర సంవత్సరాలపాటు యథాశక్తి సేవచేసింది. ఒకసారి ఆమె అన్న అంజనేయులు ఆంగ్లంలో ప్రచురింపబడ్డ ఒక కథను తెలుగులో చెప్పి సొంతంగా ఆ కథని రాయమని చెప్పాడు. ఆమె కథను రాసి ఇచ్చింది. "సౌదామిని" అనే కలం పేరుతో అనసూయ అనే పత్రికకు ఆయన పంపారు. వారు దాన్ని ప్రచురించారు. అదే ఆమె రాసిన మొదటి కథ. తర్వాత ఆమె సొంతంగా "లక్కబరిణె, ప్రేమలత, స్వీయచరిత్ర, కనకవల్లి, మృత జీవులతో సంభాషణ మొదలైన కథలు రాసి 'అనసూయ' పత్రికకు పంపింది. ఆమె భారతికి రాసిన మొదటికథ 'సుధ', దీరసుంమగళీభవ. రెండుకోరెలు. దరిదనారాయణుడని ఆ జగదకకుడికి బిరుదెతే. నేనే

అపరాధిని, ఒట్టు, మూడు తీర్మానాలు, తోటమాలి గురవడు, పెంచిన ప్రేమ, మొదలైనవి అమెరాసిన కథలెన్నో భారతిలో ప్రచురిత మయ్యాయి. భారతిలోనే కాకుండా, తెలుగుదేశంలోని మాసపత్రికలు, శారద, ఆంధ్రభూమి, ఆంధ్రజ్యోతి, వినోదిని, ఆంధ్రవాణి, ఆంధ్రమహిళ, ఆంధ్రపత్రిక, సంవత్సరాది సంచికలలో కూడా ఆమె కథలు వచ్చాయి. వినోదినిలో ఆమె రాసిన కథలన్నీ హాస్యస్ఫోరకమై ప్రత్యేకత సంతరించుకున్నాయి. భారతి తర్వాత ఆమె రచనలను, కథలను విరివిగా ప్రకటించిన పత్రిక గృహలక్ష్మి దాదాపు కొన్ని సంవత్సరాలు ఆమె రచనలేని గృహలక్ష్మి పత్రిక లేదంటే అతిశయోక్తి కాదు. వరలక్ష్మమ్మ బాల్యంలో వారింటి ప్రక్క ఇంట్లో ఆరుగురు ముసలమ్మ లుండేవారు. బడికి వెళ్తూ వెళ్తూ వరలక్ష్మమ్మ ఆ అవ్వల దగ్గర కొంతకాలం గడిపేది, ఏదో ప్రసాదం పెట్టేవారు. ఆమెను ఆప్యాయంగా చూసేవాళ్ళు. వాళ్ళకి చదువురాదు. వాళ్ళ బంధువుల దగ్గర నుంచి వచ్చే ఉత్తరాలన్నీ మూడవ తరగతి చదువుతున్న వరలక్ష్మమ్మతో చదివించుకొనేవారు. అలాగే ఆమెతో జవాబులు రాయించుకొనే వారు ఇలా వారి స్నేహంతో చిన్ననాడే వరలక్ష్మమ్మకు జాబులు రాయడం అభ్యాసమైంది. తరువాత ఆ ప్రేరణతోనే "శారద లేఖలు" ఆమెరాసి మిక్కిలి ప్రసిద్ధి చెందింది.

ఆంధ్ర పత్రికలో వారం వారం ప్రచురింపబడ్డ "వసంత" లేఖలు. మొట్టమొదటిసారిగా లేఖలు రాయాలన్న కుతూహలం రేకెత్తించింది. స్త్రీలకు సంబంధించిన వివిధ విషయాలు తీసుకుని "కల్పలత" అనే స్నేహితురాలికి "శారద" రాసినట్టుగా రాయడం మొదలు పెట్టింది. 1928 లో 'గృహలక్ష్మి' ప్రథమ సంచికలోనే మొదటి శారదలేఖ ప్రచురింపబడింది. నాటినుంచి 1934 వరకు ధారావాహికంగా ప్రచురించ బడ్డాయి. ఆమె రాసిన ఒక్కొక్క లేఖ ఒక మణిపూస. ఒక లేఖలో మూఢవిశ్వాసాలు ఖండించేది. ఒక లేఖలో హృదయ విదారకమైన బాలవితంతువుల బాధల వివరణలు, వర్ణనలు వుండేవి. వరకట్నాలను నిషేధించాలని ఎలుగెత్తి చాటే లేఖలు వుండేవి. పురుషాధిక్యతను తెగనాడి విశృంఖలత్వాన్ని ద్వేషించే భావాలు కూడా లేఖలలో వుండేవి. నాటి జాతీయోద్యమానికి సంబంధించిన విషయాలపై కూడ ఆమె లేఖలు రాసింది. దాదాపు 1950 వరకు కూడా శారద లేఖలు 'గృహలక్ష్మి'లో ప్రచురింపబడుతూ వచ్చాయి. 1930లో 'గృహలక్ష్మి'లో "స్త్రీ అబల కాదు" అనే విషయంపై వ్యాసరచన పోటీని పెట్టారు. ఆ పోటీలో పన్నెండు మంది మహిళలు పాల్గొన్నారు. వారిలో వరలక్ష్మమ్మ ప్రథమురాలిగా నెగ్గి స్వర్ణపతకం గెలుచుకుంది. బొంబాయి కళ్యాణసంఘం వారు 'మహాత్ముని ఉపవాసఫలితం' అనే విషయంపై ఏర్పాటు చేసిన పోటీలో పాల్గొని మహాత్ముని చిత్రం గల రజతపతకం గెలుచుకుంది. వరలక్ష్మమ్మ పద్నాలుగు సంవత్సరాలప్పుడు ఒక మహిళ ఆమె తల్లి వద్దకు వచ్చి కన్నీళ్లతో తనకష్టగాథను చెప్పింది. ఈ గాథను మనసులో వుంచుకొన్న వరలక్ష్మమ్మ 'వసుమతి' అనే సాంఘిక నవలను రాసింది. ఇది ఆమె మొదటి నవల. ఈ నవలను మద్రాసు టెక్స్ట్ బుక్ కమిటీవారు ఉన్నత పాఠశాలల్లో పఠనీయ గ్రంథంగా ఆమోదించారు. తరువాత 'బాలనీతికథావళి' అనే పుస్తకం రాసింది. విశ్వామిత్ర మహర్షి అనే పుస్తకం ప్రౌఢకావ్య శైలిలో రాసింది. 'జ్యోతి' అనే ఆరోగ్య నాటకం, ఆరోగ్యశాఖవారి ఆమోదం పొందింది.

రాత్రి, నవభారతేతిహాసము, మొదలైనవి, ఆమె అచ్చైన పుస్తకాలు. పద్మ, పునఃప్రతిష్ట, జీవనరాం, రాధపెళ్ళి, అనే నాటికలను కూడా ఆమె రాసింది, 1922 లో వరలక్ష్మమ్మ మా చెట్టునీడ ముచ్చటలు అనే శీర్షికతో కొన్ని వ్యాసాలు, 'లీలావతి' అనే కలంపేరుతో ఆంధ్రపత్రికకు రాసింది. మంగళాంబ, కనకమ్మ, కళ్యాణి, సూరమ్మ వరలక్ష్మమ్మలవే యీ ముచ్చటలు. మంగళాంబది మద్రాసు, కనకమ్మది నెల్లూరు, సూరమ్మది విశాఖపట్నం, కళ్యాణిది కర్నూలు వరలక్ష్మమ్మది గుంటూరు. ఈ అయిదుగురు కృష్ణాజిల్లా బెజవాడలో ఒక ఇంట్లో కాపురం వుంటూ ఆయింటి ముంగిటవున్న నారింజ చెట్టుక్రింద కూర్చొని తమతమ ప్రాంతాల యాసలతో వివిధవిషయాలపై చర్చించిన అనేక అంశాలే ఈ ముచ్చట్లు. ఇవి పాఠకులను విశేషంగా ఆకర్షించాయి. ఇవి ఉబుసుపోక కబుర్లుకావు. అవి విజ్ఞానంతో పాటు, కొంతహాస్యాన్ని మిళితం చేసుకొని ఆసక్తికరంగా వుండేవి. బెజవాడలో 1929లో జరిగిన మహిళా సభల్లో మొట్టమొదటిసారి వరలక్ష్మమ్మ స్పష్టంగా, నిర్దుష్టంగా మాట్లాడి అందరి మన్ననలు పొందింది. ఆ మరునాడు రామమోహన్ గ్రంథాలయంలో స్త్రీల సభకి ఉన్నవ లక్ష్మీబాయమ్మ వచ్చారు. ఆ సభకు వరలక్ష్మమ్మ అధ్యక్షురాలైంది. క్రమంగా గ్రామసభల్లో పాల్గొనడం, అధ్యక్షత వహించడం అలవాటయిపోయింది. బందరులో మూడవ ఆంధ్రమహిళా సభలో వరలక్ష్మమ్మ విడాకుల చట్టంపై ప్రసంగించి పలుపురి ప్రసంశలందు కున్నది.

కనపర్తి వరలక్ష్మమ్మ భర్త పేరు

(1) హనుమంత రావు

(2) శేషయ్య

(3) రామమూర్తి

(4) నర్సింహం

[Question ID = 182][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q92]

1. 1 [Option ID = 725]
2. 2 [Option ID = 726]
3. 3 [Option ID = 727]
4. 4 [Option ID = 728]

3) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

బాపట్లలో 1896 అక్టోబర్ 6వ తేదీన పాలపర్తి హనుమాయమ్మ శేషయ్యలకు జన్మించింది వరలక్ష్మమ్మ. అన్నల సహాయంతో నాలుగో తరగతి పూర్తి చేసింది. అమె బాల్యం నుంచే కనపడ్డ కాగితమెల్లా చదివేది. ఇంటికి వచ్చిన పుస్తకాలు, పత్రికలు ఏవీ వదిలేది కాదు. వీరేశలింగంగారి గ్రంథాలు, చిలకమర్తి వారి నవలలు, విజ్ఞాన చంద్రికాగ్రంథ మండలి వారి పుస్తకాలు "సావిత్రి" అనే మాస పత్రికను సోదరులుతేగా వాటిని చదివేది, రోజుకో వ్యాసం చదివి దాన్ని తిరిగి సొంతంగా రాసేది. ఇలా వాటిని చదివి అన్న నరసింహం సాయంతో చదవడం, రాయడం వరలక్ష్మమ్మ నేర్చుకుంది. ఆరోజుల్లో రాజమండ్రి గౌతమీ పుస్తక

చెప్పేవాడు. నరసాపురంలో స్త్రీలకోసం బహుమతి పరీక్షలు పెట్టేవారు. వరలక్ష్మమ్మ అన్న ప్రోత్సాహంతో ఆ పరీక్షల్లో స్వర్ణపతకం గెలుచుకొంది. మచిలీపట్నం వారి భక్తి సంబంధమైన పరీక్షలలో కూడా ఉత్తమ శ్రేణిలో ఉత్తీర్ణురాలయ్యింది.
అమె పెద్దన్న రామమూర్తి గుంటూరులో వనితా గ్రంథమండలి స్థాపించగా అందులో అమె గ్రంథాలయంలో పుస్తకాల లెక్కలు రాస్తుండేది. అప్పుడే వచ్చిన కొత్తపుస్తకాలన్నీ చదువుతూ ఉండేది. ఆమె అత్తవారింటికి వెళ్ళేటప్పుడు అన్నగారు "శబ్దార్థ చంద్రిక" అనే తెలుగు నిఘంటువును బహూకరించాడు. ఆ అమూల్యమైన కానుక సాయంతో ఆమె ఎన్నో గొప్ప గ్రంథాలు స్వయంగా చదువ గలిగింది. కృష్ణాపత్రికను చదివేది. చోరగుడి సీతమ్మ సాయంతో వరలక్ష్మమ్మ యువతీ విద్యాలయానికి వెళ్ళి తెలుగు, సంస్కృతం నేర్చుకునేది. అపాఠశాలకు ప్రధానోపాధ్యాయినిగా ఉన్న లక్ష్మీ నరసమ్మ వరలక్ష్మమ్మకు మనుచరిత్ర, శబ్దమంజరి, రఘువంశం చెప్పింది. ఈ విధంగా బాల్యకౌమారదశల్లో వరలక్ష్మమ్మ "డిగ్రీలు" లేని పాండిత్యాన్ని సంపాదించింది. సమాజం పట్ల, సాహిత్యం పట్ల చక్కని అవగాహన పెంచుకున్నది. వరలక్ష్మమ్మ భర్త హనుమంతరావు కూడా సంస్కార హృదయుడు. అయన రాజమండ్రిలో చదవుకునేటప్పుడు కందుకూరి సంస్కరణోద్యమంతో ప్రభావితుడయ్యాడు. స్త్రీ విద్యపట్ల గాఢమైన అభిమానాన్ని ఏర్పరచుకున్నాడు. అయన రాజమండ్రి నుంచి వస్తూ ఎన్నో విలుమైన పుస్తకాలను వరలక్ష్మమ్మకు బహూకరించాడు. ఆమెకు గల సాహిత్యాభిలాషకు ప్రోత్సాహమందించాడు. ఆమె రాసిన కథలను, వ్యాసాలను ఆయనే స్వయంగా పోస్టు చేసేవాడు. రచనావిషయంలోనే కాక, ఉపన్యాసాలిచ్చే విషయంలోకూడా వరలక్ష్మమ్మకు భర్త ప్రోత్సాహం లభించింది. మదనపల్లెలో వుండగా అక్కడి మహిళా సమాజంలో వారం, వారం, ఏదో ఒక విషయంమీద వరలక్ష్మమ్మ ఉపన్యసించి అక్కడి వారి మన్ననలు పొందింది. మదనపల్లె మహిళా సమాజంలో శ్రీమతి సరోజినీనాయుడుతో పరిచయమయింది. గుంటూరు జిల్లాబోర్డు సభ్యురాలిగా ఆమె ఎన్నికయింది. జిల్లా మొత్తం 52 మంది సభ్యులలోను ఆమె ఒకతే మహిళ మూడున్నర సంవత్సరాలపాటు యథాశక్తి సేవచేసింది. ఒకసారి ఆమె అన్న అంజనేయులు ఆంగ్లంలో ప్రచురింపబడ్డ ఒక కథను తెలుగులో చెప్పి సొంతంగా ఆ కథని రాయమని చెప్పాడు. ఆమె కథను రాసి ఇచ్చింది. "సౌదామిని" అనే కలం పేరుతో అనసూయ అనే పత్రికకు ఆయన పంపారు. వారు దాన్ని ప్రచురించారు. అదే ఆమె రాసిన మొదటి కథ. తర్వాత ఆమె సొంతంగా "లక్కబరిణె, ప్రేమలత, స్వీయచరిత్ర, కనకవల్లి, మృత జీవులతో సంభాషణ మొదలైన కథలు రాసి 'అనసూయ' పత్రికకు పంపింది. ఆమె భారతికి రాసిన మొదటికథ 'సుధ', దీర్ఘసుమంగళీభవ, రెండుకోర్కెలు, దరిద్రనారాయణుడని ఆ జగద్రక్షకుడికి బిరుదైతే, నేనే అపరాధిని, ఒట్టు, మూడు తీర్మానాలు, తోటమాలి గురవడు, పెంచిన ప్రేమ, మొదలైనవి ఆమెరాసిన కథలెన్నో భారతిలో ప్రచురిత మయ్యాయి. భారతిలోనే కాకుండా, తెలుగుదేశంలోని మాసపత్రికలు, శారద, ఆంధ్రభూమి, ఆంధ్రజ్యోతి, వినోదిని, ఆంధ్రవాణి, ఆంధ్రమహిళ, ఆంధ్రపత్రిక, సంవత్సరాది సంచికలలో కూడా ఆమె కథలు వచ్చాయి. వినోదినిలో ఆమె రాసిన కథలన్నీ హాస్యస్ఫోరకమై ప్రత్యేకత సంతరించుకున్నాయి. భారతి

సంవత్సరాలు ఆమె రచనలేని గృహలక్ష్మి పత్రిక లేదంటే అతిశయోక్తి కాదు. వరలక్ష్మమ్మ బాల్యంలో వారింటి ప్రక్క ఇంట్లో ఆరుగురు ముసలమ్మ లుండేవారు. బడికి వెళ్తూ వెళ్తూ వరలక్ష్మమ్మ ఆ అవ్వల దగ్గర కొంతకాలం గడిపేది, ఏదో ప్రసాదం పెట్టేవారు. ఆమెను ఆప్యాయంగా చూసేవాళ్ళు. వాళ్ళకి చదువురాదు. వాళ్ళ బంధువుల దగ్గర నుంచి వచ్చే ఉత్తరాలన్నీ మూడవ తరగతి చదువుతున్న వరలక్ష్మమ్మతో చదివించుకొనేవారు. అలాగే ఆమెతో జవాబులు రాయించుకొనే వారు ఇలా వారి స్నేహంతో చిన్ననాడే వరలక్ష్మమ్మకు జాబులు రాయడం అభ్యాసమైంది. తరువాత ఆ ప్రేరణతోనే "శారద లేఖలు" ఆమెరాసి మిక్కిలి ప్రసిద్ధి చెందింది.

ఆంధ్ర పత్రికలో వారం వారం ప్రచురింపబడ్డ "వసంత" లేఖలు. మొట్టమొదటిసారిగా లేఖలు రాయాలన్న కుతూహలం రేకెత్తించింది. స్త్రీలకు సంబంధించిన వివిధ విషయాలు తీసుకుని "కల్పలత" అనే స్నేహితురాలికి "శారద" రాసినట్టుగా రాయడం మొదలు పెట్టింది. 1928 లో 'గృహలక్ష్మి' ప్రథమ సంచికలోనే మొదటి శారదలేఖ ప్రచురింపబడింది. నాటినుంచి 1934 వరకు ధారావాహికంగా ప్రచురించ బడ్డాయి. ఆమె రాసిన ఒక్కొక్క లేఖ ఒక మణిపూస. ఒక లేఖలో మూఢవిశ్వాసాలు ఖండించేది. ఒక లేఖలో హృదయ విదారకమైన బాలవితంతువుల బాధల వివరణలు, వర్ణనలు వుండేవి. వరకట్నాలను నిషేధించాలని ఎలుగెత్తి చాటే లేఖలు వుండేవి. పురుషాధిక్యతను తెగనాడి విశృంఖలత్వాన్ని ద్వేషించే భావాలు కూడా లేఖలలో వుండేవి. నాటి జాతీయోద్యమానికి సంబంధించిన విషయాలపై కూడ ఆమె లేఖలు రాసింది. దాదాపు 1950 వరకు కూడా శారద లేఖలు 'గృహలక్ష్మి'లో ప్రచురింపబడుతూ వచ్చాయి. 1930లో 'గృహలక్ష్మి'లో "స్త్రీ అబల కాదు" అనే విషయంపై వ్యాసరచన పోటీని పెట్టారు. ఆ పోటీలో పన్నెండు మంది మహిళలు పాల్గొన్నారు. వారిలో వరలక్ష్మమ్మ ప్రథమురాలిగా నెగ్గి స్వర్ణపతకం గెలుచుకుంది. బొంబాయి కళ్యాణసంఘం వారు 'మహాత్ముని ఉపవాసఫలితం' అనే విషయంపై ఏర్పాటు చేసిన పోటీలో పాల్గొని మహాత్ముని చిత్రం గల రజతపతకం గెలుచుకుంది. వరలక్ష్మమ్మ పద్నాలుగు సంవత్సరాలప్పుడు ఒక మహిళ ఆమె తల్లి వద్దకు వచ్చి కన్నీళ్లతో తనకష్టగాథను చెప్పింది. ఈ గాథను మనసులో వుంచుకొన్న వరలక్ష్మమ్మ 'వసుమతి' అనే సాంఘిక నవలను రాసింది. ఇది ఆమె మొదటి నవల. ఈ నవలను మద్రాసు టెక్స్ట్ బుక్ కమిటీవారు ఉన్నత పాఠశాలల్లో పఠనీయ గ్రంథంగా ఆమోదించారు. తరువాత 'బాలనీతికథావళి' అనే పుస్తకం రాసింది. విశ్వామిత్ర మహర్షి అనే పుస్తకం ప్రౌఢకావ్య శైలిలో రాసింది. 'జ్యోతి' అనే ఆరోగ్య నాటకం, ఆరోగ్యశాఖవారి ఆమోదం పొందింది.

ద్రౌపదీ వస్త్ర సంరక్షణ సత్యాద్రౌపదీ సంవాదం అనేవి ద్విపదలు, పెన్షను పుచ్చుకున్న నాటి రాత్రి, నవభారతేతిహాసము, మొదలైనవి, ఆమె అచ్చైన పుస్తకాలు. పద్మ, పునఃప్రతిష్ఠ, జీవనరాం, రాధపెళ్ళి, అనే నాటికలను కూడా ఆమె రాసింది, 1922 లో వరలక్ష్మమ్మ మా చెట్టునీడ ముచ్చటలు అనే శీర్షికతో కొన్ని వ్యాసాలు, 'లీలావతి' అనే కలంపేరుతో ఆంధ్రపత్రికకు రాసింది. మంగళాంబ, కనకమ్మ, కళ్యాణి, సూరమ్మ వరలక్ష్మమ్మలవే యీ ముచ్చటలు. మంగళాంబది మద్రాసు, కనకమ్మది నెల్లూరు, సూరమ్మది విశాఖపట్నం,

కళ్యాణి కష్టాలు వరలక్ష్మమ్మకు గుర్తింపునిచ్చాయి. ఈ అయిదుగురు కృష్ణాజిల్లా బెజవాడలో ఒక ఇంట్లో కాపురం వుంటూ ఆయింటి ముంగిటవున్న నారింజ చెట్టుక్రింద కూర్చొని తమతమ ప్రాంతాల యాసలతో వివిధవిషయాలపై చర్చించిన అనేక అంశాలే ఈ ముచ్చట్లు. ఇవి పాఠకులను విశేషంగా ఆకర్షించాయి. ఇవి ఉబుసుపోక కబుర్లుకావు. అవి విజ్ఞానంతో పాటు, కొంతహాస్యాన్ని మిళితం చేసుకొని ఆసక్తికరంగా వుండేవి. బెజవాడలో 1929లో జరిగిన మహిళా సభల్లో మొట్టమొదటిసారి వరలక్ష్మమ్మ స్పష్టంగా, నిర్దుష్టంగా మాట్లాడి అందరి మన్ననలు పొందింది. ఆ మరునాడు రామమోహన్ గ్రంథాలయంలో స్త్రీల సభకి ఉన్నవ లక్ష్మీబాయమ్మ వచ్చారు. ఆ సభకు వరలక్ష్మమ్మ అధ్యక్షురాలైంది. క్రమంగా గ్రామసభల్లో పాల్గొనడం, అధ్యక్షత వహించండం అలవాటయిపోయింది. బందరులో మూడవ ఆంధ్రమహిళా సభలో వరలక్ష్మమ్మ విడాకుల చట్టంపై ప్రసంగించి పలువురి ప్రసంశలందు కున్నది.

అత్తగారింటికి వెళ్లే సమయంలో లక్ష్మమమ్మకు అన్న బహుకరించిన పుస్తకం

(1) సావిత్రి

(2) శబ్దార్థ చంద్రిక

(3) స్వీయ చరిత్ర

(4) ప్రేమలత

[Question ID = 183][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q93]

1. 1 [Option ID = 729]
2. 2 [Option ID = 730]
3. 3 [Option ID = 731]
4. 4 [Option ID = 732]

4) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

బాపట్లలో 1896 అక్టోబర్ 6వ తేదీన పాలపర్తి హనుమాయమ్మ శేషయ్యలకు జన్మించింది వరలక్ష్మమ్మ. అన్నల సహాయంతో నాలుగో తరగతి పూర్తి చేసింది. అమె బాల్యం నుంచే కనపడ్డ కాగితమెల్లా చదివేది. ఇంటికి వచ్చిన పుస్తకాలు, పత్రికలు ఏవీ వదిలేది కాదు. వీరేశలింగంగారి గ్రంథాలు, చిలకమర్తి వారి నవలలు, విజ్ఞాన చంద్రికాగ్రంథ మండలి వారి పుస్తకాలు “సావిత్రి” అనే మాస పత్రికను సోదరులుతేగా వాటిని చదివేది, రోజుకో వ్యాసం చదివి దాన్ని తిరిగి సొంతంగా రాసేది. ఇలా వాటిని చదివి అన్న నరసింహం సాయంతో చదవడం, రాయడం వరలక్ష్మమ్మ నేర్చుకుంది. ఆరోజుల్లో రాజమండ్రి గౌతమీ పుస్తక భాండాగారంనించి అన్న నరసింహం పుస్తకాలు తెచ్చియిచ్చేవాడు. భారతం చదివి చెప్పేవాడు. నరసాపురంలో స్త్రీలకోసం బహుమతి పరీక్షలు పెట్టేవారు. వరలక్ష్మమ్మ అన్న ప్రోత్సాహంతో ఆ పరీక్షల్లో స్వర్ణపతకం గెలుచుకొంది. మచిలీపట్నం వారి భక్తి సంబంధమైన పరీక్షలలో కూడా ఉత్తమ శ్రేణిలో ఉత్తీర్ణురాలయ్యింది.

అమె పెద్దన్న రామమూర్తి గుంటూరులో వనితా గ్రంథమండలి స్థాపించగా అందులో అమె గ్రంథాలయంలో పుస్తకాల లెక్కలు రాస్తుండేది. అప్పుడే వచ్చిన కొత్తపుస్తకాలన్నీ చదువుతూ ఉండేది. ఆమె అత్తవారింటికి వెళ్ళేటప్పుడు అన్నగారు “శబ్దార్థ చంద్రిక” అనే

తెలుగు నిఘంటువును బహూకరించాడు. ఆ అమూల్యమైన కానుక సాయంతో ఆమె ఎన్నో గొప్ప గ్రంథాలు స్వయంగా చదువ గలిగింది. కృష్ణాపత్రికను చదివేది. చోరగుడి సీతమ్మ సాయంతో వరలక్ష్మమ్మ యువతీ విద్యాలయానికి వెళ్ళి తెలుగు, సంస్కృతం నేర్చుకునేది. అపాఠశాలకు ప్రధానోపాధ్యాయినిగా ఉన్న లక్ష్మీ నరసమ్మ వరలక్ష్మమ్మకు మనుచరిత్ర, శబ్దమంజరి, రఘువంశం చెప్పింది. ఈ విధంగా బాల్యకౌమారదశల్లో వరలక్ష్మమ్మ "డిగ్రీలు" లేని పాండిత్యాన్ని సంపాదించింది. సమాజం పట్ల, సాహిత్యం పట్ల చక్కని అవగాహన పెంచుకున్నది. వరలక్ష్మమ్మ భర్త హనుమంతరావు కూడా సంస్కార హృదయుడు. అయన రాజమండ్రిలో చదువుకునేటప్పుడు కందుకూరి సంస్కరణోద్యమంతో ప్రభావితుడయ్యాడు. స్త్రీ విద్యపట్ల గాఢమైన అభిమానాన్ని ఏర్పరచుకున్నాడు. అయన రాజమండ్రి నుంచి వస్తూ ఎన్నో విలువైన పుస్తకాలను వరలక్ష్మమ్మకు బహూకరించాడు. ఆమెకు గల సాహిత్యాభిలాషకు ప్రోత్సాహమందించాడు. ఆమె రాసిన కథలను, వ్యాసాలను అయనే స్వయంగా పోస్టు చేసేవాడు. రచనావిషయంలోనే కాక, ఉపన్యాసాలిచ్చే విషయంలోకూడా వరలక్ష్మమ్మకు భర్త ప్రోత్సాహం లభించింది. మదనపల్లెలో వుండగా అక్కడి మహిళా సమాజంలో వారం, వారం, ఏదో ఒక విషయంమీద వరలక్ష్మమ్మ ఉపన్యసించి అక్కడి వారి మన్ననలు పొందింది. మదనపల్లె మహిళా సమాజంలో శ్రీమతి సరోజినీనాయుడుతో పరిచయమయింది. గుంటూరు జిల్లాబోర్డు సభ్యురాలిగా ఆమె ఎన్నికయింది. జిల్లా మొత్తం 52 మంది సభ్యులలోను ఆమె ఒకతే మహిళ మూడున్నర సంవత్సరాలపాటు యథాశక్తి సేవచేసింది. ఒకసారి ఆమె అన్న అంజనేయులు ఆంగ్లంలో ప్రచురింపబడ్డ ఒక కథను తెలుగులో చెప్పి సొంతంగా ఆ కథని రాయమని చెప్పాడు. ఆమె కథను రాసి ఇచ్చింది. "సౌదామిని" అనే కలం పేరుతో అనసూయ అనే పత్రికకు ఆయన పంపారు. వారు దాన్ని ప్రచురించారు. అదే ఆమె రాసిన మొదటి కథ. తర్వాత ఆమె సొంతంగా "లక్కబరిణె, ప్రేమలత, స్వీయచరిత్ర, కనకవల్లి, మృత జీవులతో సంభాషణ మొదలైన కథలు రాసి 'అనసూయ' పత్రికకు పంపింది. ఆమె భారతికి రాసిన మొదటికథ 'సుధ', దీర్ఘసుమంగళీభవ, రెండుకోర్కెలు, దరిద్రనారాయణుడని ఆ జగద్రక్షకుడికి బిరుదైతే, నేనే అపరాధిని, ఒట్టు, మూడు తీర్మానాలు, తోటమాలి గురవడు, పెంచిన ప్రేమ, మొదలైనవి ఆమెరాసిన కథలెన్నో భారతిలో ప్రచురిత మయ్యాయి. భారతిలోనే కాకుండా, తెలుగుదేశంలోని మాసపత్రికలు, శారద, ఆంధ్రభూమి, ఆంధ్రజ్యోతి, వినోదిని, ఆంధ్రవాణి, ఆంధ్రమహిళ, ఆంధ్రపత్రిక, సంవత్సరాది సంచికలలో కూడా ఆమె కథలు వచ్చాయి. వినోదినిలో ఆమె రాసిన కథలన్నీ హాస్యస్ఫోరకమై ప్రత్యేకత సంతరించుకున్నాయి. భారతి తర్వాత ఆమె రచనలను, కథలను విరివిగా ప్రకటించిన పత్రిక గృహలక్ష్మి దాదాపు కొన్ని సంవత్సరాలు ఆమె రచనలేని గృహలక్ష్మి పత్రిక లేదంటే అతిశయోక్తి కాదు. వరలక్ష్మమ్మ బాల్యంలో వారింటి ప్రక్క ఇంట్లో ఆరుగురు ముసలమ్మ లుండేవారు. బడికి వెళ్తూ వెళ్తూ వరలక్ష్మమ్మ ఆ అవ్వల దగ్గర కొంతకాలం గడిపేది, ఏదో ప్రసాదం పెట్టేవారు. ఆమెను ఆప్యాయంగా చూసేవాళ్ళు. వాళ్ళకి చదువురాదు. వాళ్ళ బంధువుల దగ్గర నుంచి వచ్చే ఉత్తరాలన్నీ మూడవ తరగతి చదువుతున్న వరలక్ష్మమ్మతో చదివించుకొనేవారు. అలాగే

జాబులు రాయడం అభ్యాసమైంది. తరువాత ఆ ప్రేరణతోనే "శారద లేఖలు" ఆమెరాసి మిక్కిలి ప్రసిద్ధి చెందింది.

ఆంధ్ర పత్రికలో వారం వారం ప్రచురింపబడ్డ "వసంత" లేఖలు. మొట్టమొదటిసారిగా లేఖలు రాయాలన్న కుతూహలం రేకెత్తించింది. స్త్రీలకు సంబంధించిన వివిధ విషయాలు తీసుకుని "కల్పలత" అనే స్నేహితురాలికి "శారద" రాసినట్టుగా రాయడం మొదలు పెట్టింది. 1928 లో 'గృహలక్ష్మి' ప్రథమ సంచికలోనే మొదటి శారదలేఖ ప్రచురింపబడింది. నాటినుంచి 1934 వరకు ధారావాహికంగా ప్రచురించ బడ్డాయి. ఆమె రాసిన ఒక్కొక్క లేఖ ఒక మణిపూస. ఒక లేఖలో మూఢవిశ్వాసాలు ఖండించేది. ఒక లేఖలో హృదయ విదారకమైన బాలవితంతువుల బాధల వివరణలు, వర్ణనలు వుండేవి. వరకట్నాలను నిషేధించాలని ఎలుగెత్తి చాటే లేఖలు వుండేవి. పురుషాధిక్యతను తెగనాడి విశృంఖలత్వాన్ని ద్వేషించే భావాలు కూడా లేఖలలో వుండేవి. నాటి జాతీయోద్యమానికి సంబంధించిన విషయాలపై కూడ ఆమె లేఖలు రాసింది. దాదాపు 1950 వరకు కూడా శారద లేఖలు 'గృహలక్ష్మి'లో ప్రచురింపబడుతూ వచ్చాయి. 1930లో 'గృహలక్ష్మి'లో "స్త్రీ అబల కాదు" అనే విషయంపై వ్యాసరచన పోటీని పెట్టారు. ఆ పోటీలో పన్నెండు మంది మహిళలు పాల్గొన్నారు. వారిలో వరలక్ష్మమ్మ ప్రథమురాలిగా నెగ్గి స్వర్ణపతకం గెలుచుకుంది. బొంబాయి కళ్యాణసంఘం వారు 'మహాత్ముని ఉపవాసఫలితం' అనే విషయంపై ఏర్పాటు చేసిన పోటీలో పాల్గొని మహాత్ముని చిత్రం గల రజతపతకం గెలుచుకుంది. వరలక్ష్మమ్మ పద్నాలుగు సంవత్సరాలప్పుడు ఒక మహిళ ఆమె తల్లి వద్దకు వచ్చి కన్నీళ్లతో తనకష్టగాథను చెప్పింది. ఈ గాథను మననులో వుంచుకొన్న వరలక్ష్మమ్మ 'వసుమతి' అనే సాంఘిక నవలను రాసింది. ఇది ఆమె మొదటి నవల. ఈ నవలను మద్రాసు టెక్ట్స్ బుక్ కమిటీవారు ఉన్నత పాఠశాలల్లో పఠనీయ గ్రంథంగా ఆమోదించారు. తరువాత 'బాలనీతికథావళి' అనే పుస్తకం రాసింది. విశ్వామిత్ర మహర్షి అనే పుస్తకం ప్రౌఢకావ్య శైలిలో రాసింది. 'జ్యోతి' అనే ఆరోగ్య నాటకం, ఆరోగ్యశాఖవారి ఆమోదం పొందింది.

ద్రౌపదీ వస్త్ర సంరక్షణ సత్యాద్రౌపదీ సంవాదం అనేవి ద్విపదలు, పెన్షను పుచ్చుకున్న నాటి రాత్రి, నవభారతేతిహాసము, మొదలైనవి, ఆమె అచ్చైన పుస్తకాలు. పద్మ, పునఃప్రతిష్ట, జీవనరాం, రాధపెళ్ళి, అనే నాటికలను కూడా ఆమె రాసింది, 1922 లో వరలక్ష్మమ్మ మా చెట్టునీడ ముచ్చటలు అనే శీర్షికతో కొన్ని వ్యాసాలు, 'లీలావతి' అనే కలంపేరుతో ఆంధ్రపత్రికకు రాసింది. మంగళాంబ, కనకమ్మ, కళ్యాణి, సూరమ్మ వరలక్ష్మమ్మలవే యీ ముచ్చటలు. మంగళాంబది మద్రాసు, కనకమ్మది నెల్లూరు, సూరమ్మది విశాఖపట్నం, కళ్యాణిది కర్నూలు వరలక్ష్మమ్మది గుంటూరు. ఈ అయిదుగురు కృష్ణాజిల్లా బెజవాడలో ఒక ఇంట్లో కాపురం వుంటూ ఆయింటి ముంగిటవున్న నారింజ చెట్టుక్రింద కూర్చొని తమతమ ప్రాంతాల యాసలతో వివిధవిషయాలపై చర్చించిన అనేక అంశాలే ఈ ముచ్చట్లు. ఇవి పాఠకులను విశేషంగా ఆకర్షించాయి. ఇవి ఉబుసుపోక కబుర్లుకావు. అవి విజ్ఞానంతో పాటు, కొంతహాస్యాన్ని మిళితం చేసుకొని ఆసక్తికరంగా వుండేవి. బెజవాడలో 1929లో జరిగిన మహిళా సభల్లో మొట్టమొదటిసారి వరలక్ష్మమ్మ స్పష్టంగా, నిర్దుష్టంగా మాట్లాడి అందరి

లక్ష్మీబాయమ్మ వచ్చారు. ఆ సభకు వరలక్ష్మమ్మ అధ్యక్షురాలైంది. క్రమంగా గ్రామసభల్లో పాల్గొనడం, అధ్యక్షత వహించడం అలవాటయిపోయింది. బందరులో మూడవ ఆంధ్రమహిళా సభలో వరలక్ష్మమ్మ విడాకుల చట్టంపై ప్రసంగించి పలువురి ప్రసంశలందు కున్నది.

శారద లేఖలు ప్రచురింపబడిన పత్రిక

(1) వినోదిని

(2) ఆంధ్ర మహిళ

(3) గృహలక్ష్మి

(4) ఆంధ్రవాణి

[Question ID = 184][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q94]

1. 1 [Option ID = 733]
2. 2 [Option ID = 734]
3. 3 [Option ID = 735]
4. 4 [Option ID = 736]

5) **సూచన** : *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

బాపట్లలో 1896 అక్టోబర్ 6వ తేదీన పాలపర్తి హనుమాయమ్మ శేషయ్యలకు జన్మించింది వరలక్ష్మమ్మ. అన్నల సహాయంతో నాలుగో తరగతి పూర్తి చేసింది. అమె బాల్యం నుంచే కనపడ్డ కాగితమెల్లా చదివేది. ఇంటికి వచ్చిన పుస్తకాలు, పత్రికలు ఏవీ వదిలేది కాదు. వీరేశలింగంగారి గ్రంథాలు, చిలకమర్తి వారి నవలలు, విజ్ఞాన చంద్రికాగ్రంథ మండలి వారి పుస్తకాలు "సావిత్రి" అనే మాస పత్రికను సోదరులుతేగా వాటిని చదివేది, రోజుకో వ్యాసం చదివి దాన్ని తిరిగి సొంతంగా రాసేది. ఇలా వాటిని చదివి అన్న నరసింహం సాయంతో చదవడం, రాయడం వరలక్ష్మమ్మ నేర్చుకుంది. ఆరోజుల్లో రాజమండ్రి గౌతమీ పుస్తక భాండాగారంనించి అన్న నరసింహం పుస్తకాలు తెచ్చియిచ్చేవాడు. భారతం చదివి చెప్పేవాడు. నరసాపురంలో స్త్రీలకోసం బహుమతి పరీక్షలు పెట్టేవారు. వరలక్ష్మమ్మ అన్న ప్రోత్సాహంతో ఆ పరీక్షల్లో స్వర్ణపతకం గెలుచుకొంది. మచిలీపట్నం వారి భక్తి సంబంధమైన పరీక్షలలో కూడా ఉత్తమ శ్రేణిలో ఉత్తీర్ణురాలయ్యింది.

అమె పెద్దన్న రామమూర్తి గుంటూరులో వనితా గ్రంథమండలి స్థాపించగా అందులో అమె గ్రంథాలయంలో పుస్తకాల లెక్కలు రాస్తుండేది. అప్పుడే వచ్చిన కొత్తపుస్తకాలన్నీ చదువుతూ ఉండేది. ఆమె అత్తవారింటికి వెళ్ళేటప్పుడు అన్నగారు "శబ్దార్థ చంద్రిక" అనే తెలుగు నిఘంటువును బహూకరించాడు. ఆ అమూల్యమైన కానుక సాయంతో ఆమె ఎన్నో గొప్ప గ్రంథాలు స్వయంగా చదువ గలిగింది. కృష్ణాపత్రికను చదివేది. చోరగుడి సీతమ్మ సాయంతో వరలక్ష్మమ్మ యువతీ విద్యాలయానికి వెళ్ళి తెలుగు, సంస్కృతం నేర్చుకునేది. అపాఠశాలకు ప్రధానోపాధ్యాయినిగా ఉన్న లక్ష్మీ నరసమ్మ వరలక్ష్మమ్మకు మనుచరిత్ర, శబ్దమంజరి, రఘువంశం చెప్పింది. ఈ విధంగా బాల్యకౌమారదశల్లో వరలక్ష్మమ్మ "డిగ్రీలు" లేని పాండిత్యాన్ని సంపాదించింది. సమాజం పట్ల, సాహిత్యం పట్ల చక్కని అవగాహన

పెంచుకున్నది. వరలక్ష్మమ్మ భర్త హనుమంతరావు కూడా సంస్కార హృదయుడు. ఆయన రాజమండ్రిలో చదువుకునేటప్పుడు కందుకూరి సంస్కరణోద్యమంతో ప్రభావితుడయ్యాడు. స్త్రీ విద్యపట్ల గాఢమైన అభిమానాన్ని ఏర్పరచుకున్నాడు. ఆయన రాజమండ్రి నుంచి వస్తూ ఎన్నో విలువైన పుస్తకాలను వరలక్ష్మమ్మకు బహూకరించాడు. ఆమెకు గల సాహిత్యాభిలాషకు ప్రోత్సాహమందించాడు. ఆమె రాసిన కథలను, వ్యాసాలను ఆయనే స్వయంగా పోస్టు చేసేవాడు. రచనావిషయంలోనే కాక, ఉపన్యాసాలిచ్చే విషయంలోకూడా వరలక్ష్మమ్మకు భర్త ప్రోత్సాహం లభించింది. మదనపల్లెలో వుండగా అక్కడి మహిళా సమాజంలో వారం, వారం, ఏదో ఒక విషయంమీద వరలక్ష్మమ్మ ఉపన్యసించి అక్కడి వారి మన్ననలు పొందింది. మదనపల్లె మహిళా సమాజంలో శ్రీమతి సరోజినీనాయుడుతో పరిచయమయింది. గుంటూరు జిల్లాబోర్డు సభ్యురాలిగా ఆమె ఎన్నికయింది. జిల్లా మొత్తం 52 మంది సభ్యులలోను ఆమె ఒకతే మహిళ మూడున్నర సంవత్సరాలపాటు యథాశక్తి సేవచేసింది. ఒకసారి ఆమె అన్న అంజనేయులు ఆంగ్లంలో ప్రచురింపబడ్డ ఒక కథను తెలుగులో చెప్పి సొంతంగా ఆ కథని రాయమని చెప్పాడు. ఆమె కథను రాసి ఇచ్చింది. "సౌదామిని" అనే కలం పేరుతో అనసూయ అనే పత్రికకు ఆయన పంపారు. వారు దాన్ని ప్రచురించారు. అదే ఆమె రాసిన మొదటి కథ. తర్వాత ఆమె సొంతంగా "లక్కబరిణి, ప్రేమలత, స్వీయచరిత్ర, కనకవల్లి, మృత జీవులతో సంభాషణ మొదలైన కథలు రాసి 'అనసూయ' పత్రికకు పంపింది. ఆమె భారతికి రాసిన మొదటికథ 'సుధ', దీర్ఘసుంమగళీభవ, రెండుకోర్కెలు, దరిద్రనారాయణుడని ఆ జగద్రక్షకుడికి బిరుదైతే, నేనే అపరాధిని, ఒట్టు, మూడు తీర్మానాలు, తోటమాలి గురవడు, పెంచిన ప్రేమ, మొదలైనవి ఆమెరాసిన కథలెన్నో భారతిలో ప్రచురిత మయ్యాయి. భారతిలోనే కాకుండా, తెలుగుదేశంలోని మాసపత్రికలు, శారద, ఆంధ్రభూమి, ఆంధ్రజ్యోతి, వినోదిని, ఆంధ్రవాణి, ఆంధ్రమహిళ, ఆంధ్రపత్రిక, సంవత్సరాది సంచికలలో కూడా ఆమె కథలు వచ్చాయి. వినోదినిలో ఆమె రాసిన కథలన్నీ హాస్యస్ఫోరకమై ప్రత్యేకత సంతరించుకున్నాయి. భారతి తర్వాత ఆమె రచనలను, కథలను విరివిగా ప్రకటించిన పత్రిక గృహలక్ష్మి దాదాపు కొన్ని సంవత్సరాలు ఆమె రచనలేని గృహలక్ష్మి పత్రిక లేదంటే అతిశయోక్తి కాదు. వరలక్ష్మమ్మ బాల్యంలో వారింటి ప్రక్క ఇంట్లో ఆరుగురు ముసలమ్మ లుండేవారు. బడికి వెళ్తూ వెళ్తూ వరలక్ష్మమ్మ ఆ అవ్వల దగ్గర కొంతకాలం గడిపేది, ఏదో ప్రసాదం పెట్టేవారు. ఆమెను ఆప్యాయంగా చూసేవాళ్ళు. వాళ్ళకి చదువురాదు. వాళ్ళ బంధువుల దగ్గర నుంచి వచ్చే ఉత్తరాలన్నీ మూడవ తరగతి చదువుతున్న వరలక్ష్మమ్మతో చదివించుకొనేవారు. అలాగే ఆమెతో జవాబులు రాయించుకొనే వారు ఇలా వారి స్నేహంతో చిన్ననాడే వరలక్ష్మమ్మకు జాబులు రాయడం అభ్యాసమైంది. తరువాత ఆ ప్రేరణతోనే "శారద లేఖలు" ఆమెరాసి మిక్కిలి ప్రసిద్ధి చెందింది.

ఆంధ్ర పత్రికలో వారం వారం ప్రచురింపబడ్డ "వసంత" లేఖలు. మొట్టమొదటిసారిగా లేఖలు రాయాలన్న కుతూహలం రేకెత్తించింది. స్త్రీలకు సంబంధించిన వివిధ విషయాలు తీసుకుని "కల్పలత" అనే స్నేహితురాలికి "శారద" రాసినట్టుగా రాయడం మొదలు పెట్టింది. 1928 లో 'గృహలక్ష్మి' ప్రథమ సంచికలోనే మొదటి శారదలేఖ ప్రచురింపబడింది. నాటినుంచి 1934

వరకు ధారావాహికంగా ప్రచురించ బడ్డాయి. ఆమె రాసిన ఒక్కొక్క లేఖ ఒక మణిపూస. ఒక లేఖలో మూఢవిశ్వాసాలు ఖండించేది. ఒక లేఖలో హృదయ విదారకమైన బాలవితంతువుల బాధల వివరణలు, వర్ణనలు వుండేవి. వరకట్నాలను నిషేధించాలని ఎలుగెత్తి చాటే లేఖలు వుండేవి. పురుషాధిక్యతను తెగనాడి విశృంఖలత్వాన్ని ద్వేషించే భావాలు కూడా లేఖలలో వుండేవి. నాటి జాతీయోద్యమానికి సంబంధించిన విషయాలపై కూడ ఆమె లేఖలు రాసింది. దాదాపు 1950 వరకు కూడా శారద లేఖలు 'గృహలక్ష్మి'లో ప్రచురింపబడుతూ వచ్చాయి. 1930లో 'గృహలక్ష్మి'లో "స్త్రీ అబల కాదు" అనే విషయంపై వ్యాసరచన పోటీని పెట్టారు. ఆ పోటీలో పన్నెండు మంది మహిళలు పాల్గొన్నారు. వారిలో వరలక్ష్మమ్మ ప్రథమురాలిగా నెగ్గి స్వర్ణపతకం గెలుచుకుంది. బొంబాయి కళ్యాణసంఘం వారు 'మహాత్ముని ఉపవాసఫలితం' అనే విషయంపై ఏర్పాటు చేసిన పోటీలో పాల్గొని మహాత్ముని చిత్రం గల రజతపతకం గెలుచుకుంది. వరలక్ష్మమ్మ పధ్నాలుగు సంవత్సరాలప్పుడు ఒక మహిళ ఆమె తల్లి వద్దకు వచ్చి కన్నీళ్లతో తనకష్టగాథను చెప్పింది. ఈ గాథను మననులో వుంచుకొన్న వరలక్ష్మమ్మ 'వసుమతి' అనే సాంఘిక నవలను రాసింది. ఇది ఆమె మొదటి నవల. ఈ నవలను మద్రాసు టెక్స్ట్ బుక్ కమిటీవారు ఉన్నత పాఠశాలల్లో పఠనీయ గ్రంథంగా ఆమోదించారు. తరువాత 'బాలనీతికథావళి' అనే పుస్తకం రాసింది. విశ్వామిత్ర మహర్షి అనే పుస్తకం ప్రౌఢకావ్య శైలిలో రాసింది. 'జ్యోతి' అనే ఆరోగ్య నాటకం, ఆరోగ్యశాఖవారి ఆమోదం పొందింది.

ద్రౌపదీ వస్త్ర సంరక్షణ సత్యాద్రౌపదీ సంవాదం అనేవి ద్విపదలు, పెన్షను పుచ్చుకున్న నాటి రాత్రి, నవభారతేతిహాసము, మొదలైనవి, ఆమె అచ్చైన పుస్తకాలు. పద్మ, పునఃప్రతిష్ఠ, జీవనరాం, రాధపెళ్ళి, అనే నాటికలను కూడా ఆమె రాసింది, 1922 లో వరలక్ష్మమ్మ మా చెట్టునీడ ముచ్చటలు అనే శీర్షికతో కొన్ని వ్యాసాలు, 'లీలావతి' అనే కలంపేరుతో ఆంధ్రపత్రికకు రాసింది. మంగళాంబ, కనకమ్మ, కళ్యాణి, సూరమ్మ వరలక్ష్మమ్మలవే యీ ముచ్చటలు. మంగళాంబది మద్రాసు, కనకమ్మది నెల్లూరు, సూరమ్మది విశాఖపట్నం, కళ్యాణిది కర్నూలు వరలక్ష్మమ్మది గుంటూరు. ఈ అయిదుగురు కృష్ణాజిల్లా బెజవాడలో ఒక ఇంట్లో కాపురం వుంటూ ఆయింటి ముంగిటవున్న నారింజ చెట్టుక్రింద కూర్చొని తమతమ ప్రాంతాల యాసలతో వివిధవిషయాలపై చర్చించిన అనేక అంశాలే ఈ ముచ్చట్లు. ఇవి పాఠకులను విశేషంగా ఆకర్షించాయి. ఇవి ఉబుసుపోక కబుర్లుకావు. అవి విజ్ఞానంతో పాటు, కొంతహాస్యాన్ని మిళితం చేసుకొని ఆసక్తికరంగా వుండేవి. బెజవాడలో 1929లో జరిగిన మహిళా సభల్లో మొట్టమొదటిసారి వరలక్ష్మమ్మ స్పష్టంగా, నిర్దుష్టంగా మాట్లాడి అందరి మన్ననలు పొందింది. ఆ మరునాడు రామమోహన్ గ్రంథాలయంలో స్త్రీల సభకి ఉన్నావ లక్ష్మీబాయమ్మ వచ్చారు. ఆ సభకు వరలక్ష్మమ్మ అధ్యక్షురాలైంది. క్రమంగా గ్రామసభల్లో పాల్గొనడం, అధ్యక్షత వహించడం అలవాటయిపోయింది. బందరులో మూడవ ఆంధ్రమహిళా సభలో వరలక్ష్మమ్మ విడాకుల చట్టంపై ప్రసంగించి పలువురి ప్రసంశలందు కున్నది.

శారదలేఖలు ప్రచురింపబడిన కాలం

(1) 1930 – 50

(2) 1928 – 34

(3) 1929 – 30

(4) 1922 – 29

[Question ID = 185][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q95]

1. 1 [Option ID = 737]
2. 2 [Option ID = 738]
3. 3 [Option ID = 739]
4. 4 [Option ID = 740]

6) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

బాపట్లలో 1896 అక్టోబర్ 6వ తేదీన పాలపర్తి హనుమాయమ్మ, శేషయ్యలకు జన్మించింది వరలక్ష్మమ్మ. అన్నల సహాయంతో నాలుగో తరగతి పూర్తి చేసింది. ఆమె బాల్యం నుంచే కనపడ్డ కాగితమెల్లా చదివేది. ఇంటికి వచ్చిన పుస్తకాలు, పత్రికలు ఏవీ వదిలేది కాదు. వీరేశలింగంగారి గ్రంథాలు, చిలకమర్తి వారి నవలలు, విజ్ఞాన చంద్రికాగ్రంథ మండలి వారి పుస్తకాలు "సావిత్రి" అనే మాస పత్రికను సోదరులుతేగా వాటిని చదివేది, రోజుకో వ్యాసం చదివి దాన్ని తిరిగి సొంతంగా రాసేది. ఇలా వాటిని చదివి అన్న నరసింహం సాయంతో చదవడం, రాయడం వరలక్ష్మమ్మ నేర్చుకుంది. ఆరోజుల్లో రాజమండ్రి గౌతమీ పుస్తక భాండాగారంనించి అన్న నరసింహం పుస్తకాలు తెచ్చియిచ్చేవాడు. భారతం చదివి చెప్పేవాడు. నరసాపురంలో స్త్రీలకోసం బహుమతి పరీక్షలు పెట్టేవారు. వరలక్ష్మమ్మ అన్న ప్రోత్సాహంతో ఆ పరీక్షల్లో స్వర్ణపతకం గెలుచుకొంది. మచిలీపట్నం వారి భక్తి సంబంధమైన పరీక్షలలో కూడా ఉత్తమ శ్రేణిలో ఉత్తీర్ణురాలయ్యింది.

ఆమె పెద్దన్న రామమూర్తి గుంటూరులో వనితా గ్రంథమండలి స్థాపించగా అందులో ఆమె గ్రంథాలయంలో పుస్తకాల లెక్కలు రాస్తుండేది. అప్పుడే వచ్చిన కొత్తపుస్తకాలన్నీ చదువుతూ ఉండేది. ఆమె అత్తవారింటికి వెళ్ళేటప్పుడు అన్నగారు "శబ్దార్ధ చంద్రిక" అనే తెలుగు నిఘంటువును బహూకరించాడు. ఆ అమూల్యమైన కానుక సాయంతో ఆమె ఎన్నో గొప్ప గ్రంథాలు స్వయంగా చదువ గలిగింది. కృష్ణాపత్రికను చదివేది. చోరగుడి సీతమ్మ సాయంతో వరలక్ష్మమ్మ యువతీ విద్యాలయానికి వెళ్ళి తెలుగు, సంస్కృతం నేర్చుకునేది. ఆపాఠశాలకు ప్రధానోపాధ్యాయినిగా ఉన్న లక్ష్మీ నరసమ్మ వరలక్ష్మమ్మకు మనుచరిత్ర, శబ్దమంజరి, రఘువంశం చెప్పింది. ఈ విధంగా బాల్యకౌమారదశల్లో వరలక్ష్మమ్మ "డిగ్రీలు" లేని పాండిత్యాన్ని సంపాదించింది. సమాజం పట్ల, సాహిత్యం పట్ల చక్కని అవగాహన పెంచుకున్నది. వరలక్ష్మమ్మ భర్త హనుమంతరావు కూడా సంస్కార హృదయుడు. అయన రాజమండ్రిలో చదవుకునేటప్పుడు కందుకూరి సంస్కరణోద్యమంతో ప్రభావితుడయ్యాడు. స్త్రీ విద్యపట్ల గాఢమైన అభిమానాన్ని ఏర్పరచుకున్నాడు. అయన రాజమండ్రి నుంచి వస్తూ ఎన్నో విలువైన పుస్తకాలను వరలక్ష్మమ్మకు బహూకరించాడు. ఆమెకు గల సాహిత్యాభిలాషకు ప్రోత్సాహమందించాడు. ఆమె రాసిన కథలను, వ్యాసాలను ఆయనే స్వయంగా పోస్టు చేసేవాడు. రచనావిషయంలోనే కాక, ఉపన్యాసాలిచ్చే విషయంలోకూడా

వరలక్ష్మమ్మకు భర్త ప్రోత్సాహం లభించింది. మదనపల్లెలో వుండగా అక్కడి మహిళా సమాజంలో వారం, వారం, ఏదో ఒక విషయంమీద వరలక్ష్మమ్మ ఉపన్యసించి అక్కడి వారి మన్ననలు పొందింది. మదనపల్లె మహిళా సమాజంలో శ్రీమతి సరోజినీనాయుడుతో పరిచయమయింది. గుంటూరు జిల్లాబోర్డు సభ్యురాలిగా ఆమె ఎన్నికయింది. జిల్లా మొత్తం 52 మంది సభ్యులలోను ఆమె ఒకతే మహిళ మూడున్నర సంవత్సరాలపాటు యథాశక్తి సేవచేసింది. ఒకసారి ఆమె అన్న అంజనేయులు ఆంగ్లంలో ప్రచురింపబడ్డ ఒక కథను తెలుగులో చెప్పి సొంతంగా ఆ కథని రాయమని చెప్పాడు. ఆమె కథను రాసి ఇచ్చింది. "సౌదామిని" అనే కలం పేరుతో అనసూయ అనే పత్రికకు ఆయన పంపారు. వారు దాన్ని ప్రచురించారు. అదే ఆమె రాసిన మొదటి కథ. తర్వాత ఆమె సొంతంగా "లక్కబరిణె, ప్రేమలత, స్వీయచరిత్ర, కనకవల్లి, మృత జీవులతో సంభాషణ మొదలైన కథలు రాసి 'అనసూయ' పత్రికకు పంపింది. ఆమె భారతికి రాసిన మొదటికథ 'సుధ', దీర్ఘసుంమగళీభవ, రెండుకోర్కెలు, దరిద్రనారాయణుడని ఆ జగద్రక్షకుడికి బిరుదైతే, నేనే అపరాధిని, ఒట్టు, మూడు తీర్మానాలు, తోటమాలి గురవడు, పెంచిన ప్రేమ, మొదలైనవి ఆమెరాసిన కథలెన్నో భారతిలో ప్రచురిత మయ్యాయి. భారతిలోనే కాకుండా, తెలుగుదేశంలోని మాసపత్రికలు, శారద, ఆంధ్రభూమి, ఆంధ్రజ్యోతి, వినోదిని, ఆంధ్రవాణి, ఆంధ్రమహిళ, ఆంధ్రపత్రిక, సంవత్సరాది సంచికలలో కూడా ఆమె కథలు వచ్చాయి. వినోదినిలో ఆమె రాసిన కథలన్నీ హాస్యస్ఫోరకమై ప్రత్యేకత సంతరించుకున్నాయి. భారతి తర్వాత ఆమె రచనలను, కథలను విరివిగా ప్రకటించిన పత్రిక గృహలక్ష్మి దాదాపు కొన్ని సంవత్సరాలు ఆమె రచనలేని గృహలక్ష్మి పత్రిక లేదంటే అతిశయోక్తి కాదు. వరలక్ష్మమ్మ బాల్యంలో వారింటి ప్రక్క ఇంట్లో ఆరుగురు ముసలమ్మ లుండేవారు. బడికి వెళ్తూ వెళ్తూ వరలక్ష్మమ్మ ఆ అవ్వల దగ్గర కొంతకాలం గడిపేది, ఏదో ప్రసాదం పెట్టేవారు. ఆమెను ఆప్యాయంగా చూసేవాళ్ళు. వాళ్ళకి చదువురాదు. వాళ్ళ బంధువుల దగ్గర నుంచి వచ్చే ఉత్తరాలన్నీ మూడవ తరగతి చదువుతున్న వరలక్ష్మమ్మతో చదివించుకొనేవారు. అలాగే ఆమెతో జవాబులు రాయించుకొనే వారు ఇలా వారి స్నేహంతో చిన్ననాడే వరలక్ష్మమ్మకు జాబులు రాయడం అభ్యాసమైంది. తరువాత ఆ ప్రేరణతోనే "శారద లేఖలు" ఆమెరాసి మిక్కిలి ప్రసిద్ధి చెందింది.

ఆంధ్ర పత్రికలో వారం వారం ప్రచురింపబడ్డ "వసంత" లేఖలు. మొట్టమొదటిసారిగా లేఖలు రాయాలన్న కుతూహలం రేకెత్తించింది. స్త్రీలకు సంబంధించిన వివిధ విషయాలు తీసుకుని "కల్పలత" అనే స్నేహితురాలికి "శారద" రాసినట్టుగా రాయడం మొదలు పెట్టింది. 1928 లో 'గృహలక్ష్మి' ప్రథమ సంచికలోనే మొదటి శారదలేఖ ప్రచురింపబడింది. నాటినుంచి 1934 వరకు ధారావాహికంగా ప్రచురించ బడ్డాయి. ఆమె రాసిన ఒక్కొక్క లేఖ ఒక మణిపూస. ఒక లేఖలో మూఢవిశ్వాసాలు ఖండించేది. ఒక లేఖలో హృదయ విదారకమైన బాలవితంతువుల బాధల వివరణలు, వర్ణనలు వుండేవి. వరకట్నాలను నిషేధించాలని ఎలుగెత్తి చాటే లేఖలు వుండేవి. పురుషాధిక్యతను తెగనాడి విశృంఖలత్వాన్ని ద్వేషించే భావాలు కూడా లేఖలలో వుండేవి. నాటి జాతీయోద్యమానికి సంబంధించిన విషయాలపై కూడ ఆమె లేఖలు రాసింది. దాదాపు 1950 వరకు కూడా శారద లేఖలు 'గృహలక్ష్మి'లో

ప్రచురింపబడుతూ వచ్చాయి. 1930లో 'గృహలక్ష్మి'లో "స్త్రీ అబల కాదు" అనే విషయంపై వ్యాసరచన పోటీని పెట్టారు. ఆ పోటీలో పన్నెండు మంది మహిళలు పాల్గొన్నారు. వారిలో వరలక్ష్మమ్మ ప్రథమురాలిగా నెగ్గి స్వర్ణపతకం గెలుచుకుంది. బొంబాయి కళ్యాణసంఘం వారు 'మహాత్ముని ఉపవాసఫలితం' అనే విషయంపై ఏర్పాటు చేసిన పోటీలో పాల్గొని మహాత్ముని చిత్రం గల రజతపతకం గెలుచుకుంది. వరలక్ష్మమ్మ పధ్నాలుగు సంవత్సరాలప్పుడు ఒక మహిళ ఆమె తల్లి వద్దకు వచ్చి కన్నీళ్లతో తనకష్టగాథను చెప్పింది. ఈ గాథను మనసులో వుంచుకొన్న వరలక్ష్మమ్మ 'వసుమతి' అనే సాంఘిక నవలను రాసింది. ఇది ఆమె మొదటి నవల. ఈ నవలను మద్రాసు టెక్స్ట్ బుక్ కమిటీవారు ఉన్నత పాఠశాలల్లో పఠనీయ గ్రంథంగా ఆమోదించారు. తరువాత 'బాలనీతికథావళి' అనే పుస్తకం రాసింది. విశ్వామిత్ర మహర్షి అనే పుస్తకం ప్రౌఢకావ్య శైలిలో రాసింది. 'జ్యోతి' అనే ఆరోగ్య నాటకం, ఆరోగ్యశాఖవారి ఆమోదం పొందింది.

ద్రౌపదీ వస్త్ర సంరక్షణ సత్యాద్రౌపదీ సంవాదం అనేవి ద్విపదలు, పెన్షను పుచ్చుకున్న నాటి రాత్రి, నవభారతేతిహాసము, మొదలైనవి, ఆమె అచ్చైన పుస్తకాలు. పద్మ, పునఃప్రతిష్ట, జీవనరాం, రాధపెళ్ళి, అనే నాటికలను కూడా ఆమె రాసింది, 1922 లో వరలక్ష్మమ్మ మా చెట్టునీడ ముచ్చటలు అనే శీర్షికతో కొన్ని వ్యాసాలు, 'లీలావతి' అనే కలంపేరుతో ఆంధ్రపత్రికకు రాసింది. మంగళాంబ, కనకమ్మ, కళ్యాణి, సూరమ్మ వరలక్ష్మమ్మలవే యీ ముచ్చటలు. మంగళాంబది మద్రాసు, కనకమ్మది నెల్లూరు, సూరమ్మది విశాఖపట్నం, కళ్యాణిది కర్నూలు వరలక్ష్మమ్మది గుంటూరు. ఈ అయిదుగురు కృష్ణాజిల్లా బెజవాడలో ఒక ఇంట్లో కాపురం వుంటూ ఆయింటి ముంగిటవున్న నారింజ చెట్టుక్రింద కూర్చొని తమతమ ప్రాంతాల యాసలతో వివిధవిషయాలపై చర్చించిన అనేక అంశాలే ఈ ముచ్చట్లు. ఇవి పాఠకులను విశేషంగా ఆకర్షించాయి. ఇవి ఉబుసుపోక కబుర్లుకావు. అవి విజ్ఞానంతో పాటు, కొంతహాస్యాన్ని మిళితం చేసుకొని ఆసక్తికరంగా వుండేవి. బెజవాడలో 1929లో జరిగిన మహిళా సభల్లో మొట్టమొదటిసారి వరలక్ష్మమ్మ స్పష్టంగా, నిర్దుష్టంగా మాట్లాడి అందరి మన్ననలు పొందింది. ఆ మరునాడు రామమోహన్ గ్రంథాలయంలో స్త్రీల సభకి ఉన్నవ లక్ష్మీబాయమ్మ వచ్చారు. ఆ సభకు వరలక్ష్మమ్మ అధ్యక్షురాలైంది. క్రమంగా గ్రామసభల్లో పాల్గొనడం, అధ్యక్షత వహించడం అలవాటయిపోయింది. బందరులో మూడవ ఆంధ్రమహిళా సభలో వరలక్ష్మమ్మ విడాకుల చట్టంపై ప్రసంగించి పలువురి ప్రసంశలందు కున్నది.

కనపర్తి వరలక్ష్మమ్మ లేఖా రచనకు పూనుకోవడానికి ప్రేరణ ఏమిటి ?

(1) వసంత

(2) వసుమతి

(3) జ్యోతి

(4) జీవనరాగం

[Question ID = 186][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q96]

1. 1 [Option ID = 741]

2. 2 [Option ID = 742]
3. 3 [Option ID = 743]
4. 4 [Option ID = 744]

7) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

బాపట్లలో 1896 అక్టోబర్ 6వ తేదీన పాలపర్తి హనుమాయమ్మ, శేషయ్యలకు జన్మించింది వరలక్ష్మమ్మ. అన్నల సహాయంతో నాలుగో తరగతి పూర్తి చేసింది. అమె బాల్యం నుంచే కనపడ్డ కాగితమెల్లా చదివేది. ఇంటికి వచ్చిన పుస్తకాలు, పత్రికలు ఏవీ వదిలేది కాదు. వీరేశలింగంగారి గ్రంథాలు, చిలకమర్తి వారి నవలలు, విజ్ఞాన చంద్రికాగ్రంథ మండలి వారి పుస్తకాలు "సావిత్రి" అనే మాస పత్రికను సోదరులుతేగా వాటిని చదివేది, రోజుకో వ్యాసం చదివి దాన్ని తిరిగి సొంతంగా రాసేది. ఇలా వాటిని చదివి అన్న నరసింహం సాయంతో చదవడం, రాయడం వరలక్ష్మమ్మ నేర్చుకుంది. ఆరోజుల్లో రాజమండ్రి గౌతమీ పుస్తక భాండాగారంనించి అన్న నరసింహం పుస్తకాలు తెచ్చియిచ్చేవాడు. భారతం చదివి చెప్పేవాడు. నరసాపురంలో స్త్రీలకోసం బహుమతి పరీక్షలు పెట్టేవారు. వరలక్ష్మమ్మ అన్న ప్రోత్సాహంతో ఆ పరీక్షల్లో స్వర్ణపతకం గెలుచుకొంది. మచిలీపట్నం వారి భక్తి సంబంధమైన పరీక్షలలో కూడా ఉత్తమ శ్రేణిలో ఉత్తీర్ణురాలయ్యింది.

అమె పెద్దన్న రామమూర్తి గుంటూరులో వనితా గ్రంథమండలి స్థాపించగా అందులో అమె గ్రంథాలయంలో పుస్తకాల లెక్కలు రాస్తుండేది. అప్పుడే వచ్చిన కొత్తపుస్తకాలన్నీ చదువుతూ ఉండేది. ఆమె అత్తవారింటికి వెళ్ళేటప్పుడు అన్నగారు "శబ్దార్థ చంద్రిక" అనే తెలుగు నిఘంటువును బహూకరించాడు. ఆ అమూల్యమైన కానుక సాయంతో ఆమె ఎన్నో గొప్ప గ్రంథాలు స్వయంగా చదువ గలిగింది. కృష్ణాపత్రికను చదివేది. చోరగుడి సీతమ్మ సాయంతో వరలక్ష్మమ్మ యువతీ విద్యాలయానికి వెళ్ళి తెలుగు, సంస్కృతం నేర్చుకునేది. ఆపాఠశాలకు ప్రధానోపాధ్యాయినిగా ఉన్న లక్ష్మీ నరసమ్మ వరలక్ష్మమ్మకు మనుచరిత్ర, శబ్దమంజరి, రఘువంశం చెప్పింది. ఈ విధంగా బాల్యకౌమారదశల్లో వరలక్ష్మమ్మ "డిగ్రీలు" లేని పాండిత్యాన్ని సంపాదించింది. సమాజం పట్ల, సాహిత్యం పట్ల చక్కని అవగాహన పెంచుకున్నది. వరలక్ష్మమ్మ భర్త హనుమంతరావు కూడా సంస్కార హృదయుడు. అయన రాజమండ్రిలో చదువుకునేటప్పుడు కందుకూరి సంస్కరణోద్యమంతో ప్రభావితుడయ్యాడు. స్త్రీ విద్యపట్ల గాఢమైన అభిమానాన్ని ఏర్పరచుకున్నాడు. అయన రాజమండ్రి నుంచి వస్తూ ఎన్నో విలువైన పుస్తకాలను వరలక్ష్మమ్మకు బహూకరించాడు. ఆమెకు గల సాహిత్యాభిలాషకు ప్రోత్సాహమందించాడు. అమె రాసిన కథలను, వ్యాసాలను అయనే స్వయంగా పోస్టు చేసేవాడు. రచనావిషయంలోనే కాక, ఉపన్యాసాలిచ్చే విషయంలోకూడా వరలక్ష్మమ్మకు భర్త ప్రోత్సాహం లభించింది. మదనపల్లెలో వుండగా అక్కడి మహిళా సమాజంలో వారం, వారం, ఏదో ఒక విషయంమీద వరలక్ష్మమ్మ ఉపన్యసించి అక్కడి వారి మన్ననలు పొందింది. మదనపల్లె మహిళా సమాజంలో శ్రీమతి సరోజినీనాయుడుతో పరిచయమయింది. గుంటూరు జిల్లాబోర్డు సభ్యురాలిగా ఆమె ఎన్నికయింది. జిల్లా మొత్తం 52 మంది సభ్యులలోను ఆమె ఒకతే మహిళ మూడున్నర సంవత్సరాలపాటు యథాశక్తి సేవచేసింది. ఒకసారి అమె అన్న అంజనేయులు ఆంగ్లంలో ప్రచురింపబడ్డ ఒక కథను

తెలుగులో చెప్పి సొంతంగా ఆ కథని రాయమని చెప్పాడు. ఆమె కథను రాసి ఇచ్చింది. "సౌదామిని" అనే కలం పేరుతో అనసూయ అనే పత్రికకు ఆయన పంపారు. వారు దాన్ని ప్రచురించారు. అదే ఆమె రాసిన మొదటి కథ. తర్వాత ఆమె సొంతంగా "లక్కబరిణి, ప్రేమలత, స్వీయచరిత్ర, కనకవల్లి, మృత జీవులతో సంభాషణ మొదలైన కథలు రాసి 'అనసూయ' పత్రికకు పంపింది. ఆమె భారతికి రాసిన మొదటికథ 'సుధ', దీర్ఘసుంమగళీభవ, రెండుకోర్కెలు, దరిద్రనారాయణుడని ఆ జగద్రక్షకుడికి బిరుదైతే, నేనే అపరాధిని, ఒట్టు, మూడు తీర్మానాలు, తోటమాలి గురవడు, పెంచిన ప్రేమ, మొదలైనవి ఆమెరాసిన కథలెన్నో భారతిలో ప్రచురిత మయ్యాయి. భారతిలోనే కాకుండా, తెలుగుదేశంలోని మాసపత్రికలు, శారద, ఆంధ్రభూమి, ఆంధ్రజ్యోతి, వినోదిని, ఆంధ్రవాణి, ఆంధ్రమహిళ, ఆంధ్రపత్రిక, సంవత్సరాది సంచికలలో కూడా ఆమె కథలు వచ్చాయి. వినోదినిలో ఆమె రాసిన కథలన్నీ హాస్యస్పోరకమై ప్రత్యేకత సంతరించుకున్నాయి. భారతి తర్వాత ఆమె రచనలను, కథలను విరివిగా ప్రకటించిన పత్రిక గృహలక్ష్మి దాదాపు కొన్ని సంవత్సరాలు ఆమె రచనలేని గృహలక్ష్మి పత్రిక లేదంటే అతిశయోక్తి కాదు. వరలక్ష్మమ్మ బాల్యంలో వారింటి ప్రక్క ఇంట్లో ఆరుగురు ముసలమ్మ లుండేవారు. బడికి వెళ్తూ వెళ్తూ వరలక్ష్మమ్మ ఆ అవ్వల దగ్గర కొంతకాలం గడిపేది, ఏదో ప్రసాదం పెట్టేవారు. ఆమెను ఆప్యాయంగా చూసేవాళ్ళు. వాళ్ళకి చదువురాదు. వాళ్ళ బంధువుల దగ్గర నుంచి వచ్చే ఉత్తరాలన్నీ మూడవ తరగతి చదువుతున్న వరలక్ష్మమ్మతో చదివించుకొనేవారు. అలాగే ఆమెతో జవాబులు రాయించుకొనే వారు ఇలా వారి స్నేహంతో చిన్ననాడే వరలక్ష్మమ్మకు జాబులు రాయడం అభ్యాసమైంది. తరువాత ఆ ప్రేరణతోనే "శారద లేఖలు" ఆమెరాసి మిక్కిలి ప్రసిద్ధి చెందింది.

ఆంధ్ర పత్రికలో వారం వారం ప్రచురింపబడ్డ "వసంత" లేఖలు. మొట్టమొదటిసారిగా లేఖలు రాయాలన్న కుతూహలం రేకెత్తించింది. స్త్రీలకు సంబంధించిన వివిధ విషయాలు తీసుకుని "కల్పలత" అనే స్నేహితురాలికి "శారద" రాసినట్టుగా రాయడం మొదలు పెట్టింది. 1928 లో 'గృహలక్ష్మి' ప్రథమ సంచికలోనే మొదటి శారదలేఖ ప్రచురింపబడింది. నాటినుంచి 1934 వరకు ధారావాహికంగా ప్రచురించ బడ్డాయి. ఆమె రాసిన ఒక్కొక్క లేఖ ఒక మణిపూస. ఒక లేఖలో మూఢవిశ్వాసాలు ఖండించేది. ఒక లేఖలో హృదయ విదారకమైన బాలవితంతువుల బాధల వివరణలు, వర్ణనలు వుండేవి. వరకట్నాలను నిషేధించాలని ఎలుగెత్తి చాటే లేఖలు వుండేవి. పురుషాధిక్యతను తెగనాడి విశృంఖలత్వాన్ని ద్వేషించే భావాలు కూడా లేఖలలో వుండేవి. నాటి జాతీయోద్యమానికి సంబంధించిన విషయాలపై కూడ ఆమె లేఖలు రాసింది. దాదాపు 1950 వరకు కూడా శారద లేఖలు 'గృహలక్ష్మి'లో ప్రచురింపబడుతూ వచ్చాయి. 1930లో 'గృహలక్ష్మి'లో "స్త్రీ అబల కాదు" అనే విషయంపై వ్యాసరచన పోటీని పెట్టారు. ఆ పోటీలో పన్నెండు మంది మహిళలు పాల్గొన్నారు. వారిలో వరలక్ష్మమ్మ ప్రథమురాలిగా నెగ్గి స్వర్ణపతకం గెలుచుకుంది. బొంబాయి కళ్యాణసంఘం వారు 'మహాత్ముని ఉపవాసఫలితం' అనే విషయంపై ఏర్పాటు చేసిన పోటీలో పాల్గొని మహాత్ముని చిత్రం గల రజతపతకం గెలుచుకుంది. వరలక్ష్మమ్మ పద్నాలుగు సంవత్సరాలప్పుడు ఒక మహిళ ఆమె తల్లి వద్దకు వచ్చి కన్నీళ్ళతో తనకష్టగాథను

చెప్పింది. ఈ గాథను మననులో వుంచుకొన్న వరలక్ష్మమ్మ 'వసుమతి' అనే సాంఘిక నవలను రాసింది. ఇది ఆమె మొదటి నవల. ఈ నవలను మద్రాసు టెక్స్ట్ బుక్ కమిటీవారు ఉన్నత పాఠశాలల్లో పఠనీయ గ్రంథంగా ఆమోదించారు. తరువాత 'బాలనీతికథావళి' అనే పుస్తకం రాసింది. విశ్వామిత్ర మహర్షి అనే పుస్తకం ప్రౌఢకావ్య శైలిలో రాసింది. 'జ్యోతి' అనే ఆరోగ్య నాటకం, ఆరోగ్యశాఖవారి ఆమోదం పొందింది.

ద్రౌపదీ వస్త్ర సంరక్షణ సత్యాద్రౌపదీ సంవాదం అనేవి ద్విపదలు, పెన్షను పుచ్చుకున్న నాటి రాత్రి, నవభారతేతిహాసము, మొదలైనవి, ఆమె అచ్చైన పుస్తకాలు. పద్మ, పునఃప్రతిష్ట, జీవనరాం, రాధపెళ్ళి, అనే నాటికలను కూడా ఆమె రాసింది, 1922 లో వరలక్ష్మమ్మ మా చెట్టునీడ ముచ్చటలు అనే శీర్షికతో కొన్ని వ్యాసాలు, 'లీలావతి' అనే కలంపేరుతో ఆంధ్రపత్రికకు రాసింది. మంగళాంబ, కనకమ్మ, కళ్యాణి, సూరమ్మ వరలక్ష్మమ్మలవే యీ ముచ్చటలు. మంగళాంబది మద్రాసు, కనకమ్మది నెల్లూరు, సూరమ్మది విశాఖపట్నం, కళ్యాణిది కర్నూలు వరలక్ష్మమ్మది గుంటూరు. ఈ అయిదుగురు కృష్ణాజిల్లా బెజవాడలో ఒక ఇంట్లో కాపురం వుంటూ ఆయింటి ముంగిటవున్న నారింజ చెట్టుక్రింద కూర్చొని తమతమ ప్రాంతాల యాసలతో వివిధవిషయాలపై చర్చించిన అనేక అంశాలే ఈ ముచ్చట్లు. ఇవి పాఠకులను విశేషంగా ఆకర్షించాయి. ఇవి ఉబుసుపోక కబుర్లుకావు. అవి విజ్ఞానంతో పాటు, కొంతహాస్యాన్ని మిళితం చేసుకొని ఆసక్తికరంగా వుండేవి. బెజవాడలో 1929లో జరిగిన మహిళా సభల్లో మొట్టమొదటిసారి వరలక్ష్మమ్మ స్పష్టంగా, నిర్దుష్టంగా మాట్లాడి అందరి మన్ననలు పొందింది. ఆ మరునాడు రామమోహన్ గ్రంథాలయంలో స్త్రీల సభకి ఉన్నవ లక్ష్మీబాయమ్మ వచ్చారు. ఆ సభకు వరలక్ష్మమ్మ అధ్యక్షురాలైంది. క్రమంగా గ్రామసభల్లో పాల్గొనడం, అధ్యక్షత వహించడం అలవాటయిపోయింది. బందరులో మూడవ ఆంధ్రమహిళా సభలో వరలక్ష్మమ్మ విడాకుల చట్టంపై ప్రసంగించి పలుపురి ప్రసంశలందు కున్నది.

లీలావతి పేరుతో వరలక్ష్మమ్మ ఏ పత్రికకు లేఖలు రాశారు

(1) ఆంధ్ర భూమి

(2) శారద

(3) ఆంధ్ర పత్రిక

(4) ఆంధ్ర వాణి

[Question ID = 187][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q97]

1. 1 [Option ID = 745]
2. 2 [Option ID = 746]
3. 3 [Option ID = 747]
4. 4 [Option ID = 748]

8) **సూచన** *: ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

బాపట్లలో 1896 అక్టోబర్ 6వ తేదీన పాలపర్తి హనుమాయమ్మ శేషయ్యలకు జన్మించింది వరలక్ష్మమ్మ. అన్నల సహాయంతో నాలుగో తరగతి పూర్తి చేసింది. అమె బాల్యం నుంచే

కనపడ్డ కాగితమెల్లా చదివేది. ఇంటికి వచ్చిన పుస్తకాలు, పత్రికలు ఏవీ వదిలేది కాదు. వీరేశలింగంగారి గ్రంథాలు, చిలకమర్తి వారి నవలలు, విజ్ఞాన చంద్రికాగ్రంథ మండలి వారి పుస్తకాలు "సావిత్రి" అనే మాస పత్రికను సోదరులుతేగా వాటిని చదివేది, రోజుకో వ్యాసం చదివి దాన్ని తిరిగి సొంతంగా రాసేది. ఇలా వాటిని చదివి అన్న నరసింహం సాయంతో చదవడం, రాయడం వరలక్ష్మమ్మ నేర్చుకుంది. ఆరోజుల్లో రాజమండ్రి గౌతమీ పుస్తక భాండాగారంనించి అన్న నరసింహం పుస్తకాలు తెచ్చియిచ్చేవాడు. భారతం చదివి చెప్పేవాడు. నరసాపురంలో స్త్రీలకోసం బహుమతి పరీక్షలు పెట్టేవారు. వరలక్ష్మమ్మ అన్న ప్రోత్సాహంతో ఆ పరీక్షల్లో స్వర్ణపతకం గెలుచుకొంది. మచిలీపట్నం వారి భక్తి సంబంధమైన పరీక్షలలో కూడా ఉత్తమ శ్రేణిలో ఉత్తీర్ణురాలయ్యింది.

అమె పెద్దన్న రామమూర్తి గుంటూరులో వనితా గ్రంథమండలి స్థాపించగా అందులో అమె గ్రంథాలయంలో పుస్తకాల లెక్కలు రాస్తుండేది. అప్పుడే వచ్చిన కొత్తపుస్తకాలన్నీ చదువుతూ ఉండేది. ఆమె అత్తవారింటికి వెళ్ళేటప్పుడు అన్నగారు "శబ్దార్థ చంద్రిక" అనే తెలుగు నిఘంటువును బహూకరించాడు. ఆ అమూల్యమైన కానుక సాయంతో ఆమె ఎన్నో గొప్ప గ్రంథాలు స్వయంగా చదువ గలిగింది. కృష్ణాపత్రికను చదివేది. చోరగుడి సీతమ్మ సాయంతో వరలక్ష్మమ్మ యువతీ విద్యాలయానికి వెళ్ళి తెలుగు, సంస్కృతం నేర్చుకునేది. ఆపాఠశాలకు ప్రధానోపాధ్యాయినిగా ఉన్న లక్ష్మీ నరసమ్మ వరలక్ష్మమ్మకు మనుచరిత్ర, శబ్దమంజరి, రఘువంశం చెప్పింది. ఈ విధంగా బాల్యకౌమారదశల్లో వరలక్ష్మమ్మ "డిగ్రీలు" లేని పాండిత్యాన్ని సంపాదించింది. సమాజం పట్ల, సాహిత్యం పట్ల చక్కని అవగాహన పెంచుకున్నది. వరలక్ష్మమ్మ భర్త హనుమంతరావు కూడా సంస్కార హృదయుడు. అయన రాజమండ్రిలో చదువుకునేటప్పుడు కందుకూరి సంస్కరణోద్యమంతో ప్రభావితుడయ్యాడు. స్త్రీ విద్యపట్ల గాఢమైన అభిమానాన్ని ఏర్పరచుకున్నాడు. అయన రాజమండ్రి నుంచి వస్తూ ఎన్నో విలుమైన పుస్తకాలను వరలక్ష్మమ్మకు బహూకరించాడు. ఆమెకు గల సాహిత్యాభిలాషకు ప్రోత్సాహమందించాడు. ఆమె రాసిన కథలను, వ్యాసాలను ఆయనే స్వయంగా పోస్టు చేసేవాడు. రచనావిషయంలోనే కాక, ఉపన్యాసాలిచ్చే విషయంలోకూడా వరలక్ష్మమ్మకు భర్త ప్రోత్సాహం లభించింది. మదనపల్లెలో వుండగా అక్కడి మహిళా సమాజంలో వారం, వారం, ఏదో ఒక విషయంమీద వరలక్ష్మమ్మ ఉపన్యసించి అక్కడి వారి మన్ననలు పొందింది. మదనపల్లె మహిళా సమాజంలో శ్రీమతి సరోజినీనాయుడుతో పరిచయమయింది. గుంటూరు జిల్లాబోర్డు సభ్యురాలిగా ఆమె ఎన్నికయింది. జిల్లా మొత్తం 52 మంది సభ్యులలోను ఆమె ఒకతే మహిళ మూడున్నర సంవత్సరాలపాటు యథాశక్తి సేవచేసింది. ఒకసారి ఆమె అన్న అంజనేయులు ఆంగ్లంలో ప్రచురింపబడ్డ ఒక కథను తెలుగులో చెప్పి సొంతంగా ఆ కథని రాయమని చెప్పాడు. ఆమె కథను రాసి ఇచ్చింది. "సౌదామిని" అనే కలం పేరుతో అనసూయ అనే పత్రికకు ఆయన పంపారు. వారు దాన్ని ప్రచురించారు. అదే ఆమె రాసిన మొదటి కథ. తర్వాత ఆమె సొంతంగా "లక్కబరిణె, ప్రేమలత, స్వీయచరిత్ర, కనకవల్లి, మృత జీవులతో సంభాషణ మొదలైన కథలు రాసి 'అనసూయ' పత్రికకు పంపింది. ఆమె భారతికి రాసిన మొదటికథ 'సుధ', దీర్ఘసుమంగళీభవ, రెండుకోర్కెలు, దరిద్రనారాయణుడని ఆ జగద్రక్షకుడికి బిరుదైతే, నేనే

అపరాధిని, ఒట్టు, మూడు తీర్మానాలు, తోటమాలి గురవడు, పెంచిన ప్రేమ, మొదలైనవి అమెరాసిన కథలెన్నో భారతిలో ప్రచురిత మయ్యాయి. భారతిలోనే కాకుండా, తెలుగుదేశంలోని మాసపత్రికలు, శారద, ఆంధ్రభూమి, ఆంధ్రజ్యోతి, వినోదిని, ఆంధ్రవాణి, ఆంధ్రమహిళ, ఆంధ్రపత్రిక, సంవత్సరాది సంచికలలో కూడా ఆమె కథలు వచ్చాయి. వినోదినిలో ఆమె రాసిన కథలన్నీ హాస్యస్ఫోరకమై ప్రత్యేకత సంతరించుకున్నాయి. భారతి తర్వాత ఆమె రచనలను, కథలను విరివిగా ప్రకటించిన పత్రిక గృహలక్ష్మి దాదాపు కొన్ని సంవత్సరాలు ఆమె రచనలేని గృహలక్ష్మి పత్రిక లేదంటే అతిశయోక్తి కాదు. వరలక్ష్మమ్మ బాల్యంలో వారింటి ప్రక్క ఇంట్లో ఆరుగురు ముసలమ్మ లుండేవారు. బడికి వెళ్తూ వెళ్తూ వరలక్ష్మమ్మ ఆ అవ్వల దగ్గర కొంతకాలం గడిపేది, ఏదో ప్రసాదం పెట్టేవారు. ఆమెను ఆప్యాయంగా చూసేవాళ్ళు. వాళ్ళకి చదువురాదు. వాళ్ళ బంధువుల దగ్గర నుంచి వచ్చే ఉత్తరాలన్నీ మూడవ తరగతి చదువుతున్న వరలక్ష్మమ్మతో చదివించుకొనేవారు. అలాగే ఆమెతో జవాబులు రాయించుకొనే వారు ఇలా వారి స్నేహంతో చిన్ననాడే వరలక్ష్మమ్మకు జాబులు రాయడం అభ్యాసమైంది. తరువాత ఆ ప్రేరణతోనే "శారద లేఖలు" ఆమెరాసి మిక్కిలి ప్రసిద్ధి చెందింది.

ఆంధ్ర పత్రికలో వారం వారం ప్రచురింపబడ్డ "వసంత" లేఖలు. మొట్టమొదటిసారిగా లేఖలు రాయాలన్న కుతూహలం రేకెత్తించింది. స్త్రీలకు సంబంధించిన వివిధ విషయాలు తీసుకుని "కల్పలత" అనే స్నేహితురాలికి "శారద" రాసినట్టుగా రాయడం మొదలు పెట్టింది. 1928 లో 'గృహలక్ష్మి' ప్రథమ సంచికలోనే మొదటి శారదలేఖ ప్రచురింపబడింది. నాటినుంచి 1934 వరకు ధారావాహికంగా ప్రచురించ బడ్డాయి. ఆమె రాసిన ఒక్కొక్క లేఖ ఒక మణిపూస. ఒక లేఖలో మూఢవిశ్వాసాలు ఖండించేది. ఒక లేఖలో హృదయ విదారకమైన బాలవితంతువుల బాధల వివరణలు, వర్ణనలు వుండేవి. వరకట్నాలను నిషేధించాలని ఎలుగెత్తి చాటే లేఖలు వుండేవి. పురుషాధిక్యతను తెగనాడి విశృంఖలత్వాన్ని ద్వేషించే భావాలు కూడా లేఖలలో వుండేవి. నాటి జాతీయోద్యమానికి సంబంధించిన విషయాలపై కూడ ఆమె లేఖలు రాసింది. దాదాపు 1950 వరకు కూడా శారద లేఖలు 'గృహలక్ష్మి'లో ప్రచురింపబడుతూ వచ్చాయి. 1930లో 'గృహలక్ష్మి'లో "స్త్రీ అబల కాదు" అనే విషయంపై వ్యాసరచన పోటీని పెట్టారు. ఆ పోటీలో పన్నెండు మంది మహిళలు పాల్గొన్నారు. వారిలో వరలక్ష్మమ్మ ప్రథమురాలిగా నెగ్గి స్వర్ణపతకం గెలుచుకుంది. బొంబాయి కళ్యాణసంఘం వారు 'మహాత్ముని ఉపవాసఫలితం' అనే విషయంపై ఏర్పాటు చేసిన పోటీలో పాల్గొని మహాత్ముని చిత్రం గల రజతపతకం గెలుచుకుంది. వరలక్ష్మమ్మ పద్నాలుగు సంవత్సరాలప్పుడు ఒక మహిళ ఆమె తల్లి వద్దకు వచ్చి కన్నీళ్లతో తనకష్టగాథను చెప్పింది. ఈ గాథను మననులో వుంచుకొన్న వరలక్ష్మమ్మ 'వసుమతి' అనే సాంఘిక నవలను రాసింది. ఇది ఆమె మొదటి నవల. ఈ నవలను మద్రాసు టెక్స్ట్ బుక్ కమిటీవారు ఉన్నత పాఠశాలల్లో పఠనీయ గ్రంథంగా ఆమోదించారు. తరువాత 'బాలనీతికథావళి' అనే పుస్తకం రాసింది. విశ్వామిత్ర మహర్షి అనే పుస్తకం ప్రౌఢకావ్య శైలిలో రాసింది. 'జ్యోతి' అనే ఆరోగ్య నాటకం, ఆరోగ్యశాఖవారి ఆమోదం పొందింది.

ద్రౌపదీ వస్త్ర సంరక్షణ సత్యాద్రౌపదీ సంవాదం అనేవి ద్విపదలు, పెన్నను పుచ్చుకున్న నాటి

రాత్రి, నవభారతేతిహాసము, మొదలైనవి, ఆమె అచ్చైన పుస్తకాలు. పద్మ, పునఃప్రతిష్ఠ, జీవనరాం, రాధపెళ్ళి, అనే నాటికలను కూడా ఆమె రాసింది, 1922 లో వరలక్ష్మమ్మ మా చెట్టునీడ ముచ్చటలు అనే శీర్షికతో కొన్ని వ్యాసాలు, 'లీలావతి' అనే కలంపేరుతో ఆంధ్రపత్రికకు రాసింది. మంగళాంబ, కనకమ్మ, కళ్యాణి, సూరమ్మ వరలక్ష్మమ్మలవే యీ ముచ్చటలు. మంగళాంబది మద్రాసు, కనకమ్మది నెల్లూరు, సూరమ్మది విశాఖపట్నం, కళ్యాణిది కర్నూలు వరలక్ష్మమ్మది గుంటూరు. ఈ అయిదుగురు కృష్ణాజిల్లా బెజవాడలో ఒక ఇంట్లో కాపురం వుంటూ ఆయింటి ముంగిటవున్న నారింజ చెట్టుక్రింద కూర్చొని తమతమ ప్రాంతాల యాసలతో వివిధవిషయాలపై చర్చించిన అనేక అంశాలే ఈ ముచ్చట్లు. ఇవి పాఠకులను విశేషంగా ఆకర్షించాయి. ఇవి ఉబుసుపోక కబుర్లుకావు. అవి విజ్ఞానంతో పాటు, కొంతహాస్యాన్ని మిళితం చేసుకొని ఆసక్తికరంగా వుండేవి. బెజవాడలో 1929లో జరిగిన మహిళా సభల్లో మొట్టమొదటిసారి వరలక్ష్మమ్మ స్పష్టంగా, నిర్దుష్టంగా మాట్లాడి అందరి మన్ననలు పొందింది. ఆ మరునాడు రామమోహన్ గ్రంథాలయంలో స్త్రీల సభకి ఉన్నవ లక్ష్మీబాయమ్మ వచ్చారు. ఆ సభకు వరలక్ష్మమ్మ అధ్యక్షురాలైంది. క్రమంగా గ్రామసభల్లో పాల్గొనడం, అధ్యక్షత వహించడం అలవాటయిపోయింది. బందరులో మూడవ ఆంధ్రమహిళా సభలో వరలక్ష్మమ్మ విడాకుల చట్టంపై ప్రసంగించి పలుపురి ప్రసంశలందు కున్నది.

మూడవ ఆంధ్ర మహిళా సభలో వరలక్ష్మమ్మ ఏవిషయంపై ప్రసంగించారు ?

(1) విడాకుల చట్టం

(2) సత్యాద్రౌపదీ సంవాదం

(3) బాల వితంతువుల బాధలు

(4) వివిధ ప్రాంతాల భాషలు, యాసలు

[Question ID = 188][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q98]

1. 1 [Option ID = 749]
2. 2 [Option ID = 750]
3. 3 [Option ID = 751]
4. 4 [Option ID = 752]

9) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

బాపట్లలో 1896 అక్టోబర్ 6వ తేదీన పాలపర్తి హనుమాయమ్మ శేషయ్యలకు జన్మించింది వరలక్ష్మమ్మ. అన్నల సహాయంతో నాలుగో తరగతి పూర్తి చేసింది. అమె బాల్యం నుంచే కనపడ్డ కాగితమెల్లా చదివేది. ఇంటికి వచ్చిన పుస్తకాలు, పత్రికలు ఏవీ వదిలేది కాదు. వీరేశలింగంగారి గ్రంథాలు, చిలకమర్తి వారి నవలలు, విజ్ఞాన చంద్రికాగ్రంథ మండలి వారి పుస్తకాలు "సావిత్రి" అనే మాస పత్రికను సోదరులుతేగా వాటిని చదివేది, రోజుకో వ్యాసం చదివి దాన్ని తిరిగి సొంతంగా రాసేది. ఇలా వాటిని చదివి అన్న నరసింహం సాయంతో చదవడం, రాయడం వరలక్ష్మమ్మ నేర్చుకుంది. ఆరోజుల్లో రాజమండ్రి గౌతమీ పుస్తక భాండాగారంనించి అన్న నరసింహం పుస్తకాలు తెచ్చియిచ్చేవాడు. భారతం చదివి

చెప్పేవాడు. నరసాపురంలో స్త్రీలకోసం బహుమతి పరీక్షలు పెట్టేవారు. వరలక్ష్మమ్మ అన్న ప్రోత్సాహంతో ఆ పరీక్షల్లో స్వర్ణపతకం గెలుచుకొంది. మచిలీపట్నం వారి భక్తి సంబంధమైన పరీక్షలలో కూడా ఉత్తమ శ్రేణిలో ఉత్తీర్ణురాలయ్యింది.

అమె పెద్దన్న రామమూర్తి గుంటూరులో వనితా గ్రంథమండలి స్థాపించగా అందులో అమె గ్రంథాలయంలో పుస్తకాల లెక్కలు రాస్తుండేది. అప్పుడే వచ్చిన కొత్తపుస్తకాలన్నీ చదువుతూ ఉండేది. ఆమె అత్తవారింటికి వెళ్ళేటప్పుడు అన్నగారు "శబ్దార్ధ చంద్రిక" అనే తెలుగు నిఘంటువును బహూకరించాడు. ఆ అమూల్యమైన కానుక సాయంతో ఆమె ఎన్నో గొప్ప గ్రంథాలు స్వయంగా చదువ గలిగింది. కృష్ణాపత్రికను చదివేది. చోరగుడి సీతమ్మ సాయంతో వరలక్ష్మమ్మ యువతీ విద్యాలయానికి వెళ్ళి తెలుగు, సంస్కృతం నేర్చుకునేది. అపాఠశాలకు ప్రధానోపాధ్యాయినిగా ఉన్న లక్ష్మీ నరసమ్మ వరలక్ష్మమ్మకు మనుచరిత్ర, శబ్దమంజరి, రఘువంశం చెప్పింది. ఈ విధంగా బాల్యకౌమారదశల్లో వరలక్ష్మమ్మ "డిగ్రీలు" లేని పాండిత్యాన్ని సంపాదించింది. సమాజం పట్ల, సాహిత్యం పట్ల చక్కని అవగాహన పెంచుకున్నది. వరలక్ష్మమ్మ భర్త హనుమంతరావు కూడా సంస్కార హృదయుడు. అయన రాజమండ్రిలో చదవుకునేటప్పుడు కందుకూరి సంస్కరణోద్యమంతో ప్రభావితుడయ్యాడు. స్త్రీ విద్యపట్ల గాఢమైన అభిమానాన్ని ఏర్పరచుకున్నాడు. అయన రాజమండ్రి నుంచి వస్తూ ఎన్నో విలువైన పుస్తకాలను వరలక్ష్మమ్మకు బహూకరించాడు. ఆమెకు గల సాహిత్యాభిలాషకు ప్రోత్సాహమందించాడు. ఆమె రాసిన కథలను, వ్యాసాలను ఆయనే స్వయంగా పోస్టు చేసేవాడు. రచనావిషయంలోనే కాక, ఉపన్యాసాలిచ్చే విషయంలోకూడా వరలక్ష్మమ్మకు భర్త ప్రోత్సాహం లభించింది. మదనపల్లెలో వుండగా అక్కడి మహిళా సమాజంలో వారం, వారం, ఏదో ఒక విషయంమీద వరలక్ష్మమ్మ ఉపన్యసించి అక్కడి వారి మన్ననలు పొందింది. మదనపల్లె మహిళా సమాజంలో శ్రీమతి సరోజినీనాయుడుతో పరిచయమయింది. గుంటూరు జిల్లాబోర్డు సభ్యురాలిగా ఆమె ఎన్నికయింది. జిల్లా మొత్తం 52 మంది సభ్యులలోను ఆమె ఒకతే మహిళ మూడున్నర సంవత్సరాలపాటు యథాశక్తి సేవచేసింది. ఒకసారి ఆమె అన్న అంజనేయులు ఆంగ్లంలో ప్రచురింపబడ్డ ఒక కథను తెలుగులో చెప్పి సొంతంగా ఆ కథని రాయమని చెప్పాడు. ఆమె కథను రాసి ఇచ్చింది. "సౌదామిని" అనే కలం పేరుతో అనసూయ అనే పత్రికకు ఆయన పంపారు. వారు దాన్ని ప్రచురించారు. అదే ఆమె రాసిన మొదటి కథ. తర్వాత ఆమె సొంతంగా "లక్కబరిణె, ప్రేమలత, స్వీయచరిత్ర, కనకవల్లి, మృత జీవులతో సంభాషణ మొదలైన కథలు రాసి 'అనసూయ' పత్రికకు పంపింది. ఆమె భారతికి రాసిన మొదటికథ 'సుధ', దీర్ఘసుమంగళీభవ, రెండుకోర్కెలు, దరిద్రనారాయణుడని ఆ జగద్రక్షకుడికి బిరుదైతే, నేనే అపరాధిని, ఒట్టు, మూడు తీర్మానాలు, తోటమాలి గురవడు, పెంచిన ప్రేమ, మొదలైనవి ఆమెరాసిన కథలెన్నో భారతిలో ప్రచురిత మయ్యాయి. భారతిలోనే కాకుండా, తెలుగుదేశంలోని మాసపత్రికలు, శారద, ఆంధ్రభూమి, ఆంధ్రజ్యోతి, వినోదిని, ఆంధ్రవాణి, ఆంధ్రమహిళ, ఆంధ్రపత్రిక, సంవత్సరాది సంచికలలో కూడా ఆమె కథలు వచ్చాయి. వినోదినిలో ఆమె రాసిన కథలన్నీ హాస్యస్ఫోరకమై ప్రత్యేకత సంతరించుకున్నాయి. భారతి తర్వాత ఆమె రచనలను, కథలను విరివిగా ప్రకటించిన పత్రిక గృహలక్ష్మి దాదాపు కొన్ని

సంవత్సరాలు ఆమె రచనలేని గృహలక్ష్మి పత్రిక లేదంటే అతిశయోక్తి కాదు. వరలక్ష్మమ్మ బాల్యంలో వారింటి ప్రక్క ఇంట్లో ఆరుగురు ముసలమ్మ లుండేవారు. బడికి వెళ్తూ వెళ్తూ వరలక్ష్మమ్మ ఆ అవ్వల దగ్గర కొంతకాలం గడిపేది, ఏదో ప్రసాదం పెట్టేవారు. ఆమెను ఆప్యాయంగా చూసేవాళ్ళు. వాళ్ళకి చదువురాదు. వాళ్ళ బంధువుల దగ్గర నుంచి వచ్చే ఉత్తరాలన్నీ మూడవ తరగతి చదువుతున్న వరలక్ష్మమ్మతో చదివించుకొనేవారు. అలాగే ఆమెతో జవాబులు రాయించుకొనే వారు ఇలా వారి స్నేహంతో చిన్ననాడే వరలక్ష్మమ్మకు జాబులు రాయడం అభ్యాసమైంది. తరువాత ఆ ప్రేరణతోనే "శారద లేఖలు" ఆమెరాసి మిక్కిలి ప్రసిద్ధి చెందింది.

ఆంధ్ర పత్రికలో వారం వారం ప్రచురింపబడ్డ "వసంత" లేఖలు. మొట్టమొదటిసారిగా లేఖలు రాయాలన్న కుతూహలం రేకెత్తించింది. స్త్రీలకు సంబంధించిన వివిధ విషయాలు తీసుకుని "కల్పలత" అనే స్నేహితురాలికి "శారద" రాసినట్టుగా రాయడం మొదలు పెట్టింది. 1928 లో 'గృహలక్ష్మి' ప్రథమ సంచికలోనే మొదటి శారదలేఖ ప్రచురింపబడింది. నాటినుంచి 1934 వరకు ధారావాహికంగా ప్రచురించ బడ్డాయి. ఆమె రాసిన ఒక్కొక్క లేఖ ఒక మణిపూస. ఒక లేఖలో మూఢవిశ్వాసాలు ఖండించేది. ఒక లేఖలో హృదయ విదారకమైన బాలవితంతువుల బాధల వివరణలు, వర్ణనలు వుండేవి. వరకట్నాలను నిషేధించాలని ఎలుగెత్తి చాటే లేఖలు వుండేవి. పురుషాధిక్యతను తెగనాడి విశృంఖలత్వాన్ని ద్వేషించే భావాలు కూడా లేఖలలో వుండేవి. నాటి జాతీయోద్యమానికి సంబంధించిన విషయాలపై కూడ ఆమె లేఖలు రాసింది. దాదాపు 1950 వరకు కూడా శారద లేఖలు 'గృహలక్ష్మి'లో ప్రచురింపబడుతూ వచ్చాయి. 1930లో 'గృహలక్ష్మి'లో "స్త్రీ అబల కాదు" అనే విషయంపై వ్యాసరచన పోటీని పెట్టారు. ఆ పోటీలో పన్నెండు మంది మహిళలు పాల్గొన్నారు. వారిలో వరలక్ష్మమ్మ ప్రథమురాలిగా నెగ్గి స్వర్ణపతకం గెలుచుకుంది. బొంబాయి కళ్యాణసంఘం వారు 'మహాత్ముని ఉపవాసఫలితం' అనే విషయంపై ఏర్పాటు చేసిన పోటీలో పాల్గొని మహాత్ముని చిత్రం గల రజతపతకం గెలుచుకుంది. వరలక్ష్మమ్మ పధ్నాలుగు సంవత్సరాలప్పుడు ఒక మహిళ ఆమె తల్లి వద్దకు వచ్చి కన్నీళ్లతో తనకష్టగాధను చెప్పింది. ఈ గాధను మననులో వుంచుకొన్న వరలక్ష్మమ్మ 'వసుమతి' అనే సాంఘిక నవలను రాసింది. ఇది ఆమె మొదటి నవల. ఈ నవలను మద్రాసు టెక్స్ట్ బుక్ కమిటీవారు ఉన్నత పాఠశాలల్లో పఠనీయ గ్రంథంగా ఆమోదించారు. తరువాత 'బాలనీతికథావళి' అనే పుస్తకం రాసింది. విశ్వామిత్ర మహర్షి అనే పుస్తకం ప్రౌఢకావ్య శైలిలో రాసింది. 'జ్యోతి' అనే ఆరోగ్య నాటకం, ఆరోగ్యశాఖవారి ఆమోదం పొందింది.

ద్రౌపదీ వస్త్ర సంరక్షణ సత్యాద్రౌపదీ సంవాదం అనేవి ద్విపదలు, పెన్షను పుచ్చుకున్న నాటి రాత్రి, నవభారతేతిహాసము, మొదలైనవి, ఆమె అచ్చైన పుస్తకాలు. పద్మ, పునఃప్రతిష్ఠ, జీవనరాం, రాధపెళ్ళి, అనే నాటికలను కూడా ఆమె రాసింది, 1922 లో వరలక్ష్మమ్మ మా చెట్టునీడ ముచ్చటలు అనే శీర్షికతో కొన్ని వ్యాసాలు, 'లీలావతి' అనే కలంపేరుతో ఆంధ్రపత్రికకు రాసింది. మంగళాంబ, కనకమ్మ, కళ్యాణి, సూరమ్మ వరలక్ష్మమ్మలవే యీ ముచ్చటలు. మంగళాంబది మద్రాసు, కనకమ్మది నెల్లూరు, సూరమ్మది విశాఖపట్నం, కళ్యాణిది కర్నూలు వరలక్ష్మమ్మది గుంటూరు. ఈ అయిదుగురు కృష్ణాజిల్లా బెజవాడలో ఒక

ఇంట్లో కాపురం వుంటూ ఆయింటి ముంగిటవున్న నారింజ చెట్టుక్రింద కూర్చొని తమతమ ప్రాంతాల యాసలతో వివిధవిషయాలపై చర్చించిన అనేక అంశాలే ఈ ముచ్చట్లు. ఇవి పాఠకులను విశేషంగా ఆకర్షించాయి. ఇవి ఉబుసుపోక కబుర్లుకావు. అవి విజ్ఞానంతో పాటు, కొంతహాస్యాన్ని మిళితం చేసుకొని ఆసక్తికరంగా వుండేవి. బెజవాడలో 1929లో జరిగిన మహిళా సభల్లో మొట్టమొదటిసారి వరలక్ష్మమ్మ స్పష్టంగా, నిర్దుష్టంగా మాట్లాడి అందరి మన్ననలు పొందింది. ఆ మరునాడు రామమోహన్ గ్రంథాలయంలో స్త్రీల సభకి ఉన్నవ లక్ష్మీబాయమ్మ వచ్చారు. ఆ సభకు వరలక్ష్మమ్మ అధ్యక్షురాలైంది. క్రమంగా గ్రామసభల్లో పాల్గొనడం, అధ్యక్షత వహించడం అలవాటయిపోయింది. బందరులో మూడవ ఆంధ్రమహిళా సభలో వరలక్ష్మమ్మ విడాకుల చట్టంపై ప్రసంగించి పలువురి ప్రసంశలందు కున్నది.

వరలక్ష్మమ్మకు సరోజినీనాయుడుతో పరిచయం ఎక్కడ జరిగింది ?

(1) గుంటూరు

(2) మదన పల్లె

(3) రాజమండ్రి

(4) బెజవాడ

[Question ID = 189][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q99]

1. 1 [Option ID = 753]
2. 2 [Option ID = 754]
3. 3 [Option ID = 755]
4. 4 [Option ID = 756]

Topic:- Telugu_Q100-105_L1_P1_CTET

1) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

మలయజపంకము నునువుగ
నలఁదిన మైఁదీఁగ వెలిఁగె నంబుజరాగా
మలమణిశలాకపయి వె
న్నెల పర్విన కరణి ధారుణీధరసుతకున్

ఈ పద్యంలోని అలంకారము ఏది ?

(1) ఉపమాలంకారము

(2) రూపకాలంకారము

(3) అర్థాంతరన్యాసాలంకారము

(4) స్వభావోక్త్య లంకారము

[Question ID = 190][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q100]

1. 1 [Option ID = 757]
2. 2 [Option ID = 758]
3. 3 [Option ID = 759]

4. 4 [Option ID = 760]

2) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

మలయజపంకము ననువుగ
నలఁదిన మైఁదీఁగ వెలిఁగె నంబుజరాగా
మలమణిశలాకపయి వె
న్నెల పర్విన కరణి ధారుణీధరసుతకున్

ధారుణీధర సుత అనగా

(1) తీగ

(2) పార్వతి

(3) వెన్నెల బిడ్డ

(4) గంధపుకూతురు

[Question ID = 191][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q101]

1. 1 [Option ID = 761]
2. 2 [Option ID = 762]
3. 3 [Option ID = 763]
4. 4 [Option ID = 764]

3) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

మలయజపంకము ననువుగ
నలఁదిన మైఁదీఁగ వెలిఁగె నంబుజరాగా
మలమణిశలాకపయి వె
న్నెల పర్విన కరణి ధారుణీధరసుతకున్

ఈ పద్యంలోని ఛందస్సు

(1) ఉత్పలమాల

(2) చంపకమాల

(3) కందము

(4) ఉత్సాహము

[Question ID = 192][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q102]

1. 1 [Option ID = 765]
2. 2 [Option ID = 766]
3. 3 [Option ID = 767]
4. 4 [Option ID = 768]

4) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

మలయజపంకము ననువుగ
నలఁదిన మైదీఁగ వెలిఁగె నంబుజరాగా
మలమణిశలాకపయి వె
న్నెల పర్విన కరణి ధారుణీధరసుతకున్

ఈ పద్యం మొదటిపాదంలోని మాత్రల సంఖ్య

(1) 12

(2) 14

(3) 16

(4) 24

[Question ID = 193][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q103]

1. 1 [Option ID = 769]
2. 2 [Option ID = 770]
3. 3 [Option ID = 771]
4. 4 [Option ID = 772]

5) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

మలయజపంకము ననువుగ
నలఁదిన మైదీఁగ వెలిఁగె నంబుజరాగా
మలమణిశలాకపయి వె
న్నెల పర్విన కరణి ధారుణీధరసుతకున్

నాలుగు పాదాలు కలిపితే మాత్రల సంఖ్య

(1) 48

(2) 24

(3) 36

(4) 64

[Question ID = 194][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q104]

1. 1 [Option ID = 773]
2. 2 [Option ID = 774]
3. 3 [Option ID = 775]
4. 4 [Option ID = 776]

6) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన పద్యభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

మలయజపంకము ననువుగ
నలఁదిన మైఁదీఁగ వెలిఁగె నంబుజరాగా
మలమణిశలాకపయి వె
న్నెల పర్విన కరణి ధారుణీధరసుతకున్

పద్యం టేసి పాదాలలోని చతుర్మాత్రాగణాల సంఖ్య

(1) 4

(2) 3

(3) 2

(4) 5

[Question ID = 195][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q105]

1. 1 [Option ID = 777]
2. 2 [Option ID = 778]
3. 3 [Option ID = 779]
4. 4 [Option ID = 780]

Topic:- Telugu_Q106-120_L1_P1_CTET

1) ఉపాధ్యాయులు విద్యార్థులు తమ ప్రాథమిక పఠననైపుణ్యాలు పెంపొందించుకోవటానికి ఈ క్రింది విధంగా సహాయపడాలి

(1) బోధనను వ్యక్తిగతీకరించటం, విభిన్నీకరించటం ద్వారా

(2) గ్రేడ్ కు సంబంధించి నిర్దిష్ట ప్రమాణాలను అందుకొనేందుకు ప్రమాణ బద్ధ పరీక్ష నిర్వహణ ద్వారా

(3) అనేక రకాల సాంకేతిక పద్ధతులను ఉపయోగించడం ద్వారా

(4) పఠనానికి ముందు కొత్తవి మరియు సవాలుగా నిలిచే పద సంపద ద్వారా

[Question ID = 196][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q106]

1. 1 [Option ID = 781]
2. 2 [Option ID = 782]
3. 3 [Option ID = 783]
4. 4 [Option ID = 784]

2) రెండవ తరగతి గదిలో ఒక ఉపాధ్యాయురాలు విద్యార్థులు కచ్చితంగా, సమర్థవంతంగా తమకు పరిచితమైన పదాలను అచ్చు పుస్తకంలో గుర్తించే సామర్థ్యం పెంపొందించేందుకు ప్రయత్నిస్తుంది ఆ పదాలు

(1) దృష్టి పదాలు (సైట్ వర్డ్స్)

(2) విషయ పదాలు (కంటెంట్ వర్డ్స్)

(3) క్లిష్ట పదాలు (డిఫికల్ట్ వర్డ్స్)

(4) కర్మణిపదాలు (పాసివ్ వర్డ్స్)

[Question ID = 197][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q107]

1. 1 [Option ID = 785]
2. 2 [Option ID = 786]
3. 3 [Option ID = 787]
4. 4 [Option ID = 788]

3) ఒక భాషకంటే ఎక్కువ భాషల పరిజ్ఞానం అనేది

(1) భాషా తరగతి గదిలో ఉపాధ్యాయుడికి భారమవుతుంది

(2) అభ్యాసకులకు తరగతిగది అభ్యసనంలో సమగ్రాకృతినిస్తుంది

(3) కొత్త భాషను అభ్యసించేందుకు, బోధించేందుకు సహాయకారి

(4) కొత్తభాష నేర్చుకోనడంలో ప్రమేయంగా వస్తుంది

[Question ID = 198][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q108]

1. 1 [Option ID = 789]
2. 2 [Option ID = 790]
3. 3 [Option ID = 791]
4. 4 [Option ID = 792]

4) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు నాలుగవ తరగతి గదిలో అభ్యాసకులను ఒక చిన్న పేరాగ్రాఫ్ ఇచ్చి దానిని ఏకాగ్రతతో చదవమని, లోతుగా పరిశీలించమని అడుగుతుంది. ఆమె అవసరమైనప్పుడు వారికి సహాయపడుతూ ఉంటుంది. ఆమె అనుసరిస్తున్న పద్ధతి

(1) విస్తృత పఠనం

(2) తీవ్ర పఠనం

(3) క్రమరహితపఠనం

(4) భాగస్వామ్య పఠనం

[Question ID = 199][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q109]

1. 1 [Option ID = 793]
2. 2 [Option ID = 794]
3. 3 [Option ID = 795]
4. 4 [Option ID = 796]

5) భాషాబోధనలో విద్యార్థులు సులభంగా భాష నేర్చుకునేందుకు వాస్తవిక, ఆచరణాత్మక పరిస్థితులను ఉపయోగపడేట్లుగా చేసేపద్ధతిని ఏమంటారు ?

(1) నిర్మాణవాద పద్ధతి

(2) సందర్భగత భాషాబోధనా పద్ధతి

(3) ఆడియో-లింగ్వల్ పద్ధతి

(4) ద్విభాషా పద్ధతి

[Question ID = 200][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q110]

1. 1 [Option ID = 797]
2. 2 [Option ID = 798]
3. 3 [Option ID = 799]
4. 4 [Option ID = 800]

6) పఠనానికి ముందు ఇవ్వబడే అభ్యాసాల ఉద్దేశ్యం

(1) అభ్యాసకుల పఠన నైపుణ్యాన్ని పరీక్షించేందుకు

(2) క్లిష్టపదాల, పదబంధాల అర్థాన్నిచ్చేందుకు

(3) అభ్యాసకులు వాచకంలోకి ప్రవేశించే సామర్థ్యాన్ని కల్పించటం మరియు వారికి ప్రేరణ ఇవ్వడం

(4) చదివే వాచకంలో వ్యాకరణ సంబంధాంశాలను వివరించటం

[Question ID = 201][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q111]

1. 1 [Option ID = 801]
2. 2 [Option ID = 802]
3. 3 [Option ID = 803]
4. 4 [Option ID = 804]

7) తొలి భాషా సముపార్జనలో ఈ క్రింది దశలుంటాయి

(1) కువకువలాట దశ-వాచాలత దశ-సంశ్లేణాత్మక దశ-టెలిగ్రాఫిక్ దశ రెండు పదాల దశ

(2) కువకువలాట దశ-వాచాలత దశ-రెండు పదాల దశ-టెలిగ్రాఫిక్ దశ-సంశ్లేషణాత్మక దశ

(3) కువకువలాట దశ-సంశ్లేషణాత్మక దశ-వాచాలత దశ-రెండు పదాల దశ-టెలిగ్రాఫిక్ దశ

(4) కువకువ లాట దశ-వాచాలత దశ-సంశ్లేషణాత్మక దశ-రెండుపదాల దశ-టెలిగ్రాఫిక్ దశ

[Question ID = 202][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q112]

1. 1 [Option ID = 805]
2. 2 [Option ID = 806]
3. 3 [Option ID = 807]
4. 4 [Option ID = 808]

8) ఈ క్రింది వాటిలో ఒక పద్ధతి భాషను ఒక మొత్తంగా చూస్తూ, వ్యాకరణ నిర్మాణాల గురించి, విడివిడి పదాల గురించికాక అర్థం మీద కేంద్రీకరించి ఉంటుంది

(1) పైనుంచి క్రిందకు పద్ధతి

(2) క్రిందనుంచి పైకి పద్ధతి

(3) ఎంచుకునే పద్ధతి

(4) నిగమన పద్ధతి

[Question ID = 203][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q113]

1. 1 [Option ID = 809]
2. 2 [Option ID = 810]
3. 3 [Option ID = 811]
4. 4 [Option ID = 812]

9) ఒక ఉపాధ్యాయుడు తన విద్యార్థులు తక్కువ గ్రేడు తెచ్చుకోవడానికి గల కారణాన్ని తెలుసుకోవడానికి ఈ క్రింది పరీక్షా విధానానికి రూపకల్పన చేస్తాడు

(1) డయాగ్నస్టిక్ పద్ధతి

(2) ప్రొఫిసియన్సీ పరీక్ష

(3) సాధన పరీక్ష

(4) సహజ సామర్థ్య పరీక్ష

[Question ID = 204][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q114]

1. 1 [Option ID = 813]
2. 2 [Option ID = 814]
3. 3 [Option ID = 815]
4. 4 [Option ID = 816]

10) ఒక విద్యార్థి జంట మరియు బృంద కార్యకలాపాలలో ఉత్సాహంగా పాల్గొంటాడు. అయితే లిఖిత పరీక్షలలో మాత్రం మంచి మార్కులు తెచ్చుకోలేడు. ఒక ఉపాధ్యాయుడిగా మీరు ఈ క్రింది వాటిలో ఒక దాని ద్వారా మీరు విద్యార్థికి సహరించవచ్చు

(1) ఆ విద్యార్థి సామాజిక సంపర్కాన్ని ప్రశంసించటం

(2) ఆ విద్యార్థికి రాయటంలో ఆసక్తి లేదని అతని తల్లిదండ్రులకు వివరించటం

(3) ఆ విద్యార్థికి చదువులో సహకరించమని తన తల్లిదండ్రులకు వివరించటం

(4) అతను అభివృద్ధి చెందేందుకు అతనికి నిరంతరం క్రమబద్ధంగా పరీక్షలు నిర్వహించటం

[Question ID = 205][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q115]

1. 1 [Option ID = 817]
2. 2 [Option ID = 818]
3. 3 [Option ID = 819]
4. 4 [Option ID = 820]

11) జంగల్ బుక్ లో ప్రధాన పాత్ర మొగిలి మానవ సంపర్కం లేకుండా విడిగా పెరగటం వల్ల భాషాలోపం ఉంటుంది. ఈ విషయం భాషాభివృద్ధిలో ఏ అంశాన్ని తెలుసుకోవటానికి నిదర్శనం

(1) సరైన దశలో ఆవిద్యార్థికి భాషా ఆవరణం లేకపోవటం

(2) ఆ విద్యార్థికి శారీరక సమస్యలుండటం

(3) ఆ విద్యార్థి మాట్లాడటానికి అవసరమైన అంతర్గత సామర్థ్యం లేకుండా పుట్టటం

(4) అతను మనుషుల భాషకంటే జంతువుల భాషను ఎక్కువగా ఇష్టపడటం

[Question ID = 206][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q116]

1. 1 [Option ID = 821]
2. 2 [Option ID = 822]
3. 3 [Option ID = 823]
4. 4 [Option ID = 824]

12) ఆచరణీయతలు (ప్రాగ్మాటిక్స్) దేనిని సూచిస్తుంది

(1) భాషా సామాజిక నియమాలు

(2) పాఠశాల భాషా విధానం

(3) పాఠశాల బోధనా భాష

(4) విద్యాత్మక భాష

[Question ID = 207][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q117]

1. 1 [Option ID = 825]
2. 2 [Option ID = 826]
3. 3 [Option ID = 827]
4. 4 [Option ID = 828]

13) ఒక కవితను విశ్లేషించటానికి ఈ క్రింది వాటిలో ఏది అవసరం లేదని చెప్పబడింది

(1) వ్యాకరణం

(2) పదసంపద

(3) కవితాసాధనాలు

(4) కవితా వస్తువు

[Question ID = 208][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q118]

1. 1 [Option ID = 829]
2. 2 [Option ID = 830]
3. 3 [Option ID = 831]
4. 4 [Option ID = 832]

14) లక్ష్య భాషను నేర్చుకోవటంలో ధారాళత, కచ్చితత్వాన్ని పెంపొందించుకోవడానికి ఇంతకుముందే మాతృభాషలో గ్రహించిన నైపుణ్యాలను ఉపయోగించుకోమని చెప్పే పద్ధతి

(1) ప్రత్యక్ష పద్ధతి

(2) వ్యాకరణ అనువాద పద్ధతి

(3) ద్విభాషా పద్ధతి

(4) ఆడియో లింగ్వల్ పద్ధతి

[Question ID = 209][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q119]

1. 1 [Option ID = 833]
2. 2 [Option ID = 834]
3. 3 [Option ID = 835]
4. 4 [Option ID = 836]

15) "డిస్ గ్రాఫియా" అనే ఒక అభ్యసన వైకల్యానికి సంబంధించి ఈ క్రింది వాటిలో ఏది వాస్తవం కాదు

(1) అది అభ్యాసకులు పొందికగా రాసేవిధానం మీద ప్రభావం చూపిస్తుంది

(2) అది కాగితం మీద అక్షరాలు, సంఖ్యలు పదాలు క్రమబద్ధంగా ఉంచటానికి అవరోధం కల్పిస్తుంది

(3) అది గ్రాస్ మోటార్ నైపుణ్యాలను మరియు తార్కిక ఆలోచనకు అవరోధం కల్పిస్తుంది

(4) అది అక్షరదోషాలను, చేతిరాత సరిగా లేకపోవటం లాంటి సమస్యలకు దారితీస్తుంది

[Question ID = 210][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_TELUGU_Q120]

1. 1 [Option ID = 837]
2. 2 [Option ID = 838]
3. 3 [Option ID = 839]
4. 4 [Option ID = 840]

Topic:- HIN_Q121-128_L2_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

नदी को यदि कोई उपमा शोभा देती है, तो वह माता की ही। नदी के किनारे पर रहने से अकाल का डर तो रहता ही नहीं। मेघ राजा जब धोखा देते हैं तब नदी माता ही हमारी फसल पकाती है। नदी का किनारा यानी शुद्ध और शीतल हवा। नदी के किनारे-किनारे घूमने जाएँ तो प्रकृति के मातृवात्सल्य के अखंड प्रवाह का दर्शन होता है। नदी बही हो और उसका प्रवाह धीर-गंभीर हो, तब तो उसके किनारे पर रहने वालों की संपन्नता उस नदी पर ही निर्भर करती है। सचमुच नदी जनसमाज की माता है। नदी किनारे बसे हुए शहर की गली-गली में घूमते समय एकाध कोने से नदी का दर्शन हो जाएँ, तो हमें कितना आनंद होता है। कहाँ शहर का वह गंदा वायुमंडल और कहाँ नदी का यह प्रसन्न दर्शन। दोनों के बीच का अंतर अविलंब मालूम हो जाता है। नदी ईश्वर नहीं है, बल्कि ईश्वर का स्मरण कराने वाली देवी है। यदि गुरु को वंदन आवश्यक है तो नदी को भी वंदन करना उचित है।

गद्यांश के अनुसार नदियों को किसकी उपमा दी गई है ?

(1) बहन

(2) माँ

(3) भार्या

(4) सुता

[Question ID = 211][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q121]

1. 1 [Option ID = 841]
2. 2 [Option ID = 842]
3. 3 [Option ID = 843]
4. 4 [Option ID = 844]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

नदी को यदि कोई उपमा शोभा देती है, तो वह माता की ही। नदी के किनारे पर रहने से अकाल का डर तो रहता ही नहीं। मेघ राजा जब धोखा देते हैं तब नदी माता ही हमारी फसल पकाती है। नदी का किनारा यानी शुद्ध और शीतल हवा। नदी के किनारे-किनारे घूमने जाएँ तो प्रकृति के मातृवात्सल्य के अखंड प्रवाह का दर्शन होता है। नदी बही हो और उसका प्रवाह धीर-गंभीर हो, तब तो उसके किनारे पर रहने वालों की संपन्नता उस नदी पर ही निर्भर करती है। सचमुच नदी जनसमाज की माता है। नदी किनारे बसे हुए शहर की गली-गली में घूमते समय एकाध कोने से नदी का दर्शन हो जाएँ, तो हमें कितना आनंद होता है। कहाँ शहर का वह गंदा वायुमंडल और कहाँ नदी का यह प्रसन्न दर्शन। दोनों के बीच का अंतर अविलंब मालूम हो जाता है। नदी ईश्वर नहीं है, बल्कि ईश्वर का स्मरण कराने वाली देवी है। यदि गुरु को वंदन आवश्यक है तो नदी को भी वंदन करना उचित है।

नदी के किनारे रहने वालों को किस बात की चिंता ***नहीं*** रहती है ?

(1) बाढ़

(2) वर्षा

(3) सूखा

(4) चक्रवात

[Question ID = 212][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q122]

1. 1 [Option ID = 845]
2. 2 [Option ID = 846]
3. 3 [Option ID = 847]
4. 4 [Option ID = 848]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

नदी को यदि कोई उपमा शोभा देती है, तो वह माता की ही। नदी के किनारे पर रहने से अकाल का डर तो रहता ही नहीं। मेघ राजा जब धोखा देते हैं तब नदी माता ही हमारी फसल पकाती है। नदी का किनारा यानी शुद्ध और शीतल हवा। नदी के किनारे-किनारे घूमने जाएँ तो प्रकृति के मातृवात्सल्य के अखंड प्रवाह का दर्शन होता है। नदी बही हो और उसका प्रवाह धीर-गंभीर हो, तब तो उसके किनारे पर रहने वालों की संपन्नता उस नदी पर ही निर्भर करती है। सचमुच नदी जनसमाज की माता है। नदी किनारे बसे हुए शहर की गली-गली में घूमते समय एकाध कोने से नदी का दर्शन हो जाएँ, तो हमें कितना आनंद होता है। कहाँ शहर का वह गंदा वायुमंडल और कहाँ नदी का यह प्रसन्न दर्शन। दोनों के बीच का अंतर अविलंब मालूम हो जाता है। नदी ईश्वर नहीं है, बल्कि ईश्वर का स्मरण कराने वाली देवी है। यदि गुरु को वंदन आवश्यक है तो नदी को भी वंदन करना उचित है।

'मेघ राजा जब धोखा देते हैं तब नदी माता ही हमारी फसल पकाती है।' वाक्य से तात्पर्य है

(1) सूर्य के प्रकाश के अभाव में नदी फसल पकाने में सहायता करती है।

(2) जब वर्षा नहीं होती है तब नदी के जल से फसलों की सिंचाई होती है।

(3) वर्षा तथा नदी के जल दोनों से फसलों की सिंचाई होती है।

(4) वर्षा जल से फसलों की सिंचाई होती है और नदी के जल से फसल पकाई जाती है।

[Question ID = 213][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q123]

1. 1 [Option ID = 849]
2. 2 [Option ID = 850]
3. 3 [Option ID = 851]
4. 4 [Option ID = 852]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

नदी को यदि कोई उपमा शोभा देती है, तो वह माता की ही। नदी के किनारे पर रहने से अकाल का डर तो रहता ही नहीं। मेघ राजा जब धोखा देते हैं तब नदी माता ही हमारी फसल पकाती है। नदी का किनारा यानी शुद्ध और शीतल हवा। नदी के किनारे-किनारे घूमने जाएँ तो प्रकृति के मातृवात्सल्य के अखंड प्रवाह का दर्शन होता है। नदी बही हो और उसका प्रवाह धीर-गंभीर हो, तब तो उसके किनारे पर रहने वालों की संपन्नता उस नदी पर ही निर्भर करती है। सचमुच नदी जनसमाज की माता है। नदी किनारे बसे हुए शहर की गली-गली में घूमते समय एकाध कोने से नदी का दर्शन हो जाएँ, तो हमें कितना आनंद होता है। कहाँ शहर का वह गंदा वायुमंडल और कहाँ नदी का यह प्रसन्न दर्शन। दोनों के बीच का अंतर अविलंब मालूम हो जाता है। नदी ईश्वर नहीं है, बल्कि ईश्वर का स्मरण कराने वाली देवी है। यदि गुरु को वंदन आवश्यक है तो नदी को भी वंदन करना उचित है।

नदी किनारे बसे शहर की गलियों में घूमते हुए एकाध कोने से नदी के दर्शन होने पर आनंद प्राप्त होता है, क्योंकि

(1) नदी के किनारे बसे शहर सुंदर होते हैं।

(2) नदियाँ शहरों को सुंदर बना देती हैं।

(3) नदियों के किनारे स्वच्छ वायुमंडल और हरी-भरी प्रकृति के दर्शन होते हैं।

(4) सभी शहरों की वायु विषाक्त होती है।

[Question ID = 214][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q124]

1. 1 [Option ID = 853]
2. 2 [Option ID = 854]
3. 3 [Option ID = 855]
4. 4 [Option ID = 856]

5) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

नदी को यदि कोई उपमा शोभा देती है, तो वह माता की ही। नदी के किनारे पर रहने से अकाल का डर तो रहता ही नहीं। मेघ राजा जब धोखा देते हैं तब नदी माता ही हमारी फसल पकाती है। नदी का किनारा यानी शुद्ध और शीतल हवा। नदी के किनारे-किनारे घूमने जाएँ तो प्रकृति के मातृवात्सल्य के अखंड प्रवाह का दर्शन होता है। नदी बही हो और उसका प्रवाह धीर-गंभीर हो, तब तो उसके किनारे पर रहने वालों की संपन्नता उस नदी पर ही निर्भर करती है। सचमुच नदी जनसमाज की माता है। नदी किनारे बसे हुए शहर की गली-गली में घूमते समय एकाध कोने से नदी का दर्शन हो जाएँ, तो हमें कितना आनंद होता है। कहाँ शहर का वह गंदा वायुमंडल और कहाँ नदी का यह प्रसन्न दर्शन। दोनों के बीच का अंतर अविलंब मालूम हो जाता है। नदी ईश्वर नहीं है, बल्कि ईश्वर का स्मरण कराने वाली देवी है। यदि गुरु को वंदन आवश्यक है तो नदी को भी वंदन करना उचित है।

निम्नलिखित में से कौन-सा विशेषण-विशेष्य का उदाहरण है ?

(1) मेघ राजा

(2) नदी माता

(3) शीतल हवा

(4) गंगा नदी

[Question ID = 215][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q125]

1. 1 [Option ID = 857]
2. 2 [Option ID = 858]
3. 3 [Option ID = 859]
4. 4 [Option ID = 860]

6) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

नदी को यदि कोई उपमा शोभा देती है, तो वह माता की ही। नदी के किनारे पर रहने से अकाल का डर तो रहता ही नहीं। मेघ राजा जब धोखा देते हैं तब नदी माता ही हमारी फसल पकाती है। नदी का किनारा यानी शुद्ध और शीतल हवा। नदी के किनारे-किनारे घूमने जाएँ तो प्रकृति के मातृवात्सल्य के अखंड प्रवाह का दर्शन होता है। नदी बही हो और उसका प्रवाह धीर-गंभीर हो, तब तो उसके किनारे पर रहने वालों की संपन्नता उस नदी पर ही निर्भर करती है। सचमुच नदी जनसमाज की माता है। नदी किनारे बसे हुए शहर की गली-गली में घूमते समय एकाध कोने से नदी का दर्शन हो जाएँ, तो हमें कितना आनंद होता है। कहाँ शहर का वह गंदा वायुमंडल और कहाँ नदी का यह प्रसन्न दर्शन। दोनों के बीच का अंतर अविलंब मालूम हो जाता है। नदी ईश्वर नहीं है, बल्कि ईश्वर का स्मरण कराने वाली देवी है। यदि गुरु को वंदन आवश्यक है तो नदी को भी वंदन करना उचित है।

निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण ***नहीं*** है ?

(1) माता

(2) नदी

(3) राजा

(4) आनंद

[Question ID = 216][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q126]

1. 1 [Option ID = 861]
2. 2 [Option ID = 862]
3. 3 [Option ID = 863]
4. 4 [Option ID = 864]

7) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

नदी को यदि कोई उपमा शोभा देती है, तो वह माता की ही। नदी के किनारे पर रहने से अकाल का डर तो रहता ही नहीं। मेघ राजा जब धोखा देते हैं तब नदी माता ही हमारी फसल पकाती है। नदी का किनारा यानी शुद्ध और शीतल हवा। नदी के किनारे-किनारे घूमने जाएँ तो प्रकृति के मातृवात्सल्य के अखंड प्रवाह का दर्शन होता है। नदी बही हो और उसका प्रवाह धीर-गंभीर हो, तब तो उसके किनारे पर रहने वालों की संपन्नता उस नदी पर ही निर्भर करती है। सचमुच नदी जनसमाज की माता है। नदी किनारे बसे हुए शहर की गली-गली में घूमते समय एकाध कोने से नदी का दर्शन हो जाएँ, तो हमें कितना आनंद होता है। कहाँ शहर का वह गंदा वायुमंडल और कहाँ नदी का यह प्रसन्न दर्शन। दोनों के बीच का अंतर अविलंब मालूम हो जाता है। नदी ईश्वर नहीं है, बल्कि ईश्वर का स्मरण कराने वाली देवी है। यदि गुरु को वंदन आवश्यक है तो नदी को भी वंदन करना उचित है।

'किनारे-किनारे' में समास है

(1) अव्ययीभाव

(2) कर्मधारय

(3) द्विगु

(4) तत्पुरुष

[Question ID = 217][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q127]

1. 1 [Option ID = 865]
2. 2 [Option ID = 866]
3. 3 [Option ID = 867]
4. 4 [Option ID = 868]

8) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/ सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

नदी को यदि कोई उपमा शोभा देती है, तो वह माता की ही। नदी के किनारे पर रहने से अकाल का डर तो रहता ही नहीं। मेघ राजा जब धोखा देते हैं तब नदी माता ही हमारी फसल पकाती है। नदी का किनारा यानी शुद्ध और शीतल हवा। नदी के किनारे-किनारे घूमने जाएँ तो प्रकृति के मातृवात्सल्य के अखंड प्रवाह का दर्शन होता है। नदी बही हो और उसका प्रवाह धीर-गंभीर हो, तब तो उसके किनारे पर रहने वालों की संपन्नता उस नदी पर ही निर्भर करती है। सचमुच नदी जनसमाज की माता है। नदी किनारे बसे हुए शहर की गली-गली में घूमते समय एकाध कोने से नदी का दर्शन हो जाएँ, तो हमें कितना आनंद होता है। कहाँ शहर का वह गंदा वायुमंडल और कहाँ नदी का यह प्रसन्न दर्शन। दोनों के बीच का अंतर अविलंब मालूम हो जाता है। नदी ईश्वर नहीं है, बल्कि ईश्वर का स्मरण कराने वाली देवी है। यदि गुरु को वंदन आवश्यक है तो नदी को भी वंदन करना उचित है।

'मेघ' का पर्यायवाची शब्द ***नहीं*** है

(1) घन

(2) वारिद

(3) जलद

(4) जलज

[Question ID = 218][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q128]

1. 1 [Option ID = 869]
2. 2 [Option ID = 870]
3. 3 [Option ID = 871]
4. 4 [Option ID = 872]

Topic:- HIN_Q129-135_L2_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

मैंने पहाड़ काटा। चट्टानें खोदकर ताँबा, टीन, सोना, चाँदी, लोहा और कोयला निकाला। जब तपती दोपहर होती, मैं अँधियारे में, पाताल में घुसकर, खानों में उतरकर पत्थर काटता होता। अपने मालिकों के लिए सोना निकालता होता। कोलार की खानों से अमेरिका की नई दुनिया तक जमीन की छाती फाड़-फाड़कर मैंने चमकता, लोहे से कठोर हीरा निकाला और दक्षिणी अफ्रीका में आज भी निकाले जा रहा हूँ।

बाबा आदम के वनों को काटकर मैंने पत्थर की-सी जमीन खोदकर नरम कर डाली। उसे जोत-बोकर हरा कर दिया। मैं जमीन को सोना उगलने पर मज़बूर करता था, पर वह सोना मेरे लिए न था। मुझे उस फसल को काटकर खाने योग्य करना होता था, पर उसका एक दाना भी छूना मेरे लिए मौत का परवाना था।

गद्यांश के आधार पर कहा जा सकता है कि

(1) भारत के मज़दूर परिश्रम करते हैं।

(2) विश्व के मज़दूर परिश्रम करते हैं।

(3) पहाड़ों के मज़दूर परिश्रम करते हैं।

(4) मज़दूरों को उनका उचित मानदेय मिलता है।

[Question ID = 219][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q129]

1. 1 [Option ID = 873]
2. 2 [Option ID = 874]
3. 3 [Option ID = 875]
4. 4 [Option ID = 876]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

मैंने पहाड़ काटा। चट्टानें खोदकर ताँबा, टीन, सोना, चाँदी, लोहा और कोयला निकाला। जब तपती दोपहर होती, मैं अँधियारे में, पाताल में घुसकर, खानों में उतरकर पत्थर काटता होता। अपने मालिकों के लिए सोना निकालता होता। कोलार की खानों से अमेरिका की नई दुनिया तक जमीन की छाती फाड़-फाड़कर मैंने चमकता, लोहे से कठोर हीरा निकाला और दक्षिणी अफ्रीका में आज भी निकाले जा रहा हूँ।

बाबा आदम के वनों को काटकर मैंने पत्थर की-सी जमीन खोदकर नरम कर डाली। उसे जोत-बोकर हरा कर दिया। मैं जमीन को सोना उगलने पर मज़बूर करता था, पर वह सोना मेरे लिए न था। मुझे उस फसल को काटकर खाने योग्य करना होता था, पर उसका एक दाना भी छूना मेरे लिए मौत का परवाना था।

'तपती दोपहरी होती' वाक्यांश मज़दूर की उस कठिन स्थिति की ओर संकेत करता है, जहाँ

(1) वे खनिज पदार्थ ही निकालते हैं।

(2) वे जीवन को संकट में डालते हैं।

(3) वे सदैव पत्थर काटते हैं।

(4) पाताल में चले जाते हैं।

[Question ID = 220][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q130]

1. 1 [Option ID = 877]
2. 2 [Option ID = 878]
3. 3 [Option ID = 879]
4. 4 [Option ID = 880]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

मैंने पहाड़ काटा । चट्टानें खोदकर ताँबा, टीन, सोना, चाँदी, लोहा और कोयला निकाला । जब तपती दोपहर होती, मैं अँधियारे में, पाताल में घुसकर, खानों में उतरकर पत्थर काटता होता । अपने मालिकों के लिए सोना निकालता होता । कोलार की खानों से अमेरिका की नई दुनिया तक जमीन की छाती फाड़-फाड़कर मैंने चमकता, लोहे से कठोर हीरा निकाला और दक्षिणी अफ्रीका में आज भी निकाले जा रहा हूँ ।

बाबा आदम के वनों को काटकर मैंने पत्थर की-सी जमीन खोदकर नरम कर डाली । उसे जोत-बोकर हरा कर दिया । मैं जमीन को सोना उगलने पर मज़बूर करता था, पर वह सोना मेरे लिए न था । मुझे उस फसल को काटकर खाने योग्य करना होता था, पर उसका एक दाना भी छूना मेरे लिए मौत का परवाना था ।

'पाताल में घुसने' से तात्पर्य है

(1) धरती के बहुत नीचे जाकर काम करना ।

(2) धरती के बहुत नीचे जाकर रहना ।

(3) पाताल में बसी खानों में रहना ।

(4) धरती पर पर्वतों को काटना ।

[Question ID = 221][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q131]

1. 1 [Option ID = 881]
2. 2 [Option ID = 882]
3. 3 [Option ID = 883]
4. 4 [Option ID = 884]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

मैंने पहाड़ काटा । चट्टानें खोदकर ताँबा, टीन, सोना, चाँदी, लोहा और कोयला निकाला । जब तपती दोपहर होती, मैं अँधियारे में, पाताल में घुसकर, खानों में उतरकर पत्थर काटता होता । अपने मालिकों के लिए सोना निकालता होता । कोलार की खानों से अमेरिका की नई दुनिया तक जमीन की छाती फाड़-फाड़कर मैंने चमकता, लोहे से कठोर हीरा निकाला और दक्षिणी अफ्रीका में आज भी निकाले जा रहा हूँ ।

बाबा आदम के वनों को काटकर मैंने पत्थर की-सी जमीन खोदकर नरम कर डाली । उसे जोत-बोकर हरा कर दिया । मैं जमीन को सोना उगलने पर मज़बूर करता था, पर वह सोना मेरे लिए न था । मुझे उस फसल को काटकर खाने योग्य करना होता था, पर उसका एक दाना भी छूना मेरे लिए मौत का परवाना था ।

मज़दूर भीषण गर्मी में भी निरंतर कार्य करते हैं। यह बात किस पद से पता चलती है ?

(1) पहाड़ काटा

(2) पत्थर काटता

(3) तपती दोपहर

(4) हीरा निकाला

[Question ID = 222][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q132]

1. 1 [Option ID = 885]
2. 2 [Option ID = 886]
3. 3 [Option ID = 887]
4. 4 [Option ID = 888]

5) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

मैंने पहाड़ काटा। चट्टानें खोदकर ताँबा, टीन, सोना, चाँदी, लोहा और कोयला निकाला। जब तपती दोपहर होती, मैं अँधियारे में, पाताल में घुसकर, खानों में उतरकर पत्थर काटता होता। अपने मालिकों के लिए सोना निकालता होता। कोलार की खानों से अमेरिका की नई दुनिया तक जमीन की छाती फाड़-फाडकर मैंने चमकता, लोहे से कठोर हीरा निकाला और दक्षिणी अफ्रीका में आज भी निकाले जा रहा हूँ।

बाबा आदम के वनों को काटकर मैंने पत्थर की-सी जमीन खोदकर नरम कर डाली। उसे जोत-बोकर हरा कर दिया। मैं जमीन को सोना उगलने पर मज़बूर करता था, पर वह सोना मेरे लिए न था। मुझे उस फसल को काटकर खाने योग्य करना होता था, पर उसका एक दाना भी छूना मेरे लिए मौत का परवाना था।

मज़दूर ने कौन-सा विशेष काम किया ?

(1) वनों को काटकर खेती की

(2) वनों को काटकर सोना निकाला

(3) फसल उगाकर भोजन बनाया

(4) जमीन को पत्थर-सा बनाया

[Question ID = 223][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q133]

1. 1 [Option ID = 889]
2. 2 [Option ID = 890]
3. 3 [Option ID = 891]
4. 4 [Option ID = 892]

6) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

मैंने पहाड़ काटा । चट्टानें खोदकर ताँबा, टीन, सोना, चाँदी, लोहा और कोयला निकाला । जब तपती दोपहर होती, मैं अँधियारे में, पाताल में घुसकर, खानों में उतरकर पत्थर काटता होता । अपने मालिकों के लिए सोना निकालता होता । कोलार की खानों से अमेरिका की नई दुनिया तक जमीन की छाती फाड़-फाड़कर मैंने चमकता, लोहे से कठोर हीरा निकाला और दक्षिणी अफ्रीका में आज भी निकाले जा रहा हूँ ।

बाबा आदम के वनों को काटकर मैंने पत्थर की-सी जमीन खोदकर नरम कर डाली । उसे जोत-बोकर हरा कर दिया । मैं जमीन को सोना उगलने पर मज़बूर करता था, पर वह सोना मेरे लिए न था । मुझे उस फसल को काटकर खाने योग्य करना होता था, पर उसका एक दाना भी छूना मेरे लिए मौत का परवाना था ।

समूह से भिन्न शब्द है

(1) सोना

(2) चाँदी

(3) हीरा

(4) काटना

[Question ID = 224][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q134]

1. 1 [Option ID = 893]
2. 2 [Option ID = 894]
3. 3 [Option ID = 895]
4. 4 [Option ID = 896]

7) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

मैंने पहाड़ काटा । चट्टानें खोदकर ताँबा, टीन, सोना, चाँदी, लोहा और कोयला निकाला । जब तपती दोपहर होती, मैं अँधियारे में, पाताल में घुसकर, खानों में उतरकर पत्थर काटता होता । अपने मालिकों के लिए सोना निकालता होता । कोलार की खानों से अमेरिका की नई दुनिया तक जमीन की छाती फाड़-फाड़कर मैंने चमकता, लोहे से कठोर हीरा निकाला और दक्षिणी अफ्रीका में आज भी निकाले जा रहा हूँ।

बाबा आदम के वनों को काटकर मैंने पत्थर की-सी जमीन खोदकर नरम कर डाली । उसे जोत-बोकर हरा कर दिया । मैं जमीन को सोना उगलने पर मज़बूर करता था, पर वह सोना मेरे लिए न था । मुझे उस फसल को काटकर खाने योग्य करना होता था, पर उसका एक दाना भी छूना मेरे लिए मौत का परवाना था ।

'योग्य' का विलोम शब्द है

(1) कुपात्र

(2) कुपुत्र

(3) अयोग्य

(4) आयोग्य

[Question ID = 225][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q135]

1. 1 [Option ID = 897]
2. 2 [Option ID = 898]
3. 3 [Option ID = 899]
4. 4 [Option ID = 900]

Topic:- HIN_Q136-150_L2_P1_CTET

1) निम्नलिखित में से कौन-सा शिक्षार्थियों में पठन कौशल विकसित करने का उद्देश्य ***नहीं*** है ?

(1) पाठ्यसामग्री को डिकोड करना

(2) पाठ्यसामग्री में से अर्थ ढूँढ़ना

(3) पाठ्यसामग्री में से निष्कर्ष ढूँढ़ना

(4) पाठ्यसामग्री को अपने पूर्व ज्ञान से जोड़ना

[Question ID = 226][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q136]

1. 1 [Option ID = 901]
2. 2 [Option ID = 902]
3. 3 [Option ID = 903]
4. 4 [Option ID = 904]

2) एक अध्यापिका को कक्षा 6 में एक कहानी पढ़ानी है। वह एक दिन पहले विद्यार्थियों को वह कहानी पढ़ने के लिए देती है और उस पर विचार बिन्दु समन्वित करने के लिए कहती है। यहाँ पर वह क्या करने का प्रयास कर रही है ?

(1) यह पठन-पूर्व कार्य है

(2) शिक्षार्थियों के पूर्व ज्ञान से जोड़ना

(3) कक्षा में प्रभावशाली पठन और अधिगम के लिए सामाजिक गतिविधियाँ

(4) शिक्षार्थियों को अपने लेखन कार्यों में संलग्न करने की युक्ति अपनाना

[Question ID = 227][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q137]

1. 1 [Option ID = 905]
2. 2 [Option ID = 906]
3. 3 [Option ID = 907]
4. 4 [Option ID = 908]

3) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार बुनियादी चरण के बारे में निम्नलिखित में से क्या सही है ?

(1) कक्षा दो तक विद्यालयी शिक्षा के पहले पाँच वर्ष

(2) कक्षा एक तक विद्यालयी शिक्षा के पहले तीन वर्ष

(3) कक्षा पाँच तक विद्यालयी शिक्षा के पहले आठ वर्ष

(4) कक्षा दस तक सामान्य विद्यालयी शिक्षा

[Question ID = 228][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q138]

1. 1 [Option ID = 909]
2. 2 [Option ID = 910]
3. 3 [Option ID = 911]
4. 4 [Option ID = 912]

4) बच्चे दीवारों और फ़र्श पर आड़ी-तिरछी रेखाएँ (स्क्रिबल) खींचते हैं। यह किसका हिस्सा है ?

(1) आरंभिक साक्षरता

(2) कार्यात्मक साक्षरता

(3) यह पठन के बाद की साक्षरता संबंधी गतिविधि है

(4) यह पठन के दौरान की साक्षरता संबंधी गतिविधि है

[Question ID = 229][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q139]

1. 1 [Option ID = 913]
2. 2 [Option ID = 914]
3. 3 [Option ID = 915]
4. 4 [Option ID = 916]

5) विद्यालयी शिक्षा में मातृभाषा आधारित बहुभाषावाद का क्या उद्देश्य है ?

(1) बच्चे मातृभाषा सीखें और अपनी मातृभाषा के माध्यम से सीखें

(2) बच्चे विद्यालय की भाषा, अंग्रेजी और हिन्दी सीखें और बाद में विदेशी भाषाएँ सीखें

(3) बच्चे कार्यालयी भाषा, अंग्रेजी और विदेशी भाषाएँ सीखें

(4) बच्चे विद्यालयी शिक्षा की शुरुआत मातृभाषा में करें और इसके बाद अन्य भाषाओं से जुड़ते जाएँ

[Question ID = 230][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q140]

1. 1 [Option ID = 917]
2. 2 [Option ID = 918]
3. 3 [Option ID = 919]
4. 4 [Option ID = 920]

6) अध्यापिका कक्षा में दो-दो के जोड़ों में कार्य करवाती है। शिक्षार्थियों को छह वाक्यों का एक समूह दिया गया है और शिक्षार्थियों को, जो जोड़ियों में हैं, एक को वाक्य बोलना है व दूसरे को सुनकर लिखना है। ऐसा वे बारी-बारी से करेंगे। वे छह वाक्यों को इस तरह से पूरा करेंगे और बारी-बारी से पढ़ेंगे। इस कार्य को किस रूप में जाना जाएगा ?

(1) वर्तनी पढ़ाना

(2) लेखन कार्य

(3) पठन कार्य

(4) पारस्परिक श्रुतलेख

[Question ID = 231][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q141]

1. 1 [Option ID = 921]
2. 2 [Option ID = 922]
3. 3 [Option ID = 923]
4. 4 [Option ID = 924]

7) निम्नलिखित में से कौन-सा भाषा अधिगम के बारे में सही है ?

(1) भाषा अधिगम के लिए व्याकरण सीखना अनिवार्य है।

(2) कुछ भाषाओं को सीखना कठिन है।

(3) सभी बच्चे एक समान तरीके से भाषाएँ सीखते हैं।

(4) भाषा प्रयोग और संलग्नता के माध्यम से सीखी जाती है।

[Question ID = 232][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q142]

1. 1 [Option ID = 925]
2. 2 [Option ID = 926]
3. 3 [Option ID = 927]
4. 4 [Option ID = 928]

8) कक्षा चार की अध्यापिका अपने विद्यार्थियों को 'भोजन' और 'भोजन करना' से सम्बन्धित शब्दों पर चर्चा करने और शब्द संग्रहीत करने के लिए कहती है । उसके बाद वह इन सम्बन्धित शब्दों को चार्ट पेपर पर लिखकर दीवार पर प्रदर्शित करने के लिए कहती है । वह कक्षा में शब्द भंडार के अधिगम के लिए कौन-सी युक्ति अपना रही है ?

(1) समूह कार्य द्वारा शब्द भंडार

(2) शब्द समूह

(3) कथ्यपरक (थिमेटिक) उपागम

(4) समग्र भाषा उपागम

[Question ID = 233][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q143]

1. 1 [Option ID = 929]
2. 2 [Option ID = 930]
3. 3 [Option ID = 931]
4. 4 [Option ID = 932]

9) कक्षा पाँच की अध्यापिका अपने शिक्षार्थियों को समूह में अनेक बार जिह्वा मुड़कन (टंग ट्विस्टर) पढ़ने के लिए कहती है। वह अपने शिक्षार्थियों को क्या सिखाने का प्रयास कर रही है ?

(1) पठन

(2) उच्चारण

(3) वाचन

(4) श्रवण

[Question ID = 234][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q144]

1. 1 [Option ID = 933]
2. 2 [Option ID = 934]
3. 3 [Option ID = 935]
4. 4 [Option ID = 936]

10) भाषा अधिगम के संकल्पनात्मक अधिगम के दौरान कविता (राइम) और शिशुगीत निम्नलिखित में से किन उद्देश्यों को पूरा करते हैं ?

(A) वे भाषा अधिगम के लिए निवेश का कार्य करते हैं।

(B) वे शिक्षार्थियों में कल्पनाशीलता पोषित करते हैं।

(C) वे कंठस्थीकरण और ड्रिल का काम करते हैं।

(D) वे कंठस्थीकरण सीखने के लिए हैं।

(1) (A), (B) और (C) सही हैं।

(2) (A) और (D) सही हैं।

(3) (A) और (C) सही हैं।

(4) (A) और (B) सही हैं।

[Question ID = 235][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q145]

1. 1 [Option ID = 937]

2. 2 [Option ID = 938]
3. 3 [Option ID = 939]
4. 4 [Option ID = 940]

11) कक्षा चार के शिक्षार्थियों को कहा गया कि वे अपने अभिभावकों और दादा-दादी / नाना-नानी को अपने बचपन और उस समय के सामाजिक जीवन के बारे में बताएँ। शिक्षार्थी को अपनी इस अन्त:क्रिया के बारे में कक्षा में प्रस्तुति देनी है। बाद में वे इससे संबंधित एक पोस्टर तैयार करते हैं और दीवार पर प्रदर्शित करते हैं। इस गतिविधि को क्या कहा जाएगा ?

(1) वाचन गतिविधि

(2) लेखन गतिविधि

(3) परियोजना कार्य

(4) मौखिक भाषा विकास कार्य

[Question ID = 236][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q146]
1. 1 [Option ID = 941]
2. 2 [Option ID = 942]
3. 3 [Option ID = 943]
4. 4 [Option ID = 944]

12) कक्षा तीन की एक अध्यापिका शिक्षार्थियों के प्रत्येक समूह को एक शब्द देती है और उस शब्द के आगे या पीछे कुछ जोड़कर नया शब्द बनाने के लिए कहती है। इसे क्या कहा जाएगा ?

(1) क्रम या साथ-साथ रखने का कार्य (कोलोकेशन)

(2) शब्द जाल

(3) शब्द भंडार

(4) विषयक (थिमेटिक) संबंधी शब्द

[Question ID = 237][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q147]
1. 1 [Option ID = 945]
2. 2 [Option ID = 946]
3. 3 [Option ID = 947]
4. 4 [Option ID = 948]

13) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है ?

(1) लेखन कौशल पठन के साथ-साथ विकसित होता है।

(2) पहले पठन कौशल विकसित होता है, इसके बाद लेखन कौशल विकसित होता है।

(3) लेखन कौशल के विकास में समय लगता है।

(4) लेखन कौशल पठन से पहले विकसित होता है।

[Question ID = 238][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q148]
1. 1 [Option ID = 949]
2. 2 [Option ID = 950]
3. 3 [Option ID = 951]
4. 4 [Option ID = 952]

14) कणिका पर्यावरण अध्ययन की अध्यापिका है। वह अपने विद्यार्थियों को अपनी पाठ्यपुस्तक से पाठ पढ़ने के लिए कहती है और विषयवस्तु तथा भाषा दोनों सिखाने के उद्देश्य से शब्द भंडार और बोधगम्य कार्य करने के लिए देती है। इस युक्ति/प्रक्रिया को क्या कहा जाएगा ?

(1) पठन द्वारा अधिगम

(2) भूगोल पढ़ना

(3) शब्द सीखना

(4) भाषा समूचे पाठ्यक्रम में

[Question ID = 239][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q149]

1. 1 [Option ID = 953]
2. 2 [Option ID = 954]
3. 3 [Option ID = 955]
4. 4 [Option ID = 956]

15) एक अध्यापिका शिक्षार्थियों द्वारा लेखन में की गई गलतियों, वर्तनी और व्याकरण दोनों प्रकार की गलतियों की पहचान करती है। इसके बाद वह समूची कक्षा में बिना विद्यार्थी का नाम लिए प्रत्येक सप्ताह इन गलतियों के बारे में समझाती है। इस प्रक्रिया को क्या कहा जाएगा ?

(1) उपचारात्मक शिक्षण

(2) प्रतिपुष्टि देना

(3) शिक्षार्थियों को यह बताना कि उनकी गलतियाँ बहुत गंभीर हैं

(4) शिक्षार्थियों को यह बताना कि गलतियाँ भाषा अधिगम में व्यवधान डालती हैं

[Question ID = 240][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_111_HINDI_Q150]

1. 1 [Option ID = 957]
2. 2 [Option ID = 958]
3. 3 [Option ID = 959]
4. 4 [Option ID = 960]